जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 27 मार्च, 2024

HF

Hero

समझौता नहीं,
सिर्फ नई HF-Deluxe

पेश है नई HF Deluxe - बेमिसाल माइलेज, बेजोड़ मज़बूती और बेहतरीन सुरक्षा के साथ

सेल्स कार्निवल
27 से 31 मार्च '24

ऑफर केवल सीमित स्टॉक उपलब्धता तक

स्पेशल ऑफर
शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत
~~₹59893~~*
₹56793*
कैश डिस्काउंट ₹3,100*

माइलेज का हीरो

कम डाउन पेमेंट ₹4999^ | EMI ₹2699^ से शुरू | कम ब्याज दर 9.99%* से शुरू | Hero GoodLife अतिरिक्त कैश डिस्काउंट ₹2000˜ तक | INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY# | 6000^^ km OR 6 Months Service interval | टोल फ्री 1800 266 0018 | Chola Enter a better life | Hero FINCORP

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. **As per the cumulative dispatch number till March 2023. #Highest sales for any 2 Wheeler Corporate Entity in the world for Calendar Year 2022 - Data source: DNA Consult & Advisory's report Assessment of Global Two Wheelers Market (CY22). ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. *Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only. ˜On successful redemption of Hero GoodLife Sales Voucher. Offer valid for eligible Hero GoodLife Members only. For more details, please visit your nearest authorised Hero outlet. ^^Terms and Conditions apply. ˇStarting price of HF Deluxe Drum Brake Kick Start in Jaipur.

अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, **सुप्रीम हीरो,** गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, **आकड़ हीरो,** अजमेर रोड़, 9289922192, **शुभम हीरो,** सहकार मार्ग, 9289922207, **कोटपूतली: चौधरी हीरो,** 9289922797, **अधिकृत सर्विस प्वाइंट: जयपुर: सुपर मोटर्स,** 8824088678, **मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स,** 9579258884, **जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स,** 8003088062, **झोटवाड़ा: बीपीएस मोटर्स,** 9314048181, **सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन,** 9261499995, **बगरू: लाम्बा मोटर्स,** 97728 81888, **भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स,** 9314013185, **चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल,** 9950560918, **बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स,** 9414312552, **दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स,** 9352727667, **शाहपुरा: सत्यम मोटर्स,** 8104361919, **हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स,** 9314050594, **फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स,** 9414818930, **जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स,** 9828090676, **जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स,** 8769505565, **पावटा: पंकज मोटर्स,** 96104 26700, **कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स,** 9414228404, **मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स,** 8560000816, 9414643816.

विचार बिन्दु

बिना मांगे किसी को उपदेश ना दो। –जर्मन कहावत

इलेक्टोरल बॉन्ड बंद होने के बाद गोटी फिर पहले खाने में

अपने बहुप्रतीक्षित फैसले में, सर्वोच्च न्यायालय की एक पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने इलेक्टोरल बांड योजना को असंवैधानिक करार देते हुए समाप्त कर दिया है। अदालत ने आदेश दिया कि भारतीय स्टेट बैंक, जो यह बॉन्ड जारी करती थी, को छह साल पुरानी योजना में बॉन्ड खरीदने वालों तथा सिकारने वालों की सूची निर्वाचन आयोग को दे जो उसे अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करेगी। एसबीआई ने अब सारी सूचना निर्वाचन आयोग को दे दी है जिसने उसे अपने वेबसाइट पर डाल कर सार्वजनिक कर दिया है। लेकिन कुछ लोगों को यदि लगा कि एसबीआई के आंकड़े सार्वजनिक होते ही लोकसभा चुनावों से पहले बड़ा राजनैतिक भूचाल आ जाएगा वैसा कुछ नहीं हुआ। किसने चुनावी चंदा दिया और किसने लिया उसके आंकड़े यह नहीं बताते कि लेनदेन क्या किन्ही हितों को साधने के लिये हुआ? लेकिन अभी मामला समाप्त नहीं हो गया है। इन आंकड़ों पर गहन अध्ययन चलेगा और लेनदेन के पीछे के उद्देश्यों पर लंबे समय तक आरोप लगते रहेंगे। सर्वोच्च अदालत का फैसला इस बात को लेकर नहीं है कि किसने किसी को चुनावी चन्दा क्यों दिया। उसने माना है कि चुनावी चंदे देने वाले के बारे में जानकारी का खुलासा न करना संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के अनुसार मतदाता के सूचना के अधिकार का उल्लंघन है। सरकार की यह दलील अदालत ने नहीं मानी कि चंदा प्राप्त करने वाले राजनीतिक दल को चन्दा देने वाले की पहचान के बारे में पता नहीं होता है क्योंकि न तो बांड पर देने वाले का नाम होता है और न ही बैंक राजनीतिक दल को यह जानकारी दे सकता है। फैसले में कहा गया है कि हालांकि चंदा देने वाले के नाम की गोपनीयता चुनावी बांड के कानून की मुख्य विशेषता है, किन्तु चंदा देने वालों की वैधानिक गोपनीयता वास्तविक गोपनीयता में तब्दील नहीं होती है। योजना फूलप्रूफ नहीं है। इस योजना में पर्याप्त कमियां हैं जिनसे राजनीतिक दलों को पता होता है कि उन्हें किसने चन्दा दिया है। अदालत ने माना कि किसी एक व्यक्ति की तुलना में किसी कंपनी की राजनीतिक चंदे से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की क्षमता बहुत अधिक होती है। राजनीतिक दलों को दिए गए धन की मात्रा और ऐसे चंदा देने के उद्देश्य दोनों के संदर्भ में यह प्रभावी होता है। अदालत ने कहा कि व्यक्तियों द्वारा दिये जाने वाले चंदे में किसी राजनीतिक संगठन के प्रति समर्थन या संबद्धता की भावना होती है जबकि कंपनियों द्वारा किया गया योगदान पूरी तरह से व्यावसायिक लेनदेन होता है, जो बदले में लाभ हासिल करने के इरादे से किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद चुनावों में धन के खेल की बहस फिर वहीं पहुंच गई है जहां वह इलेक्टोरल बॉन्ड योजना लागू होने से पहले थी। केंद्र सरकार का अदालत में कहना था कि इलेक्टोरल बॉन्ड की योजना यह सुनिश्चित करने की एक विधि के रूप में लाई गई थी जिससे सफेद धन का उपयोग उचित बैंकिंग चैनलों के माध्यम से राजनीतिक वित्तपोषण के लिए किया जाए। सरकार का यह भी तर्क था कि दानदाताओं की पहचान गोपनीय रखना इसलिए जरूरी होती है ताकि उन्हें राजनीतिक दलों से प्रतिशोध का सामना न करना पड़े। उपलब्ध आंकड़े यह दिलचस्प जानकारी देते हैं कि इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से अधिकांश योगदान उन राजनीतिक दलों को गया जो केंद्र और राज्यों में सत्तारूढ़ दल हैं और सभी राजनैतिक दलों के हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड बंद हो जाने से चुनावी फंडिंग का उचित स्त्रोत खोजने की फिर से मंथन शुरु करना होगी। इस तरह देखें तो गोटी फिर से पहले खाने में आ गई है।

चुनावी चंदों में पारदर्शिता लाने का उद्देश्य बताते हुए सबसे पहले 2017 के अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इलेक्टोरल बॉन्ड की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि आज़ादी के 70 साल बाद भी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के लिए जरूरी देश राजनैतिक पार्टियों को मिलने वाले चंदे का कोई पारदर्शी तरीका नहीं बन पाया है। हालांकि इससे पहले भी कुछ सुधार किये गये थे। एक तो यह किया गया था कि जो कंपनियां राजनैतिक दलों को चंदा देती हैं उन्हें वह खर्च अपने खातों में दिखाना होगा। दूसरा यह कि राजनैतिक दलों को एक साथ मिलने वाले बीस हजार रुपये से अधिक की नकद राशि के चंदे की सूचना निर्वाचन आयोग को देनी होगी। मगर सरकार की तरफ से कहा गया कि अधिकतर राजनैतिक पार्टियां अज्ञात स्त्रोतों से नकद चंदा पाती हैं। कंपनियां खुले तौर पर चैक से इसलिए राजनैतिक दलों को चंदा नहीं देती क्योंकि उन्हें अपनी पहचान जाहिर होने पर बुरे नतीजे भुगतने का डर होता है। इसके लिए सरकार ने इलेक्टोरल बॉन्ड का प्रस्ताव किया जो अधिकृत बैंकों से दानदाता द्वारा चैक या डिजिटल भुगतान से खरीदे जा सकते हों। उन बॉन्ड को राजनैतिक दलों के निर्धारित बैंक खातों में एक निश्चित अवधि में जमा कराया जा सकता था। उन्होंने नकद चंदे की अधिकतम राशि भी प्रति व्यक्ति दो हजार रुपये कर दी। इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था लागू करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक तथा आयकर कानूनों में संशोधन किया गया ताकि केंद्र सरकार किसी बैंक को एलेक्टोरल बॉन्ड जारी करने के लिए प्राधिकृत कर सके। इसके अलावा आयकर कानून में संशोधन करके एलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने की राशि को 88 जीजीबी में उनकी आय से घटाने की व्यवस्था भी की गई। इन सारे संशोधनों को भी शीर्ष अदालत ने अब रद्द कर दिया है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली जो अपने बजट भाषण में यह प्रस्ताव लेकर आये थे, वर्षों तक भारतीय जनता पार्टी के कोषाध्यक्ष रह चुके थे। इस प्रस्ताव पर खूब विवाद भी हुआ। विरोधी राजनैतिक दलों को चिंता थी कि इससे कॉर्पोरेट जगत से मिलने वाला सारा चंदा सत्तारूढ़ दल हड़प जाएगा। लेकिन जेटली का कहना था कि उनकी अपनी बीजेपी जैसी पार्टी को भी 90 प्रतिशत चंदा नकद में मिलता है और उसे ऐसे चंदों को बीस-बीस हजार रुपयों के टुकड़ों में दिखाया जाता है ताकि वास्तविक चंदा देने वालों की जानकारी नहीं देनी पड़े तथा उनकी पहचान गोपनीय रह सके। हालांकि उन्होंने यह भी माना था कि वे इलेक्टोरल बॉन्ड का जो प्रस्ताव कर रहे हैं वह न तो सर्वश्रेष्ठ है और न पूर्ण पारदर्शिता वाला है, लेकिन वह तत्कालीन व्यवस्था से बेहतर है। कंपनियों को अपने खातों में पारदर्शी तरीके से ऐसे चंदे दिखाने होंगे। बस इतना ही होगा कि उन्होंने किसको चंदा दिया है वह उजागर नहीं होगा।

वैसे पार्टियों के पास चुनावों में पैसा इलेक्टोरल बॉन्ड के साथ-साथ चेक और कैश जैसे अन्य रास्तों से भी आता रहा है। इलेक्शन कमीशन द्वारा निर्धारित चुनाव खर्च सीमा को उम्मीदवार कैसे धता बताते हैं वह भी किसी से छुपा नहीं है। मगर शीर्ष अदालत ने कोई विकल्प निर्देशित नहीं किया है। इस फैसले के बाद हम फिर वहीं पुराने समय में पहुंच चुके हैं जहां पार्टियों को 70 प्रतिशत चंदा नकद के रूप में मिलता था।

यह जानना भी दिलचस्प होगा कि निर्वाचन आयोग शुरू से एलेक्टोरल बॉन्ड के सिद्धांतत: खिलाफ था। दूसरी तरफ भारतीय रिजर्व बैंक को भी चिंता थी कि कहीं ये बियरर बॉन्ड न बन जाए तथा पैसों की हेराफेरी के काम में न आने लगें। तत्कालीन चुनाव आयुक्तों में से एक ओ. पी. रावत ने तो इलेक्टोरल बॉन्ड की आलोचना करते हुए सार्वजनिक बयान तक दिया था। उन्हें खतरा था कि इससे फर्जी कंपनियों द्वारा राजनैतिक चंदा देने की प्रथा बढ़ेगी। हालांकि अन्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा मोटे तौर पर इस राय के थे कि इस मामले में फ़ैसला सरकार को लेना है। मुख्य चुनाव आयुक्त अचल कुमार जोटी भी सहमत थे कि बॉन्ड पारदर्शी हैं लेकिन वे इस पाबंदी से सहमत नहीं थे कि बॉन्ड से चंदा वे राजनैतिक दल ही ले सकेंगे जिन्होंने पिछले चुनावों में एक प्रतिशत वोट पाये हों। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी 2018 में इलेक्टोरल बॉन्ड योजना का विरोध करते हुए सर्वोच्च अदालत में गई जिस पर निर्वाचन आयोग ने भी अपना शपथ पत्र प्रस्तुत कियाथा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ऊर्जित पटेल ने भी सरकार को चिट्ठी लिख कर सवाल खड़ा किया था कि आरबीआई के अलावा और कोई अन्य बैंक बॉन्ड कैसे जारी कर रही है? मगर इसके लिए सरकार आरबीआई कानून में पहले ही संशोधन कर चुकी थी। केंद्र सरकार ने बॉन्ड जारी करने के लिए केवल भारतीय स्टेट बैंक को अधिकृत किया। इलेक्टोरल बॉन्ड पर केंद्र सरकार के ही विधि मंत्रालय ने भी अनेक अड़ंगे लगाये थे। अन्तत: 2018 की जनवरी में इलेक्टोरल बॉन्ड की अधिसूचना जारी कर दी गई। इसके खिलाफ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) अधिसूचना जारी होने के पहले ही उसे रोकने के लिए सर्वोच्च न्यायालय पहुंच गई। मगर सुप्रीम कोर्ट ने उसकी याचिका पर कोई स्थगन आदेश नहीं दिया। अब इस अदालत का जो फैसला आया है उससे यह सवाल स्वाभाविक ही पूछा जा रहा है कि क्या इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को असंवैधानिक क़रार देने मात्र से से चुनावी राजनीति में धन-बल का प्रभाव समाप्त हो जाएगा? वैसे पार्टियों के पास चुनावों में पैसा इलेक्टोरल बॉन्ड के साथ-साथ चेक और कैश जैसे अन्य रास्तों से भी आता रहा है। इलेक्शन कमीशन द्वारा निर्धारित चुनाव खर्च सीमा को उम्मीदवार कैसे धता बताते हैं वह भी किसी से छुपा नहीं है। मगर शीर्ष अदालत ने कोई विकल्प निर्देशित नहीं किया है। इस फैसले के बाद हम फिर वहीं पुराने समय में पहुंच चुके हैं जहां पार्टियों को 70 प्रतिशत चंदा नकद के रूप में मिलता था।

राजनीतिक दलों के खर्च पर नजर रखने वाली संस्था सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज का अनुमान है कि विभिन्न राजनीतिक दल द्वारा मौजूद लोकसभा चुनाव में लगभग 14.4 अरब डॉलर खर्च कर सकते हैं। यदि वह 70 प्रतिशत नकदी में होता है तो काले धन की कैसी व्यवस्था पनपेगी इसका अंदाजा कोई नहीं लगा रहा है, भले ही सभी काले धन को जड़-मूल से समाप्त करना चाहते हैं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक

पानी से जूझते राज्य को नई उम्मीद

डॉ. सुरेन्द्र सिंह

इस सृष्टि की रचना जल से हुई है और मनुष्य ही नहीं समूची सृष्टि को निर्मित करने वाले पंच भूतों में एक जल भी है। मानव जाति का इतिहास भी जल से जुड़ा है। प्रकृति की उत्पत्ति जल के बिना संभव नहीं है। अधिकांश सभ्यताओं का विकास भी नदियों के किनारे ही हुआ है। हम राजस्थान वासियों से बेहतर पानी का महत्व कौन समझ सकता है हजारों सालों से हमारे पूर्वजों ने इस रेगिस्तान में अमृत से मूल्यवान पानी को पारम्परिक तरीकों से संचित करके न केवल अपना जीवन-यापन किया वरन एक समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास को भी रचा। 21वीं सदी आते-आते राज्य में बढ़ती आबादी की आवश्यकता के अनुरूप जल की उपलब्धतता सुनिश्चित की जानी जरूरी थी। पांच दशक पहले पश्चिम राजस्थान को जीवन देने वाली राजस्थान नहर परियोजना जिसे वर्तमान में इंदिरा गांधी नहर परियोजना के नाम से जाना जाता है की योजना बनाई गई जो रेगीस्तानी के लिए भागीरथी प्रयास था। यह नहर आज 9 जिलों की प्यास बुझा रही है। इसी तर्ज पर पूर्वी राजस्थान के लिए लंबे समय से पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना की मांग चलती आ रही है, वहीं नदी जल बंटवारे में यमुना नदी से राजस्थान के हिस्से के पानी को शेखावटी क्षेत्र में लाने की मांग भी लंबे समय से जारी है।

राजस्थान विधानसभा 2023 के चुनाव के बाद राज्य में बनी भारतीय जनता पार्टी की सरकार पिछले दो महीनों में दो महत्वपूर्ण जल परियोजनाओं को शुरू करने का प्रयास कर प्यासे राजस्थान को पानी पहुंचाने की ऐतिहासिक योजना की तरफ आगे बढ़ी है। राज्य सरकार और केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय के संयुक्त प्रयासों से पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना और यमुना नदी से राजस्थान के हिस्से पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए दोनों योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

पूर्वी राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण कदम:- वर्ष 2004 में तात्कालिक प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में नदियों को जोड़ने की परियोजना पर काम शुरू हुआ था। इसी के तहत पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना 2004 में सरकार द्वारा बनाई गई थी। इसमें 1360 एम सी एम जल उपयोग नियोजित किया जाना था। मध्यप्रदेश के मोहनपुर, कुडलिया और पाटनपुर में तीन जल भंडार बनाये जाने थे जिससे राजस्थान के 43 हजार हैक्टेयर भूमि को सिंचित किया जाना था, लेकिन राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच सहमति न होने के कारण यह परियोजना निष्क्रिय हो गई थी। इसी तरह पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के लिए राजस्थान सरकार ने नवम्बर 2016 में वेप्कोस को ईआरसीपी परियोजना की डीपीआर तैयार करने के लिए काम सौंपा था और नवम्बर 2017 में वेप्कोस ने डीपीआर तैयार करके राजस्थान सरकार को सौंप दी थी। इस परियोजना में राजस्थान के 13 जिलों अलवर, भरतपुर, धौलपुर करौली, सवाई माधोपुर, दौसा, जयपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी कोटा, बारां, और झालावाड़ को पेयजल उपलब्ध कराने एवं नई कमांड एरिया विकसित करने के लिए यह परियोजना बनाई गई थी, जिसके तहत 9 जिलें 2 लाख हैक्टेयर भूमि में से 80 हजार हैक्टेयर भूमि को कमांड करने और औद्योगिक आवश्यकता के लिए 286 एमसीएम पानी देने के लिए 40 हजार करोड़ की लागत के साथ परियोजना बनाई गई थी। इस परियोजना में भी मध्यप्रदेश सरकार की सहमति न मिल पाने के कारण कोई उल्लेखनीय प्रगति न हो सकी। इसी तरह पिछली कांठोस सरकार के समय नवनीरा, गुलवा, बीसलपुर, ईसराद (एनजीबीआई) लिक योजना 2023 में तैयार की गई थी, जो जयपुर, अजमेर और टोंक तीनों जिलों को 520 एमसीएम पानी उपलब्ध कराने के लिए तैयार की गई थी। इस परियोजना के अन्तरर्गत सिंचाई की कोई घटक नियोजित नहीं थी। इस परियोजना पर भी अन्तर्राज्य सहमति मध्यप्रदेश से ली जानी आवश्यक थी, लेकिन मध्यप्रदेश सरकार ने अपनी सहमति देने से इंकार कर दिया और सुप्रीम कोर्ट में जाकर राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई इस परियोजना पर रोक लगाने की मांग की।

मई 2019 में केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद जल शक्ति जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय में राजस्थान को प्रतिनिधित्व मिलने से इस प्यासे राज्य को नई उम्मीद जगी। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह की अगुवाई में राज्य ने विभिन्न जल परियोजनों को पूर्ण करने की दिशा में सहमति बनने के प्रयास शुरू किये गये परंतु तात्कालिक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के असहयोग के चलते कोई ठोस कदम नहीं उठाये जा सके। राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नदियों को जोड़ने के कार्यक्रम में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई जब राजस्थान और मध्यप्रदेश की सरकारों ने एक सामुहिक पत्र पर हस्ताक्षर किये तथा उक्त तीनों योजनाओं को एकजुट करते हुए संशोधित पीकेसी- ईआरसीपी आईएलआर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया गया। इसमें 13 जिलों को पीने का पानी, लगभग 2 लाख हैक्टेयर में नया कमांड क्षेत्र बनाने, 9 जिलों में लगभग 80 हजार हैक्टेयर की मौजूदा कमांड को स्थिर करने तथा उद्योगों को पानी उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। मध्यप्रदेश में भी इसके जल संग्रहण क्षेत्र से इसी तरह के उपयोग की परियोजना बनाई गई है। इसे दोनों राज्यों की संयुक्त परियोजना बनाकर राष्ट्रीय परिपेक्ष्य योजना के तहत नदियों को जोड़ने की परियोजना के रूप में विकसित किया जाना है। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि कुल परियोजना लागत का 90 फीसदी हिस्सा केन्द्र सरकार द्वारा प्रदान किए जाने की सहमति दी गई है। भारत सरकार की नदियों के जोड़ने की टास्क फोर्स टीएफआईएलआर द्वारा इस परियोजना पर पूर्ण अध्ययन किया गया है और तकनीकी पहलुओं की गहन जांच के बार इसे स्वीकार किया गया है। दोनों राज्यों की स्वीकृति से बनने वाली डीपीआर में परियोजना में काम का दायरा, पानी का बंटवारा और पानी के आदान-प्रदान पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। खास बात यह है कि इसमें राज्य सरकार पर कोई वित्तीय भार नहीं पड़ेगा। 90 फीसदी वित पोषण भारत सरकार द्वारा किया जाएगा तथा पिछली योजना के मुकाबले इस योजना में बढ़ोतरी करते हुए 3677 एमसीएम पानी राजस्थान के उपयोग के लिए मिलेगा।

यमुना जल में राजस्थान का हिस्सा:- 12 मई 1994 के एमओयू के अनूसार यमुना नदी के जल में राजस्थान के हिस्से का 577 एमसीएम पानी उपलब्ध कराया जाना निर्धारित किया गया था। उस समझौते के तहत राजस्थान के भरतपूर जिले को 1981 क्यूसेक तथा झुन्झुनु जिले एवं चुरू जिले के राजगढ़ ब्लॉक को 1917 क्यूसेक पानी मिलना तय हुआ था। फरवरी 2018 में यमुना रिव्यू कमेटी ने अपनी सातवीं बैठक में राज्य सरकार को सलाह दी थी कि यमुना के ताजेवाला हेड से राजस्थान के हिस्से के पानी को झुन्झुनु और चुरू जिलें में उपलब्ध कराये जाने के लिए डीपीआर तैयार करे, परंतु इस दिशा में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई। राज्य में नई सरकार के गठन के साथ ही हरियाणा और राजस्थान राज्य के बीच केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की पहल पर नई डीपीआर बनाई जाने के लिए ऐतिहासिक सहमति बनी है। हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से राजस्थान के चुरू झुन्झुनु और सीकर जिलों में पेयजल और सिंचाई के लिए पानी देने हेतु दोनों राज्यों के बीच डीपीआर को लेकर सहमति बनी है। जिसमें हरियाणा से अंडरग्राउण्ड पाइपलाइन के जरिये राजस्थान को पानी दिया जाएगा। राजस्थान को 577 एमसीएम पानी मिलेगा, जिससे पेयजन और सिंचाई की जरूरतें पूरी होगी। अपर यमुना बैसिंग में 3 जल भंडारण रेणुकली, लखवार और किशाउ चिन्हित किये गये हैं जहां से राजस्थान को हथिनीकुंड बैराज से निर्धारित अवधि के दौरान जल उपलब्ध कराया जायेगा। निश्चित ही पानी से जुझते राजस्थान के निवासियों के लिए दोनों कदम मील के पत्थर साबित होंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ तत्परता से इन दोनों परियोजनाओं के लिए एमओयू किया है वह निश्चित ही यह उम्मीद जगाता है कि भविष्य में इन योजनाओं की शीघ्र शुरूआत होगी।

डॉ. सुरेन्द्र सिंह,
बीकानेर

जनता के पैसे से जनता को कैसी सौगात? (-व्यंग्य-)

महावीर सिंह

वैसे तो छठ-बारोह महीने ही किन्तु किसी भी विधान सभा-लोकसभा के चुनाव के पहले बारंबार अखबार, टीवी आदि पर बार-बार एक शब्द का बेजा उपयोग होता है--सौगात?

उस मंत्री ने, राज्य सरकार ने, केंद्र सरकार ने यह सौगात, वह सौगात दी। बड़ी-बडी सार्वजनिक सभाएं जनता के पैसे को पानी की तरह बहाकर आयोजित की जाती है और अंत में एक व्यक्ति अवतरित होता है, वह कोई नए बने पुल,भवन,सड़क, नई चली रेलगाड़ी-चील गाडी आदि का फीता काटकर, हरी झंडी दिखाकर, जनता को समर्पित करता है। कई बार तो पूरे देश-प्रदेश के लिए, एक ही जगह से दर्जनों सौगातें देदी जाती है। इस व्यक्ति के कानफोड़ू, चिल्लपों से सारहीन भाषण के बाद में रिपोर्ट करने वाले पत्रकार व उनके अखवार, टी वी चैनल्स उसे मंत्री द्वारा जनता को दी गई सौगात बात कर एक दो दिन लगातार प्रचारित करते हैं।

एक बार गांव के एक साधारण से आदमी ने किसी भाई साहब से पुछ लिया-भाई साहब, यह सौगात क्या चीज है, कैसे मिलती है, कितनी मंहगी है और यह किन्ही खास लोगों के लिए है या मेरे जैसे गरीबों, मजदूरों, गांव-मोहल्ले वालों के लिए भी होती है?

शहरी भाई साहब बताने लगे मंत्री लोग रात-दिन काम करके सड़क, रेल इंजन व डब्बे, पुल, रेल गाड़ी--चीलगाडी, बड़े-बड़े भवन आदि बनवाते हैं, वे उन्हें जनता को देते हैं, उसे सौगत मान लो।

उसने दूसरा प्रश्न छोड़ दिया--तो फिर ये लोग आए दिन हजारों न हजारों लोगों को इक्कठा करके ऐसा करते रहते है, इतना सारा पैसा कहाँ से लाते हैं? भाई साहब ने थोड़ा चिड़चिड़ाते से उतर दिया कि सरकार जो बजट बनाती है, वहां से यह पैसा आता है।

और बजट में कहां से? बजट में विभिन्न टैक्स लगते हैं, कर्जा लिया जाता है, वहां से इन सब सौगातों और उनके प्रचार-प्रसार-उद्घाटन-लोकार्पण का भी खर्चा आता है।

ओर यह कर्जा चुकाता कोन है? उतर देने वाले भाई साहब, हो गए परेशान, चलने लगे तो किसी ओर ने कह दिया, चुकाती है जनता।

पहले वाले झक्की आदमी ने फिर कह दिया, तो यों हुआ कि जनता से टैक्स वसूली करो, जनता ही कर्ज चुकाए और जनता हजारों हजार की संख्या में आये और सौगात नाम की वस्तु को देख-सुन जाए। भाई साहब झल्ला कर पिंड छूड़ा कर चले गए।

गांव वालों में से एक थोड़ा समझदार आदमी बोला--देखो सौगात का अर्थ है---भेंट, उपहार आदि और यह सब देने वाला अपनी कमाई से देता है। जनता के पैसे से जनता को कैसी सौगात? सौगात देने वाले और उसका ऐसा भजन गान करने वाले जनता को, वस्तुत: मूर्ख समझते है जो कतई नहीं है--सब जानती है।

ज्यादा से ज्यादा सरकारें परिवार मुखियाओं-मतदाताओं को एक लंबी सी चिठी लिख कर बता दें कि उन्होंने यह यह कार्य करवाए हैं। हो गया न प्रचार प्रसार। यह रैलियों-सभाओं में भीड़ जुटा कर, सौगाते बांटने का झंझट खत्म। अभी तक चुप एक वृद्ध व्यक्ति ने कहा वैसे भी नेताओं के भाषणों में होता भी क्या है? सिवाय एक दूसरे की घटिया दर्जे की, काफी कुछ झूठी आलोचनाएं करना। एक दूसरे को भ्रष्ट कहना। अपने आप को ईमानदार कहना, दूसरे के दामन को काला कलंकित बताना। मकान की छत पर खड़े होकर, नींव को पूर्णत: भुला कर कहता है–देखो मैंने जनता को छत पर पहुंच दिया, अब बस, आसमान से तारे तोड़ कर लाने बाकी है, सो अगले 5,10 साल में ले ही आएंगे। यह दूसरे नहीं कर सके, न अब कर सकेंगे। दूसरों को परिवारवादी और खुद को महान आदर्शवादी-राष्ट्रवादी-लोकतंत्र के सबसे बड़े हिमायती बताना। हर पार्टी स्वयं की जो रही आलोचना का उत्तर दूसरों की वैसी ही झूठी-सच्ची मिलती-जुलती कहानी सुना कर देती है मानों दूसरों की गलती से उनकी गलती धुल गई हो--वगैराह वैगैराह। यह सब सुनने के लिए बड़ी-बड़ी सभाओं का आयोजन कर सौगातें देने का ड्रामा किया जाता है।

वैसे जनता भी मुफ्त में तमाशा देखने और ताली बजाने को तैयार मिलती है-उनको मजा ही तब आता है जब कर्कश आवाज में सामने वालों की छीछालेदर की जाए। यह नहीं तो क्या सभा, क्या सौगात?

महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

पी.एम. फसल बीमा योजना में किसानों को क्लेम का इंतजार

हनुमानगढ़, (निसं)। बीमा कंपनी की मनमानी की वजह से जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का समुचित लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है। तीन-चार वर्ष पुराने प्रकरण बीमा कंपनी स्तर पर लंबित है, परंतु इसका निस्तारण आज तक नहीं हुआ है। बड़े स्तर पर किसान आंदोलन भी कर चुके हैं, लेकिन बीमा कंपनी पर इसका असर नजर नहीं आ रहा। इस बीच हाल ही में जिला मुख्यालय पर निगरानी समिति की संपन्न बैठक में कुछ राहत की बातें सामने आई है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में खरीफ 2023 में फसल बीमा कंपनी एआईसी की ओर से जिले में आयोजित 354 फसल कटाई प्रयोग पर आक्षेप लगाए गए थे। इन आपत्तियों पर निर्णय लेने के लिए हुई निगरानी समिति की बैठक में कलेक्टर कानाराम ने बीमा कंपनी के उक्त आक्षेप को नकार दिया है। बैठक में सभी आक्षेप का निस्तारण कर बीमा कंपनी को दस दिवस में क्लेम भुगतान का आदेश पारित किया गया है। इस तरह क्लेम भुगतान का रास्ता साफ हो गया है। कंपनी की ओर से अब क्लेम सेटलमेंट सहित अन्य प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। इससे हजारों किसानों को राहत मिलने के आसार हैं। जिन किसानों की फसल बर्बाद हुई है, उनको अब नियमानुसार क्लेम मिल सकेगा।

बीमा कंपनी की मनमानी की वजह से जिले में योजना का लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है

हनुमानगढ़ जिले में रबी 2022-23 में कुल 25 लाख 14 हजार पॉलिसी धारकों से बीमा कंपनी ने 276 करोड़ का प्रीमियम वसूला था। जबकि 2 मार्च 2024 तक करीब 10 लाख पॉलिसी धारकों को 267 करोड़ का क्लेम जारी किया गया है। जिले में खरीफ 2022 में 27 लाख 23 हजार फसल बीमा पॉलिसी हुई थी, इनमें बीमा कंपनी ने 214 करोड़ रुपए का प्रीमियम वसूल किया था। इसमें 2 मार्च 2024 तक 8 लाख 88 हजार पॉलिसी धारक किसान को 85 करोड़ रुपए का बीमा क्लेम जारी किया गया है।

बीआर बाकोलिया, सहायक निदेशक, कृषि विभाग हनुमानगढ़ का कहना है कि फसल कटाई प्रयोग पर बीमा कंपनी की ओर से लगाए गए आक्षेप को नकार दिया गया है। बीमा कंपनी को कलेम भुगतान के लिए पाबंद किया गया है। इस संबंध में बीमा कंपनी के अधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है।

इस साल मानसून कमजोर रहने का अनुमान लगाया

बीकानेर, (निसं)।मौसम विभाग के सटीक पूर्वानुमानों के बीच बीकानेर के गंगाशहर उपनगर में मौसम की भविष्यवाणी करने की अनूठी परंपरा करीब डेढ़ सदी से चल रही है। इसके तहत होलिका दहन के दिन रविवार को एक साल पूर्व होलिका दहन के दिन ही जमीन में पांच फीट गहरी दबी पानी से भरी मटकी खोदने पर वह सूखी निकली। ऐसे में इस साल मानसून कमजोर रहने की घोषणा की गई है। वहीं मटकी के ऊपर जड़ों के मिलने से यह भी पूर्वानुमान लगाया गया है कि पशुओं के लिए चारे की कमी नहीं होगी।

जानकारी के अनुसार गंगाशहर में चांदमलजी के बाग के पास स्थित खारिए कुएं के पास गंगाशहर की स्थापना के समय से हर साल होलिका दहन के दिन पानी से भरी मटकी जमीन में गाड़ने व अगले वर्ष दहन के दिन ही सुबह जमीन से मटकी निकालने तथा उसमें पानी की स्थिति को देखकर जमाने (मौसम) की घोषणा करने की परंपरा चल रही है। रविवार को सुबह करीब नौ बजे क्षेत्र के सर्वसमाज के लोगों ने जैसे ही गत वर्ष जमींदोज पानी की मटकी निकाली तो सर्वसम्मति से इस वर्ष जमाना कमजोर रहने की घोषणा की।

इस परंपरा से पिछले छह दशक से जुड़े विनोद ओझा ने बताया कि देशनोक से करीब 140 साल पूर्व माहेश्वरी, ओझा समाज के साथ सर्व समाज के लोग यहां पर आए और गंगाशहर की स्थापना हुई। स्थापना के समय से ही होलिका दहन का कार्यक्रम लगातार यहां चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस परंपरा की शुरुआत पंडित भोमाराम ओझा की ओर से करीब 140 साल पूर्व की गई, जो आज भी निरंतर जारी है। त्रिलोक चन्द भठ्ठड़ ने बताया कि सर्वसमाज के लोग यहां पर एकत्रित होते हैं और पिछले साल जमीन में दबी पानी से भरी मटकी को निकालते हैं। इसके बाद फिर उसी समय पूजा-अर्चना के साथ नई मटकी को करीब पांच फीट गहरे गड्ढे में गाड़ने की परंपरा कई दशकों से चल रही है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 27 मार्च, 2024

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, चित्रा नक्षत्र सांय 4:16 तक, व्याघात योग रात्रि 10:33 तक, गर करण सांय 5:07 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कुम्भ, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सांय 4:16 तक है। आज भाईदोज और कमलदान पूजा और सन्त तुकाराम जयन्ती और चित्र गुप्त पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:30 तक, शुभ 11:01 से 12:32 तक, चर 3:35 से 5:06 तक, लाभ 5:06 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:40 तक। सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:38

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 234 प्रभात जयपुर, बुधवार 27 मार्च, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

Modi Should Woo South For More Reasons Than One

For the BJP, the south has become an outlier, causing considerable embarrassment to the party's traditional champions of the '*Hindi-Hindu-Hindusthan*' outlook

Capturing Total Solar Eclipse

Where to See the Northern Lights

तो क्या यह सही है कि, पैसे लेकर टिकट बांटे हैं कांग्रेस ने?

प्रदेश में कई ऐसे लोगों को टिकट मिला, जिनका कांग्रेस से कोई वास्ता नहीं रहा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। एक जाने – माने कांग्रेस निष्ठावान आलोक शर्मा, जो हर रोज और हर परिस्थिति में सभी टीवी चैनलों पर पार्टी को डिफैन्ड करते हैं, को भीलवाड़ा से टिकट नहीं दिया गया।

- भीलवाड़ा से कर्मठ कांग्रेसी और टी.वी. चैनल पर पार्टी का बचाव करते दिखने वाले आलोक शर्मा की बजाय दामोदर गुर्जर को टिकट दिया गया है।
- रिटायर्ड सब इंस्पैक्टर गुर्जर जयपुर में रियल एस्टेट का बिजनैस करते हैं, उनकी इमेज खास अच्छी नहीं है। समझा जाता है उन्होंने ढाई करोड़ रू. में टिकट खरीदा है, इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निजी सचिव अरूण सिंह व वरिष्ठ ए.आई.सी.सी. पदाधिकारी गुरदीप सप्पल की अहम् भूमिका बताई जा रही है।
- राजसमंद के कांग्रेस प्रत्याशी सुदर्शन रावत की कहानी भी अजीब है। बताया जाता है कि, जब टिकट घोषित हुआ, तब रावत विदेश में थे। असल में रावत चुनाव नहीं लड़ना चाहते, पर सी.पी. जोशी ने उन्हें जबर्दस्ती टिकट दिलवाया है।
- कहा जा रहा है कि, जोशी ने पायलट खेमे के व्यक्ति को टिकट मिलने से रोकने के लिए यह कदम उठाया।
- जयपुर शहर में भी बड़ा अजीब वाक्या हुआ। पहले तो सुनील शर्मा का टिकट घोषित किया गया, फिर उनकी जगह प्रताप सिंह खाचरियावास को टिकट दे दिया गया।

इनकी जगह कांग्रेस ने दामोदर गुर्जर को टिकट दिया है, जो एक रिटायर्ड सब इन्स्पैक्टर हैं और कांग्रेस पार्टी में भी नहीं हैं। दामोदर गुर्जर गंगापुर सिटी के हैं और जयपुर में रिअल एस्टेट का बिज़नैस चलाते थे। एक साल पहले वो पुलिस फोर्स से रिटायर हुए।

सूत्रों का कहना है कि, उनकी ख्याति कभी बहुत अच्छी नहीं रही है। कहा जा रहा है कि, उन्होंने कथित रुप से ढाई करोड़ रुपए में टिकट खरीदा है।

इस काम में कथित रुप से उनकी मदद की है, मल्लिकार्जुन खड़गे के पर्सनल सैक्रेटरी अरुण सिंह तथा गुरदीप सप्पल ने, जो ए.आई.सी.सी. के एक वरिष्ठ पदाधिकारी हैं तथा प्रशासन के इन्चार्ज हैं। पूर्व में वो कांग्रेस अध्यक्ष के ऑफिस में थे।

माना जा रहा है कि, दामोदर गुर्जर कांग्रेस में शामिल हो गए हैं, क्योंकि, अब वो भीलवाड़ा से कांग्रेस के अधिकारिक उम्मीदवार हैं।

कहा जा रहा है कि, आजकल राहुल

(शेष पृष्ठ 4 पर)

कांग्रेस व सपा ने वरूण को टिकट की पेशकश की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। वरूण गांधी, जिन्हें भाजपा ने पीलीभीत सीट से पुनः टिकट देने से इंकार कर दिया है, को कांग्रेस व समाजवादी पार्टी ने उसी सीट से अपनी पार्टी का टिकट देने की पेशकश की है, परन्तु वे इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति में है कि उनकी मां मेनका गांधी (67) को भाजपा सुल्तानपुर से पार्टी चुनावी

- पर वरूण गांधी, जिन्हें भाजपा ने पीलीभीत से टिकट नहीं दिया है, कशमकश में हैं कि, अगर प्रस्ताव स्वीकार किया तो सुल्तानपुर से भाजपा की प्रत्याशी उनकी मां की संभावनाओं पर गलत असर पड़ सकता है।

टिकट दे रही है, कहीं ऐसा नहीं हो कि किसी एक गलती से उनकी जीत की संभावनाओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़े। ज्ञातव्य है कि पीलीभीत से वरूण गांधी वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव जीती थे।

कांग्रेस चुनाव समिति की अगली बैठक बुधवार को होने वाली है, यदि राहुल गांधी अमेठी से चुनाव नहीं लड़ने का फैसला करते हैं तो समिति की बैठक

(शेष पृष्ठ 4 पर)

'मैं ना किसी दबाव में आता हूँ, ना ही मुझे भाजपा ने कोई ऑफर दिया है'

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भाजपा से ऑफर मिलने की बात पर यह टिप्पणी की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने मंगलवार को कहा कि भाजपा के विपरीत कांग्रेस में आलोचना की अनुमति है, जबकि भाजपा

- कांग्रेस में असंतोष के बारे में उन्होंने कहा, हमारे यहां आलोचना करने की अनुमति है, बहस होती है, पर भाजपा में आलोचना बर्दाश्त नहीं की जाती।
- कांग्रेस नेताओं के भाजपा में जाने पर उन्होंने कहा, हर पार्टी में ऐसा होता है, कांग्रेस छोड़ने वाले पूर्व सांसद या विधायक हैं, पर भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आने वाले मौजूदा सांसद और विधायक हैं।

आलोचना को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करती है और कांग्रेस में इसीलिए बहस और विचार-विमर्श होते हैं।

जब यह पूछा गया कि कांग्रेस के सीनियर नेता क्यों भाजपा में शामिल हुए तो सचिन ने कहा कि यह एक व्यक्ति विशेष का निर्णय है, जो प्रायः हर पार्टी में होता है। उन्होंने कहा कि जो लोग कांग्रेस छोड़कर गए, वे पूर्व सांसद व विधायक थे, जबकि भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए नेताओं में वर्तमान सांसद और विधायक हैं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थानों को हाल ही के समय में कमजोर करने का प्रयास किया गया है। संवैधानिक निकायों की स्वतंत्रता एवं विश्वसनीयता बनाए रखनी चाहिए। पायलट से जब यह पूछा गया कि क्या आपको भाजपा ने ऑफर दिया था तो उन्होंने कहा कि वह किसी तरह के दबाव में नहीं आते और भाजपा से उन्हें किसी तरह का कोई ऑफर नहीं मिला।

पंजाब में अकेले चुनाव लड़ेगी भाजपा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। भारतीय जनता पार्टी 1 जून को होने वाले पंजाब लोकसभा चुनावों में अकेले चुनाव लड़ेगी, क्योंकि पंजाब प्रदेश अध्यक्ष ने घोषणा की है कि अकाली दल के साथ सीटों को लेकर गठबंधन की वार्ता विफल हो गई है।

पंजाब में पिछले दो दशकों से भाजपा के साथ शिरोमणि अकाली दल (एस.ए.डी.) का गठबंधन चल रहा था। हालांकि, यह गठबंधन वर्ष 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे पर टूट गया था।

जाखड़ ने अकेले चुनाव लड़ने की बात पर कहा कि अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय आम जनता और पार्टी के

- अकाली दल के साथ चल रही गठबंधन वार्ता असफल हो गई है।

कार्यकर्ताओं की राय के आधार पर लिया गया है। उन्होंने पंजाब की भलाई का कार्य करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की।

भाजपा के साथ शिरोमणि अकाली दल का गठबंधन होने की संभावित चर्चाएं चल रही थी। परन्तु किसान अपनी मांगों को लेकर अभी धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं।

इसके चलते खबर है कि शिरोमणि अकाली दल ने भाजपा के साथ लोकसभा चुनावों में समझौता नहीं करने का फैसला लिया है।

शिरोमणि अकाली दल की केन्द्रीय समिति की 22 मार्च को बैठक

(शेष पृष्ठ 4 पर)

मुख्यमंत्री भजन लाल ने जनता के संग जमकर होली खेली

आम जन ने कहा, मुख्यमंत्री हैं ''जन-जन के भजन''

जयपुर, 26 मार्च (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने होली के पर्व पर एक बार फिर खुद को आम जन का मुख्यमंत्री साबित करते हुए उनके साथ घंटों होली खेली और रंगों के इस

- मुख्यमंत्री आवास पर चार घंटे चले होली कार्यक्रम में आम लोगों ने शिरकत की, सभी ने एक सुर में कहा, प्रदेश में पहली बार ऐसा हुआ जब मुख्यमंत्री के आवास तक आम जन की पहुंच हुई है।
- भजन लाल बेहद आत्मीयता और सहजता से सभी लोगों के मिले। इस अवसर पर उनकी पत्नी गीता शर्मा भी मौजूद थीं।

त्योहार का भरपूर लुत्फ उठाया। मुख्यमंत्री शर्मा ने सोमवार को अपने आवास पर ''जनता के संग होली'' कार्यक्रम आयोजित किया और आमजन के साथ आत्मीयता से होली का त्यौहार मनाया मुख्यमंत्री ने आमजन से मिली उपमा '' जन-जन के

(शेष पृष्ठ 4 पर)

मु. मंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने मुख्यमंत्री आवास पर आम जन के साथ होली मनाने के लिए ''जनता संग होली'' कार्यक्रम रखा। इस मौके पर मु. मंत्री का जो अंदाज नज़र आया, उसके सभी लोग कायल हो गये। मु. मंत्री ने अपनी पत्नी के साथ नाचते-गाते हुये आम लोगों के साथ फूलों और गुलाल की होली खेली।

'केजरीवाल को मु.मंत्री पद से हटाया जाए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। दिल्ली हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (पी.आई.एल.) अरविन्द केजरीवाल को मुख्यमंत्री के पद से हटाने के लिए दाखिल की गई है। दिल्ली शराब घोटाला कांड में उनकी भूमिका के आरोपों के चलते केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गत गुरुवार रात्रि को गिरफ्तार किया था उन पर आरोप है कि उन्होंने दक्षिण की शराब लॉबी के कुछ शराब निर्माताओं और वितरकों को लाभ

- सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में एक याचिका दायर की गई है कि, शराब घोटाले में शामिल होने और ई.डी. द्वारा गिरफ्तार होने के कारण अरविन्द केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से हटाया जाए।

पहुंचाया था।

शुक्रवार को पी.आई.एल. दाखिल करने वाले सुरजीत सिंह यादव नामक व्यक्ति का कहना है कि उनको गिरफ्तार किए जाने के बावजूद, केजरीवाल ने मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने से मना कर दिया है अतः हाईकोर्ट को मामले में हस्तक्षेप कर उनसे पूछना चाहिए कि वे किस प्राधिकार के तहत वे अब भी अपने मुख्यमंत्री के पद पर बने हुए हैं।

याचिकाकर्ता ने उस बयान पर

(शेष पृष्ठ 4 पर)

'हमें उम्मीद है केजरीवाल के मामले में निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रिया का पालन होगा'

अमेरिका ने यह भी कहा कि, दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी से संबंधित हर खबर पर उनकी गहरी नज़र है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। मोदी सरकार द्वारा की गई दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी पर विदेशी सरकारों की आलोचनात्मक टिप्पणियों ने कूटनीतिक समुदाय में सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने न्यूज़ एजेंसी रॉयटर्स को इस सप्ताह बताया कि अमेरिकी सरकार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की खबरों पर गौर कर रही है तथा उसने भारतीय सरकार से कहा है

- केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले में पूरे विश्व की रूचि बढ़ती जा रही है। जर्मनी के बाद अमेरिका ने भी केजरीवाल की गिरफ्तारी पर चिंता जताई है।
- जर्मनी की आपत्ति पर तो मोदी सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी, पर अमेरिका की टिप्पणी पर मोदी सरकार मौन है।

कि वह विपक्ष के इस नेता के लिए एक ''एक निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध प्रक्रिया'' सुनिश्चित करे।''

हालांकि, अमेरिका की प्रतिक्रिया के विदेश विभाग के दफ्तर की प्रतिक्रिया के कुछ दिन बाद सामने आई है। जर्मनी की प्रतिक्रिया में इस बात पर जोर दिया गया था कि आरोपों का सामना कर रहे किसी भी अन्य भारतीय की भांति आम आदमी पार्टी के नेता भी एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष सुनवायी किए जाने के अधिकारी हैं, लेकिन केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद सामने आए अमेरिका के बयान पर मोदी सरकार की प्रतिक्रिया भिन्न है, जो साउथ ब्लॉक के दोहरे मापदण्ड को उजागर करती है।

जर्मन सरकार के एक प्रवक्ता ने पिछले हफ्ते शुक्रवार को कहा था, ''हम उम्मीद करते हैं कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों

(शेष पृष्ठ 4 पर)

''इस पॉलिसी में निवेश पोर्टफोलियो में निवेश का जोखिम पॉलिसीधारक द्वारा वहन किया जायेगा''

सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंस

एक बार बचाएं... और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें

योजना सं: 849 UIN:512L317V01
यूनिट लिंक्ड, असहभागी, एकल प्रीमियम, व्यक्तिगत जीवन बीमा योजना

चुनने की आजादी:
- बचत धनराशि: आप कम से कम रु. 1 लाख या जीवन के बड़े लक्ष्यों के लिए उससे बड़ी कोई रकम निवेश कर सकते हैं।
- 4 फंड विकल्प: आप 4 फंड विकल्पों–बांड, सुरक्षित, संतुलित एवं वृद्धि में से कोई चुन सकते हैं।
- निःशुल्क फण्ड परिवर्तन: आप अपना धन वर्ष में चार बार निःशुल्क एक फंड से दूसरे फंड में परिवर्तित कर सकते हैं।
- आवश्यकता पर निकासी : 5 वर्ष उपरांत आप आंशिक निकासी कर सकते हैं।*
- जोखिम सुरक्षा विकल्प : प्रीमियम भुगतान का 1. 25 गुना अथवा 10 गुना जोखिम सुरक्षा चुनने का विकल्प।

पॉलिसी के लाभ:
- गारंटीकृत लाभ: यूनिट फंड वैल्यू के साथ गारंटीकृत लाभ*
- पॉलिसी परिपक्वता: यूनिट फंड वैल्यू

पात्रता :
- प्रवेश की आयु: न्यूनतम आयु: 90 दिन, अधिकतम आयु: 35 वर्ष / 70 वर्ष (चयनित जोखिम सुरक्षा के अनुसार)
- परिपक्वता आयु: न्यूनतम आयु: 18 वर्ष, अधिकतम आयु: 50 वर्ष / 85 वर्ष (चयनित जोखिम सुरक्षा के अनुसार)
- पॉलिसी अवधि: 10 – 25 वर्ष

अधिक विवरण के लिए अपने अभिकर्ता/एलआईसी की नजदीकी शाखा से संपर्क करें
एसएमएस करें अपने शहर का नाम 56767474 पर
कॉल सैंटर सेवा (022) 6827 6827 | डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल एप "MyLIC"
विजिट करें www.licindia.in पर; हमें फॉलो करें LIC India Forever

करार के प्रथम पाँच वर्ष में यूनिट से संबद्ध बीमा पॉलिसियां समाप्त नहीं की जा सकती। पाँचवे वर्ष के अंत तक यूनिट से संबद्ध बीमा पॉलिसियों को पॉलिसीधारक न समर्पण कर सकता है और न ही उनमें निवेश किये गए धन को आंशिक या पूर्ण रूप से निकाल सकता है।

नियम व शर्तों की विस्तृत जानकारी के लिए बिक्री समापन से पूर्व बिक्री-पुस्तिका ध्यानपूर्वक पढ़ लें। * शर्तें लागू

भ्रामक/धोखाधड़ी वाले फोन कॉल्स से सावधान
आईआरडीएआई बीमा पॉलिसी विक्रय, बोनस की घोषणा अथवा प्रीमियम संबंधी गतिविधियों से संबंध नहीं रखता है। ऐसे फोन कॉल्स के प्राप्त होने पर आपसे निवेदन किया जाता है कि तुरन्त पुलिस से शिकायत दर्ज करवायें।

IRDAI Regn No.: 512

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ

LIC/AR/19-20/39/HIN

भाजपा ने की अब तक 24 प्रत्याशियों की घोषणा

भीलवाड़ा लोकसभा सीट पर प्रत्याशी को रखा होल्ड

जयपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने मंगलवार को प्रत्याशियों की 6वीं लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में पार्टी ने राजस्थान के दो सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है, जबकि भीलवाड़ा सीट को अभी होल्ड पर रखा गया है। भाजपा की ओर से जारी लिस्ट में करौली-धौलपुर लोकसभा सीट से इंदु देवी जाटव को प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं, दौसा लोकसभा सीट से कन्हैया लाल मीणा को पार्टी ने टिकट दिया है। भाजपा ने भीलवाड़ा सीट पर अभी प्रत्याशी का ऐलान नहीं किया है।

गौरतलब है कि भाजपा अब तक राजस्थान की 25 में से 24 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर चुकी है, जबकि एक सीट पर टिकट का ऐलान बाकी है। वहीं, कांग्रेस ने भी राजस्थान में 24 सीटों पर तस्वीर साफ कर चुकी है, जबकि एक सीट प्रत्याशी की घोषणा बाकी है। भाजपा ने इस बार दौसा और करौली-धौलपुर सीट पर नए चेहरे पर दांव लगाया है। पार्टी ने जहां दौसा से मौजूदा सांसद जसकौर मीणा का टिकट काटकर कन्हैया लाल मीणा को मैदान में उतारा है। वहीं, करौली-धौलपुर सीट से मौजूदा सांसद मनोज राजोरिया का टिकट काटकर इंदु देवी जाटव को प्रत्याशी बनाया है। कन्हैया लाल मीणा भैरों सिंह सरकार में मंत्री रहे हैं। इसके साथ चार बार विधानसभा सदस्य भी रहे हैं। उन्होंने 2008 में बस्सी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार का सामना करना पड़ा था। मीणा पहली बार सांसद का चुनाव लड़ेंगे। कन्हैया लाल मीणा भाजपा के एसटी मोर्चा के अध्यक्ष भी रहे हैं। मीणा का पूर्वी राजस्थान में अच्छा प्रभाव माना जाता है, खासतौर से मीणा समाज में अच्छी पकड़ है।

- **जयपुर, जयपुर ग्रामीण, दौसा, श्री गगानगर, धौलपुर करौली, झुंझुनूं में खेला नए चेहरों पर दाव**

वहीं, करौली-धौलपुर से इंदु देवी जाटव को टिकट दिया है। इंदु 2015 से 2020 तक पंचायत समिति करौली की प्रधान रहीं हैं। भाजपा की सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में काम करने वाली इंदु देवी संघ पृष्ठभूमि से हैं। इंदु देवी जाटव के पति मनोज कुमार जाटव विधुत विभाग में टेक्नीशियन के रूप में कार्यरत हैं।

वही भाजपा की पांचवी लिस्ट जारी कर दी है। जिसमें राजस्थान के सात प्रत्याशियों की घोषणा की गई है। इस लिस्ट में श्रीगंगानगर सीट से प्रियंका बैलान, अनूपगढ़ नगर परिषद की मौजूदा सभापति हैं। जयपुर ग्रामीण से प्रत्याशी राव राजेंद्रसिंह और झुंझुनूं से शुभकरण चौधरी पूर्व विधायक हैं। इसी प्रकार अजमेर से भागीरथ चौधरी और टोंक-सवाईमाधोपुर से सुखबीर जौनपुरिया मौजूदा सांसद हैं। जयपुर लोकसभा सीट से मंजू शर्मा और राजसमंद सीट से महिमा विश्वेरसिंह नए चेहरे हैं।

इस बार लोकसभा चुनाव सात चरण में होगा। राजस्थान में दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में 19 अप्रैल को 12 सीटों पर मतदान होगा, जबकि 26 अप्रैल को 13 सीटों पर मतदान होगा। वहीं, लोकसभा की 543 सीटों पर हुए चुनाव का रिजल्ट 4 जून को आएगा।

मंजू शर्मा आज नामांकन दाखिल करेगी

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर लोकसभा प्रत्याशी मंजू शर्मा आज हजारों कार्यकर्ताओं के साथ 11 बजे भरेगी। नामांकन भरने के लिए जयपुर शहर लोकसभा कार्यालय सरदार पटेल मार्ग से हजारों कार्यकर्ता और आमजन कलेक्ट्री पहुंचेंगे। शर्मा ने नामांकन भरने और आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर संपूर्ण तैयारी कर ली है। इसी क्रम में जयपुर शहर में दो प्रमुख बैठक आयोजित की गई। जयपुर शहर लोकसभा संयोजक डॉक्टर एस एस अग्रवाल ने बताया बैठक में जयपुर शहर के विधायक, भाजपा विधायक प्रत्याशी, भाजपा के प्रदेश, जिला पदाधिकारी सहित मंडल अध्यक्ष, प्रभारी, नगर निगम के पार्षद, पूर्व पार्षद एवं पार्षद प्रत्याशी मौजूद रहे।

जयपुर ग्रामीण लोकसभा सांसद प्रत्याशी राव राजेन्द्र सिंह ने सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की।

अधिकारियों संग पुलिसकर्मियों ने खेली होली

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के चांदपोल स्थित रिजर्व जयपुर पुलिस लाइन में धुलंडी के अगले दिन मंगलवार को पुलिसकर्मियों ने जमकर होली खेली। होली खेलने के लिए जयपुर पुलिस आयुक्तालय की ओर से विशेष इंतजाम किए गए। इस दौरान जयपुर कमिश्नरेट में चांदपोल स्थित पुलिस लाइन में पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुंवर राष्ट्रदीप सहित सभी जिलों के पुलिस उपायुक्त सहित अन्य पुलिस के आलाधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस कर्मियों ने जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ को कंधे पर उठाकर डांस कराया। इस दौरान पुलिस के कई आला अधिकारी फिल्मी गीतों पर झूमते नजर आए। सभी ने एक दूसरे को जमकर रंग और गुलाल लगाई। लोकगीतों व फिल्मी गीतों पर कांस्टेबल के साथ अधिकारी भी ठुमके लगाते दिखे। वहीं पुलिसकर्मियों की फरमाइश पर पुलिस अधिकारियों ने फिल्मी गानों पर खूब ठुमके लगाए।

पुलिस महानिदेशक यूआर साहू ने बताया कि होली और दीपावली पर पुलिसकर्मियों की विशेष ड्यूटी लगाई जाती है। इस कारण परिवार के साथ होली नहीं खेल पाते। इसलिए अगले दिन की होली का आयोजन किया जाता है। हर जिला पुलिस लाइन में यह आयोजन होता है। इसमें जिला पुलिस अधीक्षक मौजूदगी में होली मनाई जाती है।

जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि धुलंडी के अगले दिन पुलिसकर्मी अपने साथियों और परिवार के साथ होली खेलते हैं। होली और धुलंडी के दिन हार्ड ड्यूटी होने के कारण पुलिसकर्मी अपने साथियों और परिवार के साथ होली नहीं खेलते। अगले दिन पुलिस मुख्यालय के आदेश पर जिले और आयुक्तालय में होली का त्योहार पुलिसकर्मी अपने पुलिस मुखिया और पुलिस परिवार के साथ मनाते हैं। इसी क्रम में पुलिस लाइन चांदपोल में विशेष कार्यक्रम रखा गया।

गौरतलब है कि मंगलवार सुबह से ही प्रदेश के सभी थानों में पुलिसकर्मी होली के रंग में रंगे नजर आए और एक दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर कांस्टेबल से आईपीएस अधिकारी भी डीजे की धुनों पर जमकर थिरके। राजधानी जयपुर के सभी थानों में पुलिसकर्मियों ने होली खेली। पुलिसकर्मियों ने एक दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर गले लगकर होली की बधाई दी। थानों में पुलिसकर्मी डीजे की धुनों पर भी जमकर थिरके।

जयपुर में चांदपोल स्थित रिजर्व जयपुर पुलिस लाइन में धुलंडी के अगले दिन मंगलवार को पुलिसकर्मियों ने जमकर होली खेली।

विश्व में शान्ति समृद्धि के लिए होता है महामस्तकाभिषेक : आचार्य गुप्तिनन्दी

जयपुर, (का.सं.)। धर्मतीर्थ क्षेत्र में आचार्य गुप्तिनन्दी जी गुरुदेव ससंघ के सान्निध्य में किया गया श्री सिद्धचक्र विधान। इस विधान की रचना नवसृजन आचार्य श्री गुप्तिनन्दी गुरुदेव ने किया है। आचार्य श्री ने इसमें मुख्य रूप से महासती मैना सुन्दरी और महामण्डलेश्वर राजा कोटिभट्ट श्रीपाल के जीवनसंघर्ष का विशेष उल्लेख किया है। 2048 अर्घों से सजा हुआ सिद्धचक्र विधान बहुत ही सरल सुरुचिकर अल्पछंदों में आज के युग के अनुकूल बनाया है। इसके समापन पर धर्मतीर्थ साम्राज्य नायक श्री शान्तिनाथ भगवान के महामस्तकाभिषेक का महा आयोजन किया गया। इसका कुशल निर्देशन गणिनी आर्यिकाश्री आस्थाश्री माताजी ने किया। इसके अलावा मंच पर मुनि विमलगुप्त, क्षुल्लक धर्मगुप्तजी, क्षु.शान्तिगुप्तजी, क्षुल्लिका माताजी, क्षुल्लिका माताजी विशेष रूप से उपस्थित थे। इसमें सौधर्मेन्द्र बनने का सौभाग्य गुरुग्राम हरियाणा से विजेंदर निर्मल जैन ने प्राप्त किया। वहीं मुख्य महाशान्तिधारा का पुण्यार्जन आचार्य के परम भक्त धर्मतीर्थ विकास समिति के प्रवक्ता नितिन सौ.वैशाली नखाते ने किया। सबके लिए महाप्रसादी का पुण्यार्जन मोहन लाल पदम, सतीश, मनीष सोनी परिवार संभाजीनगर ने किया। हजारों भक्तों को धर्मतीर्थ ले जाने का पुण्यार्जन सौ.नीता पारस, प्रतीक, नीरज पांडे परिवार ने किया। श्रेष्ठ मंच संचालन नितिन नखाते नागपुर ने किया।

धर्मतीर्थ होली महामस्तकाभिषेक 25-मार्च को आचार्य गुप्तिनन्दी जी ससंघ के पावन सान्निध्य में मनाया गया। संपूर्ण महोत्सव को सफल बनाने में धर्मराजश्री तपोभूमि दिगंबर जैन ट्रस्ट मंडल व धर्मतीर्थ विकास समिति के अध्यक्ष आर्किटेक्ट चंद्रशेखर पाटनी, महामंत्री पवन पापडीवाल उपाध्यक्ष राजेन्द्र पाटनी, सहमंत्री डा.सतीश लोहाडे,कोषाध्यक्ष गुलाबचंदजी कासलीवाल, नितिन नखाते नागपुर, राजेश जैन नागपुर नितिन गांधी फलटण, शशांक जिंतूरकर, अरुण पाटनी, चंद्रशेखर पाटनी, धीरज पाटनी सहित धर्मतीर्थ विकास समिति, धर्मतीर्थ परिवार ने अच्छा परिश्रम किया। पीयूष सेठी आदि युवाओं ने और संघसेवकों अभिषेक की व्यवस्था को सम्हाला। पत्रकार धनकुमार जैन जयपुर, ाी सन्मति जैन देवलगाँवराजा भूपेश जैन चीतरी राहुल सेठिया इंदौर, शरद जैन, प्रवीण जैन सांध्य महालक्ष्मी, पाटनी, नरेन्द्र अजमेरा, पियूष कासलीवाल रमेश उदेपुरकर ने उत्सव का अच्छा प्रचार प्रसार किया। इस महोत्सव का दर्शन पुण्य लाभ लेने के लिए औरंगाबाद, अडूल, अम्बड, पाचोड, पैठण, देवलगावराजा, नागपुर, फलटन, पुणे, मुंबई, हैदराबाद, कन्नड़, दिल्ली, लखनऊ, बाराबंकी, आदि भारत के अनेक स्थानों से हजारों लोग एकत्रित हुए।

धर्मतीर्थ साम्राज्य नायक श्री शान्तिनाथ भगवान के जयघोषों से सम्पूर्ण धर्मतीर्थ क्षेत्र गूंज उठा।अभिषेक की विविध छटाओं की सभी ने भूरि भूरि प्रशंसा की। महोत्सव के अंत में अध्यक्ष चंद्रशेखर पाटनी ने सभी का आभार व्यक्त किया। समिति द्वारा आमंत्रित अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया।

धर्मतीर्थ क्षेत्र में आचार्य गुप्तिनन्दी ससंघ के सान्निध्य में श्री सिद्धचक्र विधान किया गया। इसके समापन पर धर्मतीर्थ साम्राज्य नायक श्री शान्तिनाथ भगवान के महामस्तकाभिषेक का महा आयोजन किया गया।

'हर विभाग में शिकायत निवारण कमेटी बनाएं'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेशों की पालना में कोताही बरतने व इनकी पालना के लिए पक्षकारों की ओर से विभागों में दिए अभ्यावेदनों का कई सालों तक निपटारा नहीं होने को गंभीर माना है। इसके साथ ही अदालत ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि वह हर विभाग में प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में शिकायत निवारण कमेटी बनाए। यह कमेटी देखेगी कि अदालती आदेश की पालना के संबंध में पक्षकारों की ओर से दिए गए अभ्यावेदनों का निपटारा बिना किसी परेशानी के दो महीने की समयावधि में हो सके।

अदालत ने मुख्य सचिव को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि हर विभाग शिकायत निवारण कमेटी बनाने के लिए तुरंत कार्रवाई करें और प्रदेश के हर विभाग में यह कमेटी दो महीने में बन जाए। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश जगदीश चन्द्र अग्रवाल की याचिका पर दिए।

जीत की हैट्रिक के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा के लिए तैयार रहें कार्यकर्ता : डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे

- **भाजपा लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित, चुनाव कार्यालय प्रबंधन, कलस्टर प्रभारियों और संयोजकों के कार्यों की हुई समीक्षा**

जयपुर। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान प्रचार-प्रसार की समीक्षा सहित चुनाव प्रबंधन की रणनीति को लेकर आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान प्रदेश चुनाव प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने सभी लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव कार्यालय संचालन, मीडिया और सोशल मीडिया सहित सभी मोर्चों और प्रकोष्ठों की चुनाव में भूमिका पर उपस्थित पदाधिकारियों से सुझाव भी लिए। चुनाव प्रबंधन के लिए बनी विभिन्न समितियों के कार्यों की विवेचना की और आगामी दिनों की कार्ययोजना के बारे में विस्तार से बताया। आगामी दिनों में राष्ट्रीय नेताओं के प्रवास, सामाजिक कार्यक्रमों का प्रबंधन, लोकसभा चुनाव कार्यालयों के प्रबंधन सहित अन्य कार्यों के लिए भी निर्देशित किया गया। इसके साथ ही सभी विभागों को एक-एक ब्लॉक आवंटित किये गये हैं।

प्रदेश चुनाव प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि पूर्व में हमने लोकसभा कलस्टर प्रभारी एंव संयोजकों की संयुक्त बैठक ली थी जिसमें नवमतदाताओं से संपर्क करने और बूथ को मजबूत करने पर जोर दिया गया था। वहीं मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का जिम्मा सभी कलस्टर प्रभारियों और संयोजकों को दिया गया था। पीएम मोदी के 10 साल के कार्यकाल में देश में बहुत कुछ बदलाव हुआ है। गरीब को मान मिला है, महिला को सम्मान मिला और समाज के शोषित वंचित को अधिकार मिला है। जिसके चलते देशभर में भाजपा और पीएम मोदी के प्रति जनता में विश्वास बढ़ा है। हमें लोकसभा चुनाव में अपने प्रत्याशियों को जिताने के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा करनी है, ताकि राजस्थान की सभी लोकसभा सीटों पर जीत की हैट्रिक बना सकें।

प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि मैने विधानसभा चुनावों में प्रदेश के चुनावों को नजदीक से देखा था। चुनाव प्रबंधन टीम ने एक सिपाही की तरह मुस्तैद रहकर काम किया और उसी के परिणामस्वरूप भाजपा ने डबल इंजन सरकार बनाई। लोकसभा चुनावों में भी पूरी टीम को मजबूती से काम करना होगा और प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल खिलाना है।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठक वी. सतीश ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में अंत्योदय की धारणा से काम हुआ है। आज समाज के हर वर्ग का जीवन बेहद सरल हुआ है, गरीब, वंचित, महिला, युवा, किसान और दलित के हितों को ध्यान में रखते हुए काम हुए हैं। विशेष रूप् से नव-मतदाताओं में चुनाव को लेकर आकर्षण है, इसलिए हमें प्रत्येक बूथ पर नवमतदाता को भाजपा की विचारधारा से जोड़ना होगा।

बैठक में प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर, चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक ओंकार सिंह लखावत, राष्ट्रीय संगठक वी. सतीश, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ और प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ संयोजक राजेन्द्र सिंह शेखावत सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक:18122 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक:26.03.2024

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवेदक श्री मुनव्वर अली पुत्र श्री बरकत अली ने पंजीकरण राशि जमा कराकर आवास हेतु आवेदन क्रमांक 11963 के द्वारा आवेदन किया था, जिसकी वरीयता क्रमांक P-64/MA/G-2/HP/89AM, निर्धारित की गई थी। श्री मुनव्वर अली को आरक्षण पत्र क्रमांक 11329 दिनांक 28.12.1993 के द्वारा जारी किया गया था। श्री मुनव्वर अली की मृत्यु दिनांक 25.08.2015 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती रजिया सुल्ताना पत्नी स्व. श्री मुनव्वर अली द्वारा उक्त पंजीकरण को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त पंजीकरण के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती रजिया सुल्ताना पत्नी स्व. श्री मुनव्वर अली का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। **भवदीय,**

सम्पदा प्रबन्धक, राज. आवा. मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

22 चिकित्सा संस्थानों के प्रभारियों को नोटिस

जयपुर। चिकित्सा विभाग के लगातार निरीक्षण के बावजूद राजकीय चिकित्सा संस्थानों में दवाओं की अनुपलब्धता होने पर प्रदेश के 22 चिकित्सा संस्थानों के प्रभारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर, अतिरिक्त जिला कलक्टर, उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा चिकित्सा संस्थानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने होली त्यौहार आमजन के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया। देवनानी ने होली पर लोगों के साथ पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने होलिका दहन भी किया। देवनानी ने सामाजिक समरसता, समन्वय, उत्साह, उमंग एवं उल्लास और रंगों के पर्व पर लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश में जन-जीवन सुख, समृद्धि एवं आध्यात्मिकता के रंगों से सदैव भरा रहे।

प्रदेश में अब तक 40 प्रत्याशियों ने 50 पर्चे भरे

- **मंगलवार को कुल 31 प्रत्याशियों ने 40 नामांकन प्रस्तुत किए**

जयपुर, (का.सं.)। लोकसभा चुनाव-2024 के तहत प्रथम चरण के 12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए प्रत्याशियों के नामांकन की प्रक्रिया जारी है। अब तक 11 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 40 प्रत्याशियों द्वारा 50 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जा चुके हैं। मंगलवार को कुल 31 प्रत्याशियों ने 40 नामांकन प्रस्तुत किए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को गंगानगर से 3, चूरू से 1, सीकर से 5, जयपुर ग्रामीण से 3, जयपुर से 8 अलवर से 4 भरतपुर से 2, दौसा से 3 और नागौर से 2 प्रत्याशियों ने अपने नामाकन पत्र प्रस्तुत किए हैं।

अब तक लोकसभा क्षेत्रवार कुल प्रत्याशी गंगानगर से 4, बीकानेर से 1, चूरू से 1, झुंझुनूं से 1, सीकर से 6, जयपुर ग्रामीण से 5, जयपुर से 10, अलवर से 4, भरतपुर से 2, करौली-धौलपुर से 0, दौसा से 4, नागौर से 2 ने नामांकन भरा। जयपुर लोकसभा क्षेत्र से सर्वाधिक 10 प्रत्याशियों ने 11 नामांकन प्रस्तुत किए हैं वहीं करौली-धौलपुर लोकसभा क्षेत्र से अब तक एक भी नामांकन प्रस्तुत नहीं किया गया है।

वहीं मंगलवार को जयपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 8 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन किये। योगेश कुमार शर्मा, राजीव रोलीवाल, डॉ. असीम वर्मा एवं श्री हरिनारायण मीणा ने बतौर निर्दलीय प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल किया। वहीं, कुलदीप सिंह ने सोशलिस्ट यूनिटी ऑफ इंडिया (कम्यूनिस्ट), त्रिलोक तिवारी ने राष्ट्रीय समता विकास पार्टी, अभय दास जांगिड़ ने भारतीय आमजन पार्टी (विवेकानंद) एवं रामगोपाल शर्मा ने राजस्थान राज पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया।

वहीं, जयपुर ग्रामीण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में मंगलवार को प्रकाश कुमार शर्मा, नेहा सिंह गुर्जर ने बतौर निर्दलीय एवं जितेन्द्र कुमार योगी ने बतौर राष्ट्रीय सवर्ण दल के प्रत्याशी के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे प्रिय **हिमान्शु यादव** (पुत्र डॉ. रामचन्द्र यादव, सुपौत्र हरसहाय यादव) का आकस्मिक देवलोकगमन सोमवार 25.03.2024 को हो गया है जिनकी तीये की बैठक बुधवार 27.03.2024 को सायं 4 से 5 बजे तक हमारे निवास स्थान यदुराज फार्म हाउस, पेट्रोल पम्प के पास, रामन्द्रपुरा, अजमेर रोड, जयपुर पर रखी गई है।

शोकाकुल- हरसहाय यादव (पूर्व प्रधान) (चेयरमैन, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस ओ.बी.सी. विभाग), डॉ. रामचन्द्र यादव, राजेन्द्र, हेमराज, भँवरलाल, कल्याणसहाय, लल्लूराम, छीतरमल, भोलूराम, मालूराम एवं समस्त निनवानियाँ परिवार। मो. 9828555177

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

न्यायालय तहसीलदार (भू.अ.) मौजमाबाद जिला दूदू (राज.)

क्रमांक-भू.अ./2024/946 दिनांक-21.03.2024

सार्वजनिक सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सीताराम मीणा पुत्र स्व. श्री रामनारायण मीणा कौम मीणा निवासी गंगातीकलां तहसील मौजमाबाद जिला दूदू द्वारा मृतक खातेदार बलदेव पुत्र रामनारायण मीणा तहसील मौजमाबाद जिला दूदू की स्वयं/हिस्से की खातेदारी भूमि राजस्व ग्राम गंगातीकलां के ख.नं. 1076, 1077, 496, 497, 710, 711, 720 किता 7 रकबा 6.08 हैं. के वारिसान के हक में नामान्तरकरण खोलने बाबत आवेदन किया हैं। मुताबिक रिपोर्ट पटवारी हल्का गंगातीकलां के मृतक खातेदार के सीताराम पुत्र रामनारायण, रामजीलाल पुत्र छीतरमल, गीता, ललीता, अनिता, संतोष, सीता पुत्री छीतरमल, रूकमणी घ.प. छीतरमल, निवासी गंगातीकलां, नन्दकिशोर, दुर्गालाल पुत्रान रामलाल, नन्दू देवी पुत्री रामलाल कौम मीणा निवासी गोली तह. अराई को वारीसान बताया हैं तथा मृतक बलदेव पुत्र रामनारायण की पत्नी को नाते जाना बताया हैं। जिसके सम्बन्ध में राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 135(2) के तहत नामान्तरण की कार्यवाही इस न्यायालय में विचाराधीन हैं। अगर किसी को कोई उज्र ऐतराज हो या अन्य कोई विधिक वारीसान हो तो मय सबूत साक्ष्य दिनांक 02.04.2024 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा पेश करें। अन्यथा इसके पश्चात प्रकरण का नियमानुसार निस्तारण कर दिया जायेगा। उक्त सूचना आज दिनांक 21.03.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

(अनुराग) तहसीलदार (भू.अ.) तहसील मौजमाबाद (जयपुर)

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम मीना त्रिलोकानी से बदलकर दिव्या फूलवानी रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये पता हॉस्पिटल मार्ग, गर्ल्स विद्यालय के पास, मकराना (राज.)

मैं मोहित सिंह जलाल 60, इंजीनियर रेजिमेंट में सेवादार हूॅ, मेरे आर्मी दस्तावेज में मेरी माता जी का नाम मुन्नी देवी है, जो कि गलत है। सही नाम मुन्नी जलाल अंकित करवाना चाहता हूॅ।

I have changed my name from Veena Kedia to Veena A Kedia W/o Anil Kedia for all future purpose. Address M-181, Raghu Vihar, Sector-153, Shipra Path, Mansarovar, Jaipur.

I have Changed my Son Name from Ieshan Gaur S/o Amitesh Gaur to Ishaan Gaur S/o Amitesh Gaur. In future my Son name is Ishaan Gaur. Address: Plot No. 2, Indra Nagar, Gopalpura Mod, Tonk Road, Jaipur.

खोया पाया

आवास संख्या 117/91 मानसरोवर जयपुर का आवंटन पत्र गिर/गुम हो गया। मिलने पर सूचित करें। सुनील मो. 7737755887

जे.डी.ए. की योजना रोहिणी एन्क्लेव के प्लाट नं. ए-158, का मूल आवंटन पत्र और कब्जा पत्र जयपुर में कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें। अंकित खंडूजा मो.नं. 9887853920

आवासीय प्लाट न. 75 सुरजपुरा, भाटवाला डेयरी योजना, वाटिका रोड, सांगानेर, जयपुर के जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा आवंटित मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र एवं विनिमय पत्र (7023 DATE 31/01/2011) कहीं गुम हो गए हैं। कृपया मिलने पर सूचित करे उदाराम मो.9929813381

उत्तर पश्चिम रेलवे

आवश्यक सूचना

पत्र सं. ENGG-JP-2023-24-89 दिनांक : 20.03.2024

सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि गांधीनगर –जगतपुरा स्टेशनों के मध्य रेलवे ब्रिज सं 209 –A मालवीयनगर (नंदपुरी अन्डर पास), KM 231/6-7 की आवश्यक मरम्मत हेतु दिनांक 27/3/2024 से 31/3/2024 तक रात्रि 9.00 बजे से सुबह 6.00 बजे तक रोड यूजर हेतु वन वे यातायात चालू रखना अति आवश्यक है। असुविधा के लिए खेद है।

405-CQ/24 व. मण्डल इंजीनियर (मु.)उ.प.रे., जयपुर

/NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

बाल सुधार गृह की दीवार तोड़कर 16 अपचारियों ने की भागने की कोशिश

गत 22 मार्च को देर रात बाथरूम की दीवार तोड़ रहे थे बाल अपचारी, लेकिन सुरक्षाकर्मियों की चैकिंग व मुस्तैदी के कारण भागने में कामयाब नहीं हो सके

जयपुर । ट्रांसपोर्ट नगर इलाके स्थित बाल सुधार गृह से एक बार फिर 16 नाबालिगों ने भागने की कोशिश की। जानकारी में सामने आया है कि बालअपचारियों ने भागने के लिए बाथरुम की दीवार को तोड़ी, लेकिन ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों के सचेत होने के चलते भागने में कामयाब नहीं हो सके। वहीं तलाशी में बाल अपचारियों के पास से लोहे के पाइप व पत्तियां हैं। इस संबंध में थाने में बाल सुधार गृह से भागने की कोशिश करने वाले 16 बाल अपचारियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि सेठी कॉलोनी में स्थित बाल सुधार गृह के केयर टेकर कन्हैयालाल ने मामला दर्ज करवाया है कि 22 मार्च को नाइट ड्यूटी पर तैनात थे। रात करीब ग्यारह बजे सुरक्षा

- **तलाशी के दौरान बाल अपचारियों के पास से लोहे के पाइप और पत्तियां भी बरामद हुई, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया है**

कर्मियों ने विशेष गृह के प्रथम तल को चेक किया। बाल अपचारी बाथरुम के पास दीवार तोड़ते हुए दिखाई दिए। पुलिस और सुरक्षा गार्ड को देखकर बाल अपचारी अंदर बेरिक की तरफ भाग गए। उनके हाथ में लोहे की पत्तियां और पाइप थे। चेक करने पर बाथरूम की दीवार में लगी तीन टाइल्स टूटी थी। उसी जगह से दीवार भी टूटी हुई मिली। वहीं बाल अपचारियों के भागने की कोशिश करने को लेकर अधिकारियों को सूचित किया गया। पुलिस ने बताया कि विशेष गृह में रह रहे सभी किशोर सजायाप्ता और बालिग हैं। तलाश में मिली लोहे की पत्तियों और पाइप को जब्त कर लिया गया है। सरकारी सम्पति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज जांच की जा रही है।

दो बाल अपचारियों के पास से गांजा बरामद

वहीं दूसरी ओर ट्रांसपोर्ट नगर स्थित बाल सुधार गृह में गांजा मिलने का मामला सामने आया है। पुलिस के सर्च ऑपरेशन में दो बाल अपचारियों की तलाशी में मिले 149 ग्राम गांजे को जब्त किया गया है। थाने में दोनों बाल अपचारियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि बाल सुधार गृह के अंदर सजायाप्ता बाल अपचारी नशे की चीजें मंगवाकर खा पी रहे है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर थानाधिकारी राजेश बाफना ने दो बाल अपचारियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है कि सेठी कॉलोनी स्थित बाल सुधार गृह में पुलिस ने सर्च ऑपरेशन किया। तलाशी में विशेष गृह में सजायाप्ता दो बाल अपचारियों के पास से मिले 149 ग्राम गांजे को जब्त किया। बाल सुधार गृह में गांजे के साथ पकड़े गए दोनों बाल अपचारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और अब पुलिस दोनों बाल अपचारियों से पूछताछ कर गांजे के बाल सुधार गृह में लाने के बारे में पता लगा रही है।

प्रवर्तन अधिकारी डेढ़ लाख रु. की रिश्वत लेते गिरफ्तार

कर्मचारी भविष्य निधि जयपुर में कार्यरत है आरोपी दीपक

जयपुर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय की जयपुर शहर द्वितीय टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय निधि भवन विद्युत मार्ग ज्योति नगर जयपुर के प्रवर्तन अधिकारी दीपक बड़जात्या को परिवादी से 1 लाख 50 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जयपुर शहर द्वितीय टीम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी फर्म की पांच साल की इन्सपेक्शन रिपोर्ट तैयार करने की एवज में प्रति वर्ष 50 हजार रुपये के हिसाब से 2 लाख 50 हजार रुपये की रिश्वत राशि की मांग रहा

आरोपी दीपक बड़जात्या

है। एसीबी जयपुर शहर द्वितीय टीम ने शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप की कार्रवाई करते हुए कर्मचारी भविष्य निधि का प्रवर्तन अधिकारी दीपक बडजात्या

- **परिवादी की फर्म की 5 साल की निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करने के एवज में 2.5 लाख रु. मांगे थे आरोपी दीपक ने**

को 1 लाख 50 हजार रुपये (60 हजार रुपये भारतीय चलन मुद्रा एवं 90 हजार रुपये डमी नोट) रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि कर्मचारी भविष्य निधि का प्रवर्तन अधिकारी के मानसरोवर जयपुर स्थित निवास पर तलाशी में 9 लाख रुपये से अधिक की नकद राशि मिली है। अभी कार्रवाई जारी है।

होटल 66 रेजीडेंसी सिविल लाइंस की रसोई में मिला अवधिपार सामान

होली पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया औचक निरीक्षण

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के पॉश इलाके सिविल लाइंस स्थित होटल 66 रेजीडेंसी में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापेमार कार्रवाई की। होली पर जब स्वास्थ्य विभाग की टीम होटल में चैकिंग के लिए पहुंची तो अवधिपार सामान रसोई घर और स्टोर रूम में रखा हुआ मिला, जो कि भोजन तैयार करने के लिए काम में लिया जा रहा था। टीम ने इस सामान को जप्त कर नष्ट करवाया।

अतिरिक्त आयुक्त खाद्य सुरक्षा पंकज ओझा के निर्देशानुसार यह कार्यवाही की गई। निरीक्षण में पाया गया कि इस होटल के रसोई घर में काम लिए जाने वाले पानी की जांच रिपोर्ट भी नहीं पाई गई। तीन सैंपल

दही, तेल और ग्रेवी के लिए गए हैं। यहां किचन में अवधिपार सामान भी पाया गया, जिस पर टीम ने फूड सेफ्टी एक्ट के अनुसार कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई को सीएमएचओ प्रथम की एफएसओ की टीम ने अंजाम दिया।

पुलिस के जवानों पर कार चढ़ाने का प्रयास

जयपुर । राजधानी जयपुर के महिला चिकित्सालय के सामने पुलिस के जवानों पर बदमाशों ने कार चढ़ाने का प्रयास किया। पुलिस जवानों ने कार को रोकने की कोशिश की,लेकिन कार सवार बदमाश पुलिस की नाकाबंदी को तोड़कर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि बदमाश तेज रफ्तार में कई गाड़ियों को टक्कर मारते हुए सांगानेरी गेट से दिल्ली रोड की तरफ भाग गए। पुलिस कार नंबर के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक शनिवार देर रात को सांगानेरी गेट के पास महिला चिकित्सालय के सामने पुलिस की नाकाबंदी चल रही थी। नाकाबंदी पर वाहनों की चेकिंग की जा रही थी।

इस दौरान एक ब्लैक नंबर प्लेट की कार नाकाबंदी पर आई। कार पर काले शीशे लगे थे। चेकिंग कर रहे पुलिस के जवानों ने कार चालक से शीशे नीचे करने को कहा,लेकिन कार चालक गाड़ी को

- **सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय के बाहर की घटना**

आगे बढ़ाने लगा। पुलिसकर्मियों ने कार को रोकने का प्रयास किया तो कार चालक ने गाड़ी की रफ्तार तेज कर दी। इसके बाद बदमाश बैरिकेड्स तोड़कर अन्य वाहनों को टक्कर मारते हुए भाग निकले। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस जवानों पर भी गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। गाड़ी सांगानेरी गेट से दिल्ली रोड की तरफ जाती नजर आई। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने आगे अन्य थाना इलाकों में नाकाबंदी करवाई। पुलिस ने कार के नंबर के आधार पर रात भर शहर में जगह-जगह नाकाबंदी करवाई गई। लेकिन कार का कोई सुराग नहीं लग पाया। पुलिस कार के नंबर के आधार पर मलिक का पता लगाने में जुटी है।

22 चिकित्सा संस्थान प्रभारियों को नोटिस

जयपुर (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने लगातार निरीक्षण के बावजूद राजकीय चिकित्सा संस्थानों में दवाओं की अनुपलब्धता होने पर प्रदेश के 22 चिकित्सा संस्थानों के प्रभारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर, अतिरिक्त जिला कलक्टर, उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार व विभागीय अधिकारियों द्वारा चिकित्सा संस्थानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। राजकीय अस्पतालों में आवश्यक दवा सूची के तहत दवाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धता रखने के लिए समय-समय पर निर्देश दिए गए हैं, लेकिन निरीक्षण के दौरान चौथी विजिट के बाद भी 22 चिकित्सा संस्थानों में कुछ दवाओं की अनुपलब्धता पाई गई। विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए इन चिकित्सा संस्थानों के प्रभारी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर 3 दिन में स्पष्टीकरण मांगा है।

सार-समाचार

होली पर कलाकारों ने बिखेरे सुरों के रंग

जयपुर (कासं)। मशहूर म्यूजिकल ग्रुप "हम और हमारा संगीत" के सौजन्य से जयपुर के एम.आई.रोड स्थित होटल ओम टावर में होली पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में गायक-गायिकाओं ने शिरकत की। म्यूजिकल ग्रुप के डायरेक्टर अरविन्द गोयल एवं मीनू ताहिन ने बताया कि संगीत के क्षेत्र की उभरती प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए हमारा ग्रुप सदैव तत्पर रहता है और आज इसी कड़ी में होली के इस खुशनुमा माहौल में यह भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आकाशवाणी जयपुर की मशहूर ग़ज़ल गायिका विनीता कोडवानी ने अपने एकल नगमों और अपनी सधी हुई गायकी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और अपने फन से महफ़िल में समां बांध दिया एवं श्रोताओं की खूब तालियाँ बटोरी। कार्यक्रम का संचालन मोनिका ग्रोवर एवं सुरेश ग्रोवर ने किया। कलाकारों में अंजन चौधरी, डॉक्टर अशोक शर्मा, विकास चन्देलिया, विद्या शर्मा, श्वेता मिश्रा, जयश्रीसोनी, रजनीश उपाध्याय, दीपक अरोड़ा, ममता वर्मा, ज्योति अग्रवाल, प्रीति पुरोहित, बीना भार्गव, भावना शर्मा, अनामिका शर्मा, विजेता सिन्हा, प्रिया गुलबानी, मणि गाँधी, रूचि मोहता, मोहित मोहता, विक्टर मोटवानी, शेखर श्रीवास्तव, अनिल सोनी,पुखराज गाँधी, योगेश टांक,अनिल ताहिन,पीडी भार्गव मौजूद थे।

'डॉग बाइट्स के लिए निगम जिम्मेदार'

जयपुर (कासं)। 'जयपुर फॉर एनिमल्स नेटवर्क' ने कुत्तों द्वारा आमजन को काटने (डॉग बाइट्स) के बढ़ते मामलों के लिए नगर निगम प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। संस्था की सदस्य मरियम अबू हैदरी ने आरोप लगाया है कि पशु कल्याण के लिए अदालत ने जो आदेश दे रखे हैं, नगरीय निकाय उनकी पालना के बजाय लगातार धज्जियां उडा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जयसिंहपुरा खोर में नगर निगम के ए.बी.सी. सेंटर के बाहर सीवरेज में मृत कुत्तों के शव फेंके हुए मिले, तत्कालीन डॉ. चावला, जिन्हें ए.बी.सी. (एंटी बर्थ कंट्रोल) टैंडर दिया गया था, उन्होंने खुद स्वीकारा कि उनके पास मृत पशुओं को दफनाने की कोई जगह नहीं है। जबकि ए.बी.सी. के नियमों के अनुसार एक भस्मक (इंसीनरेटर) होना चाहिए। मरियम अबू हैदरी ने कहा कि नगरीय निकायों को चेतावनी है कि 7 दिन में राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार काम करे, अन्यथा पशु कल्याण के इस मुद्दे को हम कानूनी रूप से उठाएंगे।

श्याम नगर में महिला से सामूहिक दुष्कर्म

जयपुर। श्याम नगर इलाके में काम के बहाने बुलाकर एक महिला से सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार जमवारामगढ़ निवासी 30 वर्षीय महिला ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी मुलाकात पानीपेच पर कैलाश यादव ने हुई। कैलाश यादव ने उसे होटल में साफ-सफाई के काम में रखने को कहा और इसके बदले उसे 15 हजार रुपए वेतन देना तय किया गया। 23 मार्च को वह कैलाश यादव के होटल पर चली गई। वहां पर कैलाश यादव और उसके साथी ने डरा धमका कर उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। इस पर पीडिता घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। इस पर परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और मामला दर्ज करवाया।

करधनी में दो भाईयों पर चाकू से हमला

जयपुर (कासं)। करधनी थाना इलाके में स्कूटी सवार बदमाश दो बदमाशों ने एक व्यक्ति पर चाकू से वारकर घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार बोयतावाला निवासी खेमचंद ने मामला दर्ज करवाया कि वह अपने भाई के साथ कहीं जा रहा था। बैनाड़ रोड पर स्कूटी सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और उन पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू के हमले से उसके भाई के पेट, गले, हाथ , कान , सिर और गर्दन पर घाव हो गए। इसे अलावा उसके शरीर पर भी कई घाव आए है। घटना होली के दिन की है।

ब्राह्मण को टिकट न देने का विरोध

जयपुर (कासं)। राजस्थान ब्राह्मण महासभा ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार को टिकट नहीं देने पर गहरी नाराजगी जताई है। महासभा के अध्यक्ष मोहन प्रकाश शर्मा ने कहा कि राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों में से एक भी सीट पर कांग्रेस ने ब्राह्मण उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया, कांग्रेस द्वारा ब्राह्मणों की इस उपेक्षा का समाज उचित समय पर करारा जवाब देगा। ब्राह्मण समाज ने कांग्रेस पार्टी को बहुत कुछ दिया, लेकिन इस बार जो अपमान किया गया है, उसे समाज बर्दाश्त नहीं करेगा।

बुकरू चिल्ड्रन लिटरेचर फेस्टिवल 30 से

जयपुर । जवाहर कला केन्द्र की ओर से होने वाली साहित्यिक गतिविधियों के क्रम में 30 से 31 मार्च तक बुकरू चिल्ड्रन लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। फेस्टिवल में 27 एक्सपर्ट्स सुबह 11 बजे से शाम 4:30 बजे तक 50 से अधिक सेशंस में 4 से 14 वर्ष के बच्चों से रूबरू होंगे। बुकरू में स्टोरी टेलिंग, क्राफ्ट कॉर्नर, डूडल वॉल, स्टेज परफॉर्मेंस, स्क्रीनिंग, बुक स्टॉल और ऑनगोइंग एक्टिविटी होगी। केन्द्र के रिसेप्शन पर एंट्री से फेस्टिवल में नि:शुल्क हिस्सा लिया जा सकता है।

सड़क हादसों में 2 लोगों की मौत

जयपुर । खोह-नागोरियान और बस्सी क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। खोह नागोरियान थाना इलाके में होली के दिन गोनेर रोड पर एक तेज रफ्तार बाइक ने बुजुर्ग को टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक बाइक लेकर भाग निकला। पुलिस के अनुसार रामगंज निवासी 81 वर्षीय रफीक अहमद किसी काम से लूनियावास आया था। गोनेर रोड पर चेतक भट्टे के पास एक तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे अस्पताल भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। बस्सी थाना इलाके में आगरा रोड पर एक तेज रफ्तार कार ने राहगीर को टक्कर मार दी। इससे राहगीर की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार चेनपुरा निवासी 20 वर्षीय लोकेश कुमार पैदल ही किसी काम से आगरा रोड होते हुए बस्सी जा रहा था। मोहनपुरा के पास एक तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

मूक बधिर बच्ची के अपहरण का प्रयास

जयपुर । झोटवाड़ा इलाके में धुलंडी के त्योहार पर दिन-दहाड़े ई रिक्शा सवार चार बदमाशों ने नाबालिग मूक बधिर लड़की का अपहरण करने की कोशिश की। नाबालिग लड़की ने संघर्ष कर हाथ छुड़ाया और ई-रिक्शा से नीचे कूद गई। बदमाशों ने उसके बाल पकड़ लिए और करीब 200 मीटर तक घसीटकर ले गए। इससे नाबालिग घायल हो गई।

पुलिस के अनुसार बृजमंडल कॉलानी में सुबह करीब 11 बजे ई रिक्शा में सवार होकर चार बदमाश आए और गली में खेल रही बच्ची को ई-रिक्शा से खींचने लगे। बालिका को घसीटते देखा तो कॉलोनी के लोग और परिजन दौड़कर आए। लोगों के पीछा करने पर बदमाश नाबालिग को लहूलुहान हालत में सड़क पर फेंक कर भागने लगे, लेकिन लोगों ने ई-रिक्शा को पकड लिया। ई-रिक्शा सवार 3 बदमाश मौके से भाग निकले, लेकिन ड्राइवर मनोज को लोगों को पकडकर पुलिस के हवाले कर दिया। सड़क पर घसीटने के कारण नाबालिग के हाथ और पैर में चोटें आई है। परिजनों ने उसे घायल हालत में अस्पताल पहुंचाया। नाबालिग के पिता ने बताया कि धुलंडी के मौके पर उनकी नाबालिग बेटी सुबह करीब 11 बजे घर के बाहर होली खेल रही थी। इस दौरान ई-रिक्शा में सवार 4 बदमाश आए और नाबालिग बेटी का हाथ पकड़कर ई-रिक्शा में खींच लिया। उसकी बेटी ने हिम्मत दिखाई और बदमाशों के चंगुल से छूटकर ई-रिक्शा से कूद गई। लोगों को आते देख बदमाशों ने उसकी बेटी को सड़क पर छोड़ दिया और भागने लगे। तीन बदमाश तो फरार हो गए, लेकिन ई-रिक्शा ड्राइवर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना के दौरान लोग कॉलोनी के बाहर होली खेल रहे थे। पहले सब को लगा कि जानकार होंगे और होली खेल रहे हैं, लेकिन जब बच्ची चलते ई-रिक्शा से कूदी और बदमाशों ने उसके बाल पकड़ घसीटना शुरू किया तो कॉलोनी के लोगों ने ई-रिक्शा का पीछा करना शुरू किया और एक बदमाश मनोज को पकड़ लिया था, जबकि साजिद, योगेश और एक अन्य बदमाश मौके से भाग निकले। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पेयजल समस्याओं के लिए राज्य और जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाएं : समित शर्मा

जयपुर । जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने कहा कि प्रदेश में ग्रीष्म ऋतु के दौरान उपभोक्ताओं की पेयजल की समस्या का तत्काल समाधान करने के लिए राज्य एवं जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए। इसके साथ ही ग्रीष्म ऋतु में स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए नियमित रूप से मॉनिटरिंग किया जाना सुनिश्चित करें। जल की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए एवं जल जनित बीमारियों के लिए चिकित्सा विभाग से समन्वय किया जाए। शासन सचिव मंगलवार को शासन सचिवालय में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत 70 प्रतिशत से अधिक वाली ग्राम पंचायत में 100 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने के लिए विशेष प्रयास किए जाए। अगर इसमें किसी तरह की कठिनाई आती है तो इसका निराकरण किया जाए।

सिटी पैलेस में पारंपरिक 'होलिका दहन'

जयपुर के सिटी पैलेस में रविवार शाम को पारम्परिक 'होलिका दहन' का आयोजन शाही शान-शौकत के साथ किया गया। 'होलिका दहन' से पूर्व जयपुर के एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 'पूजन' एवं 'हवन' अनुष्ठान सम्पन्न किया। इस अवसर पर प्रिंसेस गौरवी कुमारी भी उपस्थित रहीं और अनुष्ठान में शामिल हुईं। समारोह में कई अन्य व्यक्ति और अतिथि सम्मिलित हुए। जयपुर में परंपरा के अनुसार, होलिका दहन के बाद स्थानीय लोग होली की पवित्र अग्नि को संबंधित कॉलोनियों में 'होलिका दहन' के लिए ले गये। उत्सव के दौरान लोक कलाकारों द्वारा चंग की शानदार प्रस्तुति दी गई। सोमवार को सिटी पैलेस में धुलंडी उत्सव मनाया गया। जयपुर राजपरिवार के सदस्यों ने अपने मेहमानों के साथ रंगों का त्यौहार मनाया।

ब्राह्मणों का अपमान करने वाली कांग्रेस का बायकॉट करेंगे : मिश्रा

- **पंडित सुरेश मिश्रा ने कहा कि "लोकसभा चुनाव में ब्राह्मण समाज की अनदेखी हुई है, प्रदेश में एक भी स्थान पर ब्राह्मण उम्मीदवार नहीं बनाना तय करता है कि 1 करोड़ ब्राह्मणों के वोट कांग्रेस को नहीं चाहिए"**

जयपुर (का.सं.)। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि, राजस्थान में आगामी लोकसभा चुनाव में ब्राह्मण समाज के वोटों की कांग्रेस पार्टी को जरूरत नहीं है। ये बहुत ही दुर्भाग्य पूर्ण है कि पूरे प्रदेश में कांग्रेस पार्टी ने एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार नहीं उतारा है।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से आज तक हर बार राजनीतिक पार्टियां ब्राह्मण समाज को कम से कम 2 से 3 सीट उम्मीदवार के रूप में देती थी। परन्तु इस बार कांग्रेस ने ब्राह्मण समाज का अपमान और अनादर किया है तथा पूरे प्रदेश में एक ब्राह्मण भी इस योग्य नहीं लगा कि उसे उम्मीदवार बनाया जा सके। यहां तक की जयपुर लोकसभा में एक ब्राह्मण उम्मीदवार बनाया गया, पता नहीं उसने ऐसा क्या पाप किया कि उसे अपमानित करके टिकट वापिस छीन लिया। पूरा ब्राह्मण समाज इस बात से आहत है कि कांग्रेस के नेता पाकिस्तान जाकर भारत विरोधी बयान देते हैं। उनको कांग्रेस पार्टी सम्मानित करती है और ब्राह्मण समाज के व्यक्ति को अपमानित करके टिकट छीन लिया जाता है। पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि राजस्थान प्रदेश में ब्राह्मण समाज की आबादी 1 करोड़ के आस पास है तथा राजस्थान के प्रत्येक गांव, तहसील, ढाणी में ब्राह्मण समाज के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं और ब्राह्मण सबको साथ लेकर चलने की बात करता है। ऐसे ब्राह्मण समाज को राजनीतिक रूप से दरकिनार करना कांग्रेस पार्टी को महंगा पडेगा। राजस्थान प्रदेश में जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, अलवर, कोटा ब्राह्मण बाहुल्य सीटें हैं। यहां पर भी किसी ब्राह्मण उम्मीदवार पर चर्चा भी नहीं कि गई। इससे साफ जाहिर होता है कि कांग्रेस ब्राह्मणों को दरकिनार करना चाहती है। ऐसे में हमने तय किया है कि सर्व ब्राह्मण महासभा की टोलियों के माध्यम से अभियान चलाएंगे और कांग्रेस बायकाट का संकल्प लेंगे।

होली के हुड़दंग में 500 से ज्यादा लोग घायल

जयपुर (का.सं.)। राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में होली के त्यौहार पर हुदंग व हादसों में घायल होकर करीब सवा पांच सौ लोग इलाज के लिए पहुंचे। अस्पताल प्रशासन के अनुसार एसएमएस में 525 लोग होली के दौरान दो दिन में विभिन्न हादसों में घायल होकर इलाज

- **एस.एम.एस. अस्पताल में करीब 100 लोग भर्ती हुए**

के लिए पहुंचे। इनमें से करीब सौ लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया। इनमें 80 पुरूष, 14 महिलाए और 6 अन्य लोग शामिल है। चार-पांच की हालात गंभीर है। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि होली पर संभावित हादसों को देखते हुए ट्रोमा सेंटर में न्यूरोलॉजिस्ट, जनरल सर्जन और ऑथोपेडिक के चिकित्सकों की राउंड दा क्लॉक ड्यूटी लगाई गई था। वहीं इमरजेंसी में प्लास्टिक सर्जरी, नेत्र रोग और एलर्जी के विशेष चिकित्सक तैनात किए गए थे।

दौसा में युवा नेता के बागी तेवर बिगाड़ेंगे मुरारीलाल का खेल

जयपुर, (का.प्र.)। विधानसभा चुनाव से पहले सचिन पायलट के निवास पर नरेश मीणा ने कांग्रेस का दामन थामा। फिर बारां में मंत्री प्रमोद जैन भाया के खिलाफ ही मोर्चा खोला। बगावत कर छबड़ा से चुनाव लड़ा। चार दिन पहले कांग्रेस में वापसी की ओर अब यहां भी फिर से बागी तेवर दिखा दिए।

अब जिस तरह से तेवर नरेश ने दिखाए हैं, उससे संभावना है कि नाराज नरेश मीणा दौसा से निर्दलीय चुनाव लड़ सकते हैं। नरेश मीणा कल नामांकन कर सकते हैं। पहले भी उन्होंने निर्दलीय लड़ने की घोषणा कर दी थी, लेकिन बाद में कांग्रेस जॉइन कर ली और मान गए। अब फिर नरेश मीणा नाराज हैं।

कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर पूर्व छात्र नेता नरेश मीणा ने दौसा से प्रत्याशी मुरारीलाल मीणा की मौजूदगी में कहा कि आपके परिवार से ही सब बनेंगे, तो हम कहां जाएंगे। आप सुनील शर्मा की तरह टिकट सरेंडर करवाकर इसे बदलवाएं। नरेश मीणा पांच मिनट तक मुरारीलाल पर हमलवार रहे। बाद में मुरारीलाल

- **नरेश बोले, "मुरारीलाल सांसद बन जाएंगे, उनकी बेटी विधायक, हम क्या करेंगे फिर"**
- **मुरारी लाल का पलटवार, "ऐसे टिकट नहीं मिलता, मैंने भी 15 साल इंतजार किया है, ऐसे करोगे तो जीवन में कुछ नहीं बनोगे"**

मीणा ने पलटवार करते हुए कहा कि ऐसे टिकट नहीं मिलता, मैंने भी 15 साल इंतजार किया है। मैं भी 1998 से टिकट मांग रहा था। इस पर नरेश समर्थकों ने नारेबाजी की तो मुरारीलाल मीणा ने कहा कि गारंटी से कहता हूं, इस तरह करोगे तो जीवन में कुछ नहीं बन पाओगे। मैंने भी इंतजार किया है।

इससे पहले नरेश मीणा ने कहा कि मैं मुरारीलाल जी से पूछना चाहता हूं। आपने जब कहा कि चुनाव नहीं लड़ूंगा, टिकट नहीं मांगूंगा तो मैंने गलती कर दी, टिकट मांग लिया। मुरारीलाल सांसद बन जाएंगे, यहां उनकी बेटी बैठी है। ये दौसा से विधायक बन जाएंगी। मुरारीलाल जी, आपकी पत्नी सविता भी सांसद का चुनाव लड़ चुकी हैं, वो पांच चुनाव लड़ चुकी हैं। आप एमएलए बन गए, आप सासंद बन जाओगे। फिर मेरा क्या होगा? मेरे जैसे बच्चों का क्या होगा? जिस तरह सुनील शर्मा का टिकट वापस हो गया था। आप चाहो तरह सुनील शर्मा का टिकट वापस हो गया था। आप चाहो तो आप भी टिकट सरेंडर करके अब भी बदलवा सकते हो। नरेश मीणा ने कहा कि मुरारीलाल जी, आपका तो फर्ज बनता है, आपके बच्चे नहीं हैं। हम तो आपके बच्चे हैं। जिनके कोई बच्चा नहीं है, उनका नरेश बच्चा है। आपको आगे बढ़कर सचिन पायलट से कहना चाहिए था कि यह बच्चा बहुत दिनों से टिकट मांग रहा है। इस बच्चे को टिकट दे दो। इस बच्चे को हम जिताकर लाएंगे। जनता भी मानती कि मुरारी ने दम दिखाया है।

International Whisk(e)y Day

Whiskey has a long and venerable history as one of the most recognizable forms of distilled spirits in the world. The name for *Whisk(e)y* comes from the Gaelic language, where it was referred to as Uiscena Beatha, which means 'The Water of Life.' It wasn't long before the name was shortened to *Uisce* (merely Water) and then the pronunciation slowly changed over time from Ish-Key, to Whiskey. And that pronunciation has remained ever since. Take a sip of the liquid gold that hails from the barrels of fermented grains. It's a complex, warm, and welcoming elixir.

#PHOTOGRAPHY

Capturing Total Solar Eclipse

While capturing the eclipse is exciting, experiencing the event first-hand is equally important. Take moments to step away from the camera and observe the natural phenomenon.

A *total solar eclipse* is a rare and mesmerizing event that captivates observers and photographers alike. As the moon completely covers the sun, the sky darkens, and stars may appear in the middle of the day. The total solar eclipse will take place on April 8, and folks in the U.S. will have a great opportunity to witness this extraordinary celestial event. For those looking to capture this astronomical wonder, here are some smart tips to help you photograph a total solar eclipse.

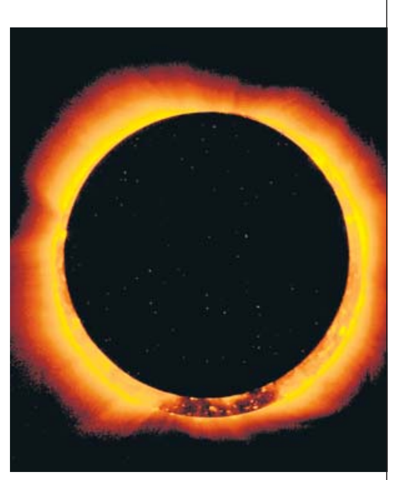

Location scouting

Selecting the *right location* is paramount for capturing the eclipse. Research the path of totality to find a spot that offers a clear view of the sky. Consider factors like accessibility, weather patterns, and potential obstructions. Come early to your preferred site and make yourself familiar with the surroundings. A good location can make the difference between a good photo and a great one. Check local regulations and permissions required for photography in public spaces or private property.

Eye and camera protection

Safety should be your top priority. Use solar filters on your camera lenses to protect the sensor from intense sunlight. Similarly, protect your eyes with ISO-certified eclipse glasses. The only time when it's safe to view the eclipse, without protection or removing the camera filter, is during the brief period of *totality,* when the sun is completely covered by the moon.

Appropriate equipment

Your *choice of equipment* can greatly affect the quality of your eclipse photos. A DSLR or mirrorless camera, with a long focal length lens, is ideal, but even point-and-shoot cameras or phone cameras can yield good results, if used correctly. Always make sure that you have an arsenal of extra memory cards and batteries. Using a tripod will provide stability, and a remote shutter release can prevent camera shake during the capture process.

Camera settings adjustment

Understanding and adjusting your *camera settings* is crucial. Manual mode allows for greater control over exposure settings. A low ISO will reduce noise, and a small aperture will ensure sharpness across the frame. Shutter speed will vary depending on the phase of the eclipse, faster speeds for the partial phases and slower speeds for totality. Bracketing exposures can help capture the dynamic range from the bright corona to the darker skies.

Rehearse your photography

Practice photographing the moon to simulate the eclipse conditions, as both celestial bodies are similar in size, when viewed from Earth. Test different settings and filters to be prepared. According to NASA, "For DSLR cameras, the best way to determine the correct exposure is to test settings on the uneclipsed Sun beforehand. Using a fixed aperture of f/8 to f/16, try shutter speeds between 1/1000 to 1/4 second to find the optimal setting, which you can then use to take images during the partial stages of the eclipse. During totality, the corona has a wide range of brightness, so it's best to use a fixed aperture and a range of exposures from approximately 1/1000 to 1 second." Familiarity with your equipment will enable you to adjust settings quickly as the lighting changes during the eclipse.

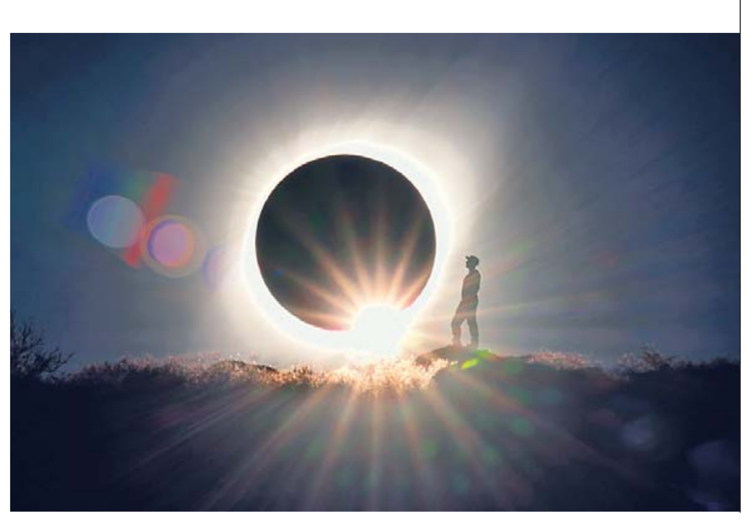

Modi's keenness to win in the south cannot be explained merely by his party's 'hyper-nationalist' thirst. What matters more is to be accepted by the south's more discerning and better educated electorate. Victory in the south also brings respectability. Bengaluru and Hyderabad, the capitals of Karnataka and Telangana, respectively, are home to most of India's techgiants and also to the Indian wings of global behemoths like Amazon and Microsoft. Of the 14 Indian suppliers to Apple, the maker of iPhone, 11 are from the south. Two-thirds of the hefty export revenue that India earns from the export of tech services originates from the south.

Modi Should Woo South For More Reasons Than One

Sumit Mitra
The author is a veteran journalist

From the foundation of the *Rashtriya Swayamsevak Sangh* in 1925 to the progression of its ideogy, close to its centenary year, under the leadership of P*rime Minister Narendra Modi*, it has never strayed from its foundational credo of 'Hindu nationalism.' A mocking disdain for the word "secular," and the values associated with it are a common thread that has run through the '*saffron brotherhood'* all these 99 years. And Prime Minister Modi, in his decade-long rule, has largely succeeded in carrying the RSS method of welding the 'Hindu religion' with the 'Indian nationhood' even further. It follows a trajectory that invariably leads to the realm of '*Hindu Rashtra*,' however speculative that may sound now. Since taking over as PM in 2014, Modi has pushed the envelope by holding out a future with virtual extinction of the religious minorities, notably Muslims, from the political space. It is a long sweep from all that the RSS founders could imagine.

However, a pre-requisite for the project's final success is to obtain a 'composite majority community,' with all its fault lines of caste and culture neatly sutured, if not airbrushed.

While these cracks have remained there, the BJP has dexterously leapt over some of the gaps by using the plank of 'religion.' But its success is limited to the northern and western states. Besides, it's too early to conclude that the Ram temple in Ayodhya is indeed the vote-catcher that the BJP has presumed it to be. And, while the presumption has some basis for the electorate in the north and west, there is no proven evidence that the 'pull of religion' may work in the south.

In that region's five states, Andhra Pradesh, Telangana, Karnataka, Kerala and Tamil Nadu, Modi has some allies but not much of a popular following. Of the region's 129 Lok Sabha seats, the BJP won 29 in the 2019 election. And these victories came mostly from Karnataka, 26, where the state unit of the main opposition, the Congress, was rudderless, while there were problems in

#ELECTIONEERING

its ties with the local coalition partner JD(S), led by H.D. Deve Gowda, a former prime minister. In 2019, the BJP had a token presence in Telangana but none in Tamil Nadu, the largest state of the south (39 seats) and Kerala (20), the state with the best social indices score in the country. In this year's election, Modi is going all out to expand his base in the south, with new alliances forged in Andhra Pradesh (with Jan Sena and TDP), in Karnataka (with JD(S)), and in the BJP's persistent effort to tie up with as many 'Dravidian' parties as possible, in Tamil Nadu. In Kerala too, the BJP is on a vigorous dating spree as the formation of the opposition bloc, I.N.D.I.A, has narrowed the tactical gap between the state's two traditional rivals, the Congress and CPI (M), thus making some of their followers look for new pasture in the BJP. The *Economist magazine* has recently reported that the BJP's push in the south began in Tamil Nadu three years ago when it 'recruited thousands of activists there and changed local leaders.'

Of course one has to wait till the election results in May to know if the three-year-long campaign has borne fruit. But Modi's keenness to win in the south can-

> For the BJP with a definite project to mould the country into a socio-cultural unity, the south has become an outlier, causing considerable embarrassment to the party's traditional champions of the '*Hindi-Hindu-Hindusthan*' outlook. But numbers tell a different story. The south, with merely 20 per cent of the national population, draws 35 per cent of foreign direct investment, with a fast rising trend in FDI in the 'new economy' sectors.

not be explained merely by his party's 'hyper-nationalist' thirst. What matters more is to be accepted by the south's more discerning and better educated electorate. Victory in the south also brings respectability. Bengaluru and Hyderabad, the capitals of Karnataka and Telangana, respectively, are home to most of India's techgiants and also to the Indian wings of global behemoths like Amazon and Microsoft. Of the 14 Indian suppliers to Apple, the maker of iPhone, 11 are from the south. Two-thirds of the hefty export revenue that India earns from the export of tech services originates from the south.

For the BJP with a definite project to mould the country into a socio-cultural unity, the south has become an outlier, causing considerable embarrassment to the party's traditional champions of the '*Hindi-Hindu-Hindusthan*' outlook. But numbers tell a different story. The south, with merely 20 per cent of the national population, draws 35 per cent of foreign direct investment, with a fast rising trend in FDI in the 'new economy' sectors like IT and financial technology. When Apple shifted a part of its production from China to India in the recent past, it firmly disregarded suggestions from the government to locate the facility in the west or the north and finally got the Tata group to set up the production centre in Bengaluru. Besides, there is known to be a near-unanimity among foreign investors that, in the cities of the south, there are high-standard technical and financial experts aplenty for hiring. The advantage of working in an environment rich in human resources is now felt in the mushrooming, across the five southern states, of the 'Global Capability Centres.' These centres house, under a single roof, a variety of global class service expert, like architects, lawyers or auditors. Hired individually, they may cost a fortune. South India accounts for an astounding 79 per cent of such centres in India.

While the BJP under Modi is desperately wooing the south, it has not been fair to the country's foremost region in scientific and technical attainments, with three of the four Indian Nobel laureates in Science being from the south (the fourth being Har Gobind Khorana, a physiologist). Tamil Nadu, the state with just about 6 per cent of India's population, contributes 16 per cent of its industrial production. Chennai, its capital, with its network of affordable quality hospitals, is not only the 'healthcare capital of India' but also that of neighbouring nations like Bangladesh, Nepal and Sri Lanka.

However, the Centre, under the Modi administration, has refrained from rewarding the five southern states. The Centre, armed by the power delegated by the 15th Finance Commission, devolved a disproportionately large share of the Central tax funds to laggards among the states, with large voter population. They have been mollycoddled at the cost of the south. In 2023-24, of the net proceeds of Union taxes and duties, distributed among states and union territories, 16 per cent went to the five southern states while Uttar Pradesh alone cornered 17.9 per cent. The irony is, while Bihar and Uttar Pradesh are going slow in curbing population growth, the south's fertility rate has dropped as low as the developed economies. The finance commission's compensation formula also 'punishes' the south for its efficiency in its own tax realization. In its allocation formula, the commission allocated 40 per cent weight to 'need,' 45 per cent to 'equity' and only 15 per cent to 'efficiency.'

And that's why the southern mind rankles. It made DMK leader and former Union minister A. Raja express his resentment at the BJP going overboard on the Ram temple issue, saying that India is not a country in the conventional sense but rather like a 'subcontinent,' with each state having its cultural and linguistic identity.

The *Vindhya hills* dividing the south from the rest of India are none too high. But the BJP, with its overflow of the 'northern culture,' is running the risk of making the 'divide' a lot higher than what it really is.

rajeshsharma1049@gmail.com

#AROUND-D-WORLD

Where to See the Northern Lights

With more activity in coming years, even destinations like Scotland and Michigan are making the aurora map

Witnessing the natural phenomenon of the *aurora borealis* belongs on every traveller's bucket list. But determining where to see the northern lights is a complex matter. The awe-inspiring sight, which occurs when electrically charged solar particles interact with gases in the earth's atmosphere, is best enjoyed in rural areas where little light pollution allows aurora to shine its brightest. Traditionally, aurora hunters head to high-latitude destinations above the Arctic Circle in places like Finland, Sweden, Norway, Canada, Iceland, Greenland, and Alaska, along a ring known as the *Aurora Oval*. While a light show is never guaranteed, this area close to the Earth's northern pole boasts the highest probability of catching aurora activity.

There's never been a better time to view this extraordinary display. Activity is on the upswing, with scientists predicting that the northern lights will happen more frequently and intensely throughout 2024 and 2025. Try to go with Indigenous guides, from communities who have long had ties to this sight. They can make your northern lights experience all the more special.

Blaskogabyggo, Iceland

Almost every picture that we see of Iceland's otherworldly landscapes makes us stop in our tracks, especially those with that famous glow against the winter night sky. While many spots, along this country's coastal ring road, lend themselves to northern lights-watching, the flat terrain of Thingvellir National Park in southwestern Iceland and its proximity to Reykjavik make it one of the best and most easily accessible spots for getting those prize-worthy, slow shutter speed shots of the northern lights.

Rovaniemi, Finland

If your dream is to sleep under the stars and winter's otherworldly glow, there's no better place to do it than *Finnish Lapland*. The country's northernmost region happens to be flush with hotels that are purpose-built for snoozing under the night sky, where the Northern Lights are visible about 200 nights a year.

Abisko, Sweden

Live out your *Frozen-inspired Scandinavian fairy tale* in northern Sweden by first staying in the world's original Icehotel and then heading 70 miles northwest to *Abisko National Park*, Sweden's top spot for the northern lights. The positioning of mountains, on both sides of the park, creates a microclimate, shielding most clouds, rain, and snow, and creating the so-called '*blue hole over Abisko*,' where the Northern Lights appear on a near-nightly basis during peak season.

Yellowknife, Canada

Love the idea of the northern lights, but not so into the freezing cold? Look no further than the capital of Canada's Northwest Territories, which has a second *aurora borealis observation season* in late summer/early fall, in addition to the traditional winter viewing months. Pick one of the Northern Lights- based packages at the fly-in Blachford Lake Lodge on remote *Blachford Lake*, where it's possible to watch the phenomenon from the main house's expansive glass windows.

Svalbard, Norway

Northern Norway, undoubtedly, ranks as one of the best places to see the aurora, but *Svalbard*, a Norwegian archipelago between the mainland and the North Pole, is the only inhabited destination in the world where you can witness the northern lights at any time of day. To experience the phenomenon, while you're having breakfast or lunch, head to Svalbard during Polar Night, the country's longest dark season, which lasts a full 113 days between November and January. With so many hours spent in darkness, you'll have plenty of opportunities for aurora chasing. Embark on a *northern lights safari* by dog sled, snowcat, or snowmobile.

Fairbanks, Alaska

Ideally located under the *aurora oval*, low rainfall and an inland location contribute to countless, clear winter nights, and excellent viewing throughout a lengthy aurora season. Just outside the city lie several must-do lookout points like *Cleary Summit*, which even has its own cozy Aurora Borealis Lodge. Alternatively, head to one of greater Fairbanks's *hot spring* resorts to soak in the aurora scene.

Upper Peninsula, Michigan

Surrounded by untouched wilderness and the Great Lakes, *Michigan's Upper Peninsula* boasts little light pollution and hundreds of miles of unobstructed north-facing views along *Lake Superior's shoreline*. For prime Northern Lights spotting territory, set up your tripod at Keweenaw Dark Sky Park, headquartered at the rustic Keweenaw Mountain Lodge, which holds stargazing workshops and events year-round. Northern lights season here is between August and April, with peak months being October, November, and April. An added bonus, if you come in the fall is that you'll also be in town for leaf-peeping.

THE WALL

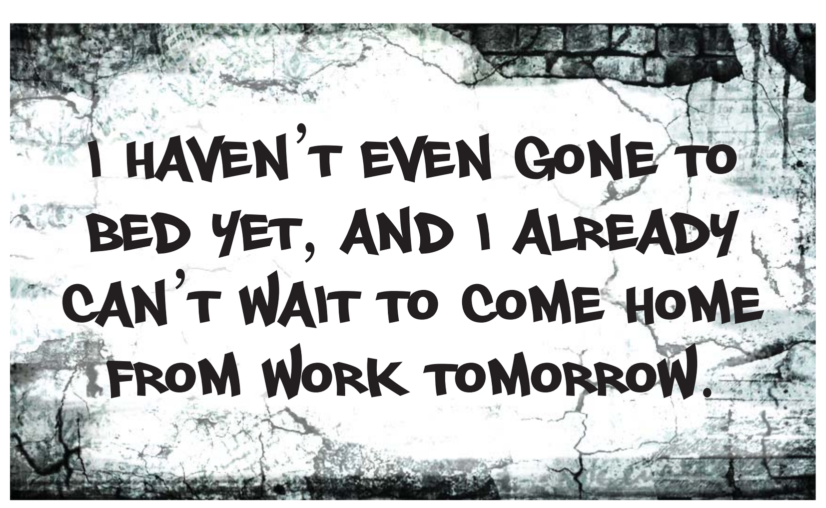

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

60 लाख रुपये की अवैध शराब से भरा कंटेनर पकड़ा, दो गिरफ्तार

पंजाब में बेचे जाने वाली यह शराब अवैध रूप से गुजरात के राजकोट ले जाई जा रही थी

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के आबकारी विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब से भरे कंटेनर को जब्त करते हुए उसके चालक और खलासी को गिरफ्तार किया है। लुधियाना से चला यह कंटेनर करीब दो दिन में तीन राज्यों के दर्जनों थानों की सीमा से होकर गुजरा, लेकिन बीच रास्ते में ना तो इस कंटेनर को किसी ने रोका और ना ही अवैध शराब ले जा रहे चालक-खलासी को किसी ने टोका। जब करीब 427 किलोमीटर की दूरी तय कर कंटेनर झुंझुनूं पहुंचा तो यहां पर इसे रोका और पकड़ भी लिया गया।

झुंझुनूं में आबकारी विभाग टीम ने शराब से भरा कंटेनर सहित चालक व खलासी को गिरफ्तार किया।

■ लुधियाना से 427 किलोमीटर की दूरी तय कर कंटेनर झुंझुनूं पहुंचा तो यहां पकड़ा गया

इस कार्रवाई को लेकर झुंझुनूं जिला आबकारी अधिकारी अमरजीत सिंह ने बताया कि मुखबिर के जरिए इत्तला मिली थी कि पंजाब से एक अवैध शराब से भरा कंटेनर हरियाणा से होते हुए झुंझुनूं आएगा। जहां से वह गुजरात जाएगा। जिस पर आबकारी विभाग और आबकारी पुलिस की संयुक्त टीम ने झुंझुनूं शहर के हवाई पट्टी चौराहे पर संयुक्त नाकाबंदी की। सुबह करीब छह बजे एक कंटेनर आते हुए दिखाई दिया।

जिसे रूकवाकर जांच की गई तो वह पूरा का पूरा अवैध शराब से भरा हुआ मिला। कंटेनर में एक हजार से ज्यादा कार्टन बीयर और अंग्रेजी शराब के मिले, जिनकी कीमत करीब 60 लाख रूपए है। विभाग ने कंटेनर और शराब को जब्त कर बाड़मेर के सोडियार पीस निवासी हरिश पुत्र चेतनराम तथा रामदेवरिया निवासी मागाराम पुत्र देदाराम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से शराब को लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि पंजाब में बेचे जाने वाली यह शराब अवैध रूप से गुजरात के राजकोट ले जाई जा रही थी। कार्रवाई में आबकारी डीएसपी लक्ष्मीनारायण सैनी तथा पीओ ताराचंद जाखड की टीम भी शामिल रही।

नंबर प्लेट और बिल भी फर्जी :- आबकारी पुलिस ने जब कंटेनर रूकवाया तो उसमें सबकुछ फर्जी मिला। कंटेनर में सामान को लेकर किसी को शक ना हो। इसके लिए एक फर्जी सील लगाई गई। लेकिन पुलिस ने सील खोली तो थर्माकोल की सीट लगी हुई थी। इसके बाद जब देखा तो पूरा कंटेनर अवैध शराब के कार्टनों से भरा हुआ था। जब चालक को इसके बारे में पूछा तो वह जवाब नहीं दे पाया। क्योंकि पहले चालक ने एक फर्जी बिल दिखाया, जो मेडिसीन प्रोडक्ट का था। जिस पर कंटेनर में मेडीसीन प्रोडक्ट होने की जानकारी लिखी थी। वहीं यह माल लुधियाना से राजकोट जाना अंकित था। इसी अंकन के हिसाब से आबकारी पुलिस अंदाजा लगा रही है कि यह अवैध शराब पंजाब से गुजरात जा रही थी। इसके बाद भी जब ट्रक के कागजात पूछे गए तो वो भी नहीं मिले। नंबर प्लेट चैक की गई तो गुजरात नंबरों की प्लेट के नीचे हरियाणा नंबरों की दूसरी प्लेट लगी हुई मिली।

फिलहाल पुलिस इस जांच में लगी हुई है कि आखिर असली नंबर प्लेट कौनसी है या फिर दोनों की दोनों ही फर्जी है। आबकारी पुलिस को प्रारंभिक पूछताछ में चालक ने बताया कि वे परसों लुधियाना से चले थे। पूरे कंटेनर में सेल्स आनली पंजाब का ठप्पा लगी शराब थी। वे रात को भिवानी में रूके थे। मध्य रात्रि को भिवानी से रवाना होकर वे राजस्थान में घुसे और करीब छह बजे झुंझुनूं पहुंचे। तो यहां पर आबकारी विभाग की टीम ने पकड़ लिया।

कार और रोडवेज बस की टक्कर, चार लोगों की मौत

पंजाब से एनआरआई परिवार के पांच लोग कार से श्रीगंगानगर में रिश्तेदार से मिलने जा रहे थे

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के चूनावढ़ में कार और रोडवेज बस में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां घायलों का इलाज किया जा रहा है, जबकि गंभीर रुप से घायल एक महिला को श्रीगंगानगर रेफर किया गया है।

■ हादसे में आठ जने घायल, पुलिस ने मौके पर जाकर घायलों को अस्पताल भिजवाया

जानकारी के अनुसार पंजाब से एनआरआई परिवार के पांच लोग कार से श्रीगंगानगर के पदमपुर में रिश्तेदार से मिलने जा रहे थे। इस बीच पदमपुर मार्ग पर चूनावढ़ भगवानसर गांव के पास तेज रफ्तार रोडवेज बस ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने देखा तो तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भिजवाया।

हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक ढाई साल के बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिवार की एक महिला घायल है। वहीं आठ बस यात्री घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सभी मृतक एनआरआई हैं, जो होली पर पंजाब आए थे। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है। परिजनों के आने के बाद ही शवों का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज बीकानेर आयेंगे

बीकानेर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 27 मार्च को बीकानेर आएंगे। वे यहां बीकानेर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे।

इससे पहले मेघवाल की ओर से नामांकन पत्र दाखिल किया जाएगा। इस दौरान भी वे मौजूद रहेंगे। जाकनारी के अनुसार इससे पहले भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के बुधवार को बीकानेर आने का कार्यक्रम था जो अब रद्द हो गया है। लोकसभा मीडिया संयोजक मनीष सोनी ने बताया कि बीकानेर लोकसभा प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल 27 मार्च को अपना नामांकन दाखिल करेंगे। नामांकन के बाद सुबह 11 बजे गांधी पार्क के पास रविंद्र रंगमंच के आगे जनसभा रखी गई है जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ प्रदेश और बीकानेर संभाग, जिले के नेता भी शामिल रहेंगे।

सवारियों से भरा वाहन अनियंत्रित होकर पलटा

हादसे में 11 महिला मजदूर घायल

हिंडौन सिटी में कृषि उपज मंडी के पास सवारियों से भरा किसान बुग्गा (वाहन) पलट गया।

हिंडौन सिटी, (निसं)। शहर के कैलाश नगर स्थित कृषि उपज मंडी के पास मंगलवार सुबह सात बजे बाइपास पर चढ़ते वक्त सवारियों से भरा किसान बुग्गा (वाहन) अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें करीब 11 महिलाओं को चोटें आई हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं दूसरी घटना में एक जीप ने बाइक में टक्कर मार दी जिसमें तीन जने घायल हो गए।

■ गेहूं की फसल काटने जा रही थी महिलायें, चढ़ाई पर चढ़ते समय हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार किसान बुग्गा में करीब 30 से 35 महिलाएं सवार थी। चिकित्सक डॉ. मनोज जांगिड़ ने बताया कि घायलों में पावटिया का पुरा निवासी ममता जाटव (38), मुकेशी देवी (33), केशन्ति (50), गीता (30), केशरानी (32), सुगरबाई (41), उर्मिला (40), सुनीता (46), साबूती देवी (55), सुनीता (42), शीतल कुमार (24) है। घायल के परिजन सुनील कुमार व संतोष ने बताया किसान बुग्गा में सवार सभी महिलाएं तिघरिया के कटारा गांव में गेंहू की कटाई की मजदूरी करने जा रही थी, जिसमें कृषि उपज मंडी के पास मुख्य मार्ग पर चढ़ते हुए किसान बुग्गा अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि पलटता हुआ किसान बुग्गा एक पेड़ से टकराकर रुक गया, जिसके बाद सूचना पर संतोष सबसे पहले मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को निजी साधनों से अस्पताल पहुंचाया गया। इधर चिकित्सक के अनुसार घायलों की स्थिति सामान्य है।

इधर टोडाभीम मार्ग पर ढहरा के पास रविवार शाम चार बजे तेज रफ्तार जीप ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें 5 माह की बालिका सहित 2 महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। जिसमें एक महिला की स्थिति गंभीर होने पर जिला अस्पताल से जयपुर एसएमएस रेफर किया गया है। जिला अस्पताल के सर्जन डॉ. जे.पी. मीना ने बताया घायलों में मुंडरी निवासी मुनेशी मीना (38), विनीता मीना (30) और 5 माह की बालिका है। जिसमें महिला मुनेशी मीना के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट आई है। इधर परिजनों में लाला मीना ने बताया की होली पर देवताओं के दर्शन के लिए सभी सदस्य बाइक से भोपर जा रहे थे। इस दौरान ढहरा के पास पीछे से आ रही जीप ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने पर सभी सवारियां बाइक से उछलकर सड़क किनारे पड़े गिट्टियों के ढेर पर जा गिरे। जिसमें मुनेशी का सिर पत्थरों से टकरा गया। घटना की सूचना पर 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। चिकित्सक के अनुसार 5 माह की मासूम बालिका को मामूली चोट आई है।

सिंगापुर के राष्ट्रपति ने पटवा हवेली देखी

जैसलमेर, (नि.सं.)। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम ने अपनी चार दिवसीय निजी यात्रा के दौरान मंगलवार को पटवा हवेली के अग्र भाग में पीत पाषाण पर की गई चित्रकारी को देखा। शनमुगरत्नम ने परिवार सहित पटवा हवेली के अग्र भाग में पीत पाषाण पर बारीक करीगिरी से बने हुए चिड़िया, नृत्य करते मोर, कबूतर, तोता, घोड़ा, हाथी आदि के चित्र देख अभिभूत हुए। उन्होंने कहा कि ऐसी बहुतायत में की गई बारीक करीगिरी मेरे जीवन में मैने पहली बार देखी। शनमुगरत्नम परिवार अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान सम के मखमली धोरों का भ्रमण करेंगे।

बहन-बहनोई की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

श्रीडूंगरगढ़, (निसं)। यहां तोलियासर गांव के पास आठ मार्च की शाम को सड़क पर मिले बाना निवासी हेतराम पुत्र भंवरलाल नायक व 12 मार्च को उसी स्थान मिले उसकी पत्नी लाली के शव की गुत्थी को पुलिस सुलझा दिया है। मृतक हेतराम की पत्नी का भाई मनोज पुत्र मोतीराम नायक निवासी लिखमादेसर ही हत्यारा निकला। पुलिस ने आरोपी मनोज को गिरफ्तार कर लिया है।

थानाधिकारी इंद्रकुमार ने बताया कि 8 मार्च की शाम को हेतराम का शव तोलियासर के पास सड़क पर पड़ा मिला था। उसके पास बाइक क्षतिग्रस्त पड़ी थी। इसके बाद 12 मार्च को उसी स्थान पर हेतराम की पत्नी लाली का शव सड़क से करीब 20 फीट दूर पड़ा मिला था। हत्या का संदेह हुआ, तो पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्यारेलाल शिवराण व सीओ निकेत पारीक के निर्देशानुसार अलग-अलग टीमें बनाकर मामले की जांच शुरू की गई। गहनता से कॉल डीटेल विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज व घटना से सम्बंधित तथ्यों का संकलन कर मृतका लाली के भाई मनोज को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पूछताछ में जुर्म कबूल लिया।

थानाधिकारी इंद्रकुमार ने बताया कि आरोपी ने हेतराम की हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया था, लेकिन घटना स्थल पर पहुंचे, तो मौके पर क्षतिग्रस्त बाइक का स्टैंड लगा, हेलमेट तोड़ा हुआ और वाइजर टूटा देख कर हत्या का संदेह हुआ। इसके बाद मिले लाली के शव के पास मिली दवा की पर्ची व लोहे का सरिया देखकर शक और गहरा हो गया। पुलिस ने अलग-अलग एंगल से जांच की और आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या का पर्दाफाश कर दिया।

थानाधिकारी इंद्रकुमार ने बताया कि लाली की हेतराम के साथ तीसरी शादी थी। वह करीब एक वर्ष से हेतराम के साथ रह रही थी। लाली केवल अपनी मां और भाई मनोज से मिलती थी। गत आठ मार्च को आरोपी मनोज बाइक लेकर हेतराम व लाली को श्रीडूंगरगढ़ लेने आया था। यहां हेतराम और मनोज शराब पीने लगे। शराब पीने पर हेतराम और लाली में झगड़ा हो गया। इसके बाद हेतराम, लाली और मनोज लिखमादेसर के लिए बाइक से रवाना हो गए। रास्ते में भी शराब की बात को लेकर झगड़ा होता रहा। तोलियासर के पास मनोज लघुशंका के लिए गया, तो पीछे से हेतराम ने अपनी पत्नी लाली पर लोहे के सरिये से वार कर हत्या कर दी।

नदी में डूबे युवक का शव निकाला

करौली, (निसं)। करौली-हिंडौन रोड स्थित अंजनी माता मंदिर के पास पांचना नदी में डूबे युवक का शव करीब 18 घंटे बाद बाहर निकाला। युवक के शव को भरतपुर से एसडीआरएफ, करौली की सिविल डिफेंस टीम, पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की टीम को बुलाया गया। टीम की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद मंगलवार को दोपहर शव बाहर निकालकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनो के सुपुर्द कर दिया। करौली कोतवाली थाना अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि हरकेश गुर्जर पुत्र भूर सिंह गुर्जर 24 निवासी बल्लूपुरा थाना सदर करौली के नदी में डूबने की सूचना मिली।

ए.टी.एम. लूट का खुलासा, तीन गिरफ्तार

1100 किमी दूरी तक 2150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद लुटेरों तक पहुंची पुलिस

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित निकटवर्ती ग्राम चौकी गोरधनपुरा स्टैण्ड के नजदीक कुजोता रोड स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम को गत छह मार्च की अलसुबह करीब पांच बजे बाद लग्जरी कार में सवार होकर आये तीन बदमाशों ने गैस कटर से एटीएम मशीन को उखाड़कर करीब 12 लाख रूपयों की नकदी लूट ले जाने की वारदात का पुलिस ने खुलासा किया है। वारदात में पुलिस ने गिरोह के सरगना सहित तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया है।

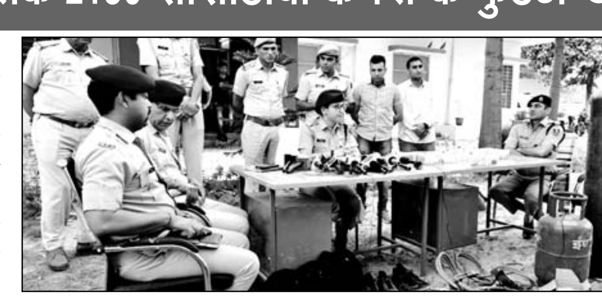

कोटपूतली पुलिस ने ए.टी.एम. लूट की वारदात का खुलासा किया।

कोटपूतली-बहरोड़ जिला एसपी वंदिता राणा ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर प्रैस वार्ता कर वारदात का खुलासा किया है। एसबीआई शाखा प्रबंधक मनीष शर्मा ने सरूण्ड थाने में दर्ज करवाया था कि गोरधनपुरा चौकी राजमार्ग से 100 मीटर दूर स्थित एटीएम मशीन को अज्ञात बदमाश गैस कटर से काटकर 12 लाख 19 हजार रूपयों की नकदी लूट कर ले गये। एसपी वंदिता राणा ने बताया कि इस सम्बंध में जयपुर रेंज आईजी उमेश चन्द्र दत्ता ने गंभीरता के साथ प्रकरण को लेते हुये त्वरित खुलासे व अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिये थे। जिसको लेकर एएसपी नेमसिंह, विराटनगर डीएसपी रोहित सांखला, कोटपूतली डीएसपी राजेन्द्र बुरडक के सुपरविजन एवं एसएचओ प्रागपुरा राजेश कुमार, एसएचओ सरूण्ड मौहम्मद इमरान रंगरेज, भाबरू एसएचओ रविन्द्र कुमार, डीएसटी प्रभारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों का गठन किया गया था। आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक कर लोगों से जानकारी प्राप्त की। टीम ने राजमार्ग व पाटन, अजीतगढ़ , नीमकाथाना, थोई, प्रागपुरा, सरूण्ड, शाहपुरा, कोटपूतली, विराटनगर, मनोहरपुर के करीब 450 गांवों में 1100 किमी तक 2150 सीसीटीवी के फुटेज खंगाले। साथ ही साईबर सैल द्वारा घटना स्थल एवं राजमार्ग पर संदिग्ध स्थानों एवं पूर्व की वारदातों की तकनीकी सहायता प्राप्त कर ऐसी वारदातों के चालानशुदा 150 अपराधियों व संदिग्ध बदमाशों से पूछताछ की।

गत 23 मार्च को क्यूआरटी टीम के कानि. मनोज कुमार को सूचना मिली कि इस वारदात में प्रयुक्त वाहन सीटी स्कवॉयर मॉल के पास खड़ी है। इस पर टीम के सदस्य तत्काल प्रभाव से मौके पर पहुंचे एवं वाहन में बैठे व्यक्ति से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि उक्त कार मेरे दोस्त भगवती लाल गुर्जर, इन्द्रजीत सिंह, शिवलाल व भोमाराम खड़ी करके गये थे। इस पर पुलिस टीम ने उक्त व्यक्ति सुरेश बंजारा से जानकारी लेकर राजसमंद के देवगढ़ पहुंचे एवं वहां से भगवती व शिवलाल को डिटेन कर एक टीम को इन्द्रजीत सिंह की तलाश में उदयपुर रवाना किया। टीम ने अथक प्रयासों से एटीएम लूट के मुख्य सरगना इन्द्रजीत सिंह को उदयपुर से डिटेन किया। पुलिस ने तीनों अभियुक्त इन्द्रजीत सिंह (51) पुत्र गुरूविन्द्र सिंह खत्री सिक्ख निवासी न्यु गणेश नगर रामामंडी, जालंधर (पंजाब), भगवती लाल (28) पुत्र बन्नालाल गुर्जर निवासी गुर्जरों का मौहल्ला देवगढ़ (राजसमंद) व शिवलाल (31) पुत्र पन्नालाल माली निवासी सूरज दरवाजा देवगढ़ जिला राजसमंद को गिरफ्तार किया।

कार में आग लगने से फौजी जिंदा जला

एक महीने पहले ही फौजी की पत्नी ने बेटे को जन्म दिया था

मुकुंदगढ़, (निसं)। थाना इलाके में एक कार में आग लगने से सेना में कार्यरत फौजी जिंदा जल गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक कंवरपुरा बालाजी डूंडलोद निवासी 25 वर्षीय विकास भास्कर आर्मी में कार्यरत है, जिसकी पोस्टिंग फिलहाल श्रीनगर में थी। करीब एक महीने पहले वह अपने गांव छुट्टी पर आया था, जो रात को वापिस ड्यूटी पर लौट रहा था, जिसके लिए वह ट्रेन पकड़ने के लिए मुकुंदगढ़ रेलवे स्टेशन जा रहा था। इसी दौरान उसकी गाड़ी डूंडलोद के बलरिया रोड पर स्थित अंडरपास की दीवार पर जा टकराई और कार में आग लगने से विकास जिंदा जल गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग को बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक विकास पूरा जल चुका था। घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। वहीं मुकुंदगढ़ पुलिस ने भी मौके पर एफएसएल और डॉग स्कवायड बुलाई है। एसएचओ महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि घटना के कुछ मीटर पहले गाड़ी के घसीटने जैसी चीज सामने आ रही है। वहीं मृतक का मोबाइल भी घटना से कुछ दूरी पहले मिला है। विकास भास्कर के शव का डीएनए करवाया जाएगा। वहीं पूरे मामले की जांच की जाएगी।

एक महीने पहले ही विकास भास्कर की पत्नी कविता ने एक बेटे को जन्म दिया है। इसी खुशी के मौके पर विकास छुट्टी लेकर घर आया था और छुट्टी खत्म होने पर वापिस लौट रहा था। तब यह हादसा हो गया। हालांकि कुछ लोग इस घटना को संदिग्धता की नजर से भी देख रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार विकास की शादी दो साल पहले फतेहपुर इलाके के अलफसर निवासी कविता के साथ हुई थी। कविता गृहिणी है। कविता गर्भवती थी और एक माह पहले डिलवरी का समय आया तो विकास छुट्टी लेकर गांव आया। विकास एक महीने पहले ही मासूम बेटे का बाप बना था, इसलिए काफी खुश था। बीती रात को छुट्टी पूरी होने पर वह वापिस लौट रहा था और उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

भैंसली में लग रही रहस्यमयी आग और तीन मौतों का पर्दाफाश, आरोपी गिरफ्तार

पत्नी के चरित्र पर शक करता था, इस कारण दो पुत्रों और दादी की जहर देकर हत्या की थी

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाना अंतर्गत गांव भैंसली में रहस्यमयी आग और तीन लोगों की मौत मामले में हमीरवास थाना पुलिस ने आरोपी भूपसिंह पूनियां पुत्र स्व. सुमेर सिंह जाट को गिरफ्तार कर लिया तथा आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां न्यायाधीश ने पूछताछ के लिए आरोपी को सात दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया। जानकारी के अनुसार आरोपी भूपसिंह पूनियां को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था तथा उसे यह भी शक था कि उसके दोनों पुत्र स्वयं के नहीं है। जिसके कारण आरोपी ने अपने दोनों पुत्रों को जहर देकर तथा अपनी दादी किस्तूरी देवी को खांसी की दवा में जहर मिलाकर हत्या कर दी तथा अपने गुनाहों को छुपाने के लिए अपने ही घर में जगह-जगह सोडियम से आग लगाकर ग्रामीणों की सहानुभूति बटोरने लगा था।

जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने बताया कि मामले को पुलिस ने एक चुनौती के रूप में लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोरी लाल तथा प्रशांत किरण आईपीएस सहायक पुलिस अधीक्षक एवं थाना अधिकारी मदन लाल बिश्नोई के नेतृत्व में टीम का गठन किया। एक माह में तीन मौत होने, ग्रामीणों में फैले अंधविश्वास को दूर करने, अंधविश्वास और तांत्रिक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देने, चार वर्षीय बच्चे के शव को गड्ढे से बाहर निकलवाकर मेडिकल बोर्ड से जांच करवाने, आरोपी भूपसिंह की मेडिकल की दुकान होने और जी.एन.एम. का कोर्स कर एक निजी अस्पताल में कम्पाउडर की नौकरी करने आदि समस्त बिंदुओं पर गहनता से जांच शुरू की गई तथा जांच में बारबयूरेट ड्रग्स और सोडियम की मात्रा पाई गई। जिस पर पुलिस ने आरोपी भूप सिंह पूनियां को हिरासत में लेकर गहनता से पूछताछ की तो मामले का पर्दाफाश हुआ।

हमीरवास थाना पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया।

उन्होंने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि भूपसिंह पूनियां को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था। साथ ही उसे यह भी शक था कि उसके पुत्र गर्वित व अनुराग उसके स्वयं के बच्चे नहीं है। जिस पर आरोपी भूप सिंह पूनियां ने गर्वित व अनुराग की हत्या करने की योजना बनाई थी। जिसके लिए किसी को शक ना हो सबसे पहले अपनी दादी किस्तूरी देवी को खांसी की दवाई में जहर मिलाकर पिला दिया। जिसके कारण दिनांक 31 जनवरी को उसकी मौत हो गई। 13 फरवरी को भूपसिंह पूनियां ने अपने बेटे गर्वित को जहर दे दिया, जिस पर गर्वित की भी मौत हो गई। इसके बाद भूप सिंह ने अपने दूसरे पुत्र अनुराग को मारने के लिए 28 फरवरी को जहर दे दिया। जिसके कारण अनुराग की भी मौत हो गई। आरोपी ने अपनी दादी ओर दो पुत्रों की हत्याओं की घटनाओं को छुपाने के लिए एवं गाँव के लोगों से सहानुभूति प्राप्त करने के लिए अपने मकान में स्वयं ही सोडियम से आग लगाना शुरू कर दिया तथा किस्तूरी देवी, गर्वित व अनुराग की मृत्यु एवं आग को तंत्र विद्या से लोगों को बताकर सहानुभूति प्राप्त कर ली। जब भूपसिंह के मकान में पुलिस द्वारा जली हुई चीजों को जब्त किया जाकर प्रशिक्षण हेतु एफएसएल भेजा गया, तो भूप सिंह को अपने द्वारा की गई हत्याओं का राज खुलने का डर सताने लगा तब आरोपी ने पुलिस को घटना से दूर करने हेतु अपने परिवार के लोगों को उकसाकर पुलिस टीम पर हमला करवा दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने अपने मासूम बेटों एवं दादी को जहर देकर हत्या करना पाए जाने पर आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर जांच शुरू की गई है। कार्यवाही में हमीरवास थाने के दिनेश कॉन्स्टेबल व रवि कॉन्स्टेबल की विशेष भूमिका रही।

■ गुनाहों को छुपाने के लिए अपने ही घर में सोडियम से आग लगाकर ग्रामीणों की सहानुभूति बटोरने लगा था आरोपी

संक्षिप्त

वार्षिकोत्सव समारोह सम्पन्न

टोंक। शनिवार को हाऊसिंग बोर्ड स्थित चौधरी चरण सिंह छात्रावास में वार्षिकोत्सव, एलुमिनी मीट, पारितोषिक वितरण व रंगोत्सव समारोह- 2024 हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ। चौधरी चरण सिंह शिक्षा समिति के निदेशक हरिराम जाट ने बताया कि शनिवार को संस्था का वार्षिकोत्सव, एलुमिनी मीट, पारितोषिक वितरण व रंगोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि दिनेश बुंदेल (नगर संघ चालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ), अध्यक्ष आनंदी लाल चौधरी, विशिष्ट अतिथि अतिथि हीरालाल जाट (अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रा. शि.) सागर मल जाट (पूर्व प्रधानाचार्य) तथा समाजसेवी लेखराज महावर रहे। समारोह में संस्था के छात्र- छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। साथ ही प्रतिभावान विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों और प्रबन्ध से जुड़ी समर्पित विभूतियों को सम्मानित किया गया।

हर्षोल्लास से होली मनाई

कोटपूतली। रविवार व सोमवार को रंगों का पर्व होली क्षेत्र में आमजन ने अपार जोश व उत्साह के साथ मनाया। रविवार रात्रि 11.15 बजे जगह-जगह होली का दहन हुआ। वहीं सोमवार को लोगों ने एक-दूसरे के रंग लगाकर बड़े ही धुमधाम व हर्षोल्लास के साथ बधा व शुभकामनायें दी। जगह-जगह चंग की थाप पर लोग थिरकते हुये दिखा दिये। इस वर्ष होली का जश्न आमजन ने जमकर मनाया। प्रतिवर्ष की भांति यहाँ की करीब डेढ़ सदी पुरानी मुख्य होली का कस्बे के दिल्ली दरवाजा पॉवर हाऊस के पास परम्परा अनुसार मुख्य यजमान पटेल परिवार की ओर से युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव भीम पटेल, राज व अमन पटेल द्वारा विधि विधान से पं. मोहन लाल मिश्रा द्वारा वेद मंत्रोच्चार के साथ पूजा पाठ कर होली का दहन किया गया।

अवैध हथकड शराब जब्त

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक संजीव नैन के द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मध्यनजर रखते हुए अवैध शराब की धर-पकड अभियान के तहत थाना क्षैत्र अलीगढ में थानाधिकारी सुरेश कुमार ने कार्यवाही करते हुए विभिन्न स्थानों पर धरपकड कर ग्राम मण्डावरा, कंजर बस्ती के खाल व नाडी खेत कुआं की तरफ अवैध हथकड शराब बनाने की भट्टीयां सामग्री, बाल्टियों व मटकों में भरी हुई वाश करीबन 300 लीटर को मौके पर नष्ट किया गया तथा आरोपी रमेश पुत्र बिहारी जाति कंजर उम्र 52 साल निवासी मण्डावरा थाना अलीगढ जिला टोंक के पास से 4 लीटर अवैध हथकड शराब मिलने पर आरोपी को एक्साईज एक्ट में गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया गया।

स्वैच्छिक रक्तदान किया

कोटपूतली। स्थानीय राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में जारी रक्तमणि अभियान में अर्नव पुत्र राधेश्याम यादव निवासी ग्राम शुक्लाबास व सन्दीप पुत्र रोहिताश सनवाल निवासी ग्राम रघुनाथपुरा ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। उल्लेखनीय है कि रक्तमणि अभियान में प्रतिदिन एक या आवश्यकता पड़ने पर एक से अधिक युवक-युवतियों द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया जाता है तथा रक्तदाता के प्रति सम्मान प्रकट करने हेतु उसे रक्तमणि का नाम प्रदान किया जाता है। अभियान से पीड़ित, असहाय एवं जरूरतमंद मरीजों को मदद मिल रही है।

अधेड़ ने पालिका पार्षद पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया

मंदिर के शिखर पर चढ़ आत्महत्या करने का किया प्रयास

मालपुरा (निस) मंगलवार की सवेरे बडवा राव समाज के एक अधेड रामगोपाल सिंह राव ने नगरपालिका पार्षद सुरेन्द्र सिंह बडवा पर उसे प्रताडित करने का आरोप लगा पीनणी रोड स्थित शिव बद्री केदारनाथ मंदिर मे 5० फिट ऊंचे शिखर पर चढ आत्महत्या करने का किया गया प्रयास।

पुलिस की सजकता से आधा घंटे की कडी मशक्कत के बाद अधेड को शिखर से उतार लिया हिरासत मे। थानाधिकारी चेनाराम बेडा ने बताया कि मंगलवार की सवेरे शिव बद्री केदारनाथ मंदिर के शिखर पर एक व्यक्ति के चढकर आत्महत्या किये जाने का विडियो वायरल होने की मिली सुचना पर थाने के एएसआई रामनारायण गुर्जर व ट्रैफिक पुलिस प्रभारी श्रीराम चौधरी मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे तो अधेड रामगोपाल जो कि मंदिर के 5० फिट ऊंचे शिखर पर बैठा मिला। इतना ही नही शिखर पर चढने के बाद स्वंय ने

पुलिस ने करीब आधा घंटे तक समझाईश कर मामले में उचित कार्यवाही का विश्वास दिलाते हुये रामगोपाल को नीचे उतारा।

अपनी पीडा बयां करते हुये एक विडियो बना समाज के ग्रुप मे डाल दिया। जिसमे उसमे बताया कि बीते दिनो मंदिर मे आयोजित 108 कुण्डीय यज्ञ के कार्यक्रम मे उसने व समिति ने क्षैत्रिय विधायक कन्हैयालाल चौधरी व पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी को अतिथि बुलाने का निर्णय लिया। जिस पर पालिका पार्षद सुरेन्द्र सिंह बडवा व अन्य लोगो ने समाज के ग्रुप मे इसके विरूद्ध अनर्गल आरोप प्रत्यारोप लगाते हुये उसे धमकाने व झुठे आरोपो से बदनाम करने सहित उसे सडक हादसे मे मरवा देने जैसी धमकियां देने के बावजूद उसने विधायक व पालिका

- **शिखर पर चढ़ने वाले अधेड व पार्षद को एस.डी.एम. न्यायालय ने भेजा जेल**

अध्यक्ष को अतिथि बना कार्यक्रम सम्पन्न करवाया। जिसके बाद से ही समाज के ग्रुप मे उन पर समाज के 2 लाख रूपये खा जाने जैसे कई आरोप लगा मानसिक प्रताडित किया गया। जिससे परेशान हो आज वो मंदिर शिखर पर चढ आत्महत्या के लिये विवश हुआ है। मौके पर जमा बडवा राव समाज के लोगो तथा पुलिस ने तकरीबन आधा घंटे तक समझाईश कर मामले मे उचित कार्यवाही का विश्वास दिलाते हुये रामगोपाल को मंदिर शिखर से सुरक्षित नीचे उतार पुलिस सुरक्षा मे लिया। समाज के पंच-पटेलो व प्रबुद्धजनो को थाने मे बुला सम्पूर्ण मामले की जानकारी जुटाते हुये शिखर पर चढने वाले रामगोपाल व पार्षद सुरेन्द्र सिंह को गिरफतार कर मेडिकल करवा एसडीएम न्यायालय मे पेश किया। जहां से 2 लाख रूपये के हैसियत जमानती मुचलके के अभाव मे जेल भेजा। वही घटना के बाद बडवा राव समाज के लोगो ने मंदिर मे आपातकालीन बैठक आयोजित कर रामगोपाल द्वारा पार्षद पर लगाये गये आरोपो को बैबुनियाद बताते हुये मंदिर शिखर पर चढ आत्महत्या के प्रयास के साथ-साथ सोशल मिडिया पर विडियो वायरल करने की घटना को समाज की छवीं धुमिल करने तथा समाज के कुछ लोगो को नाजायज परेशान करना के आरोपो की कडे शब्दो मे निन्दा की। बैठक मे मौजूद समाज के लोगो ने बताया कि रामगोपाल ने इससे पूर्व भी वर्ष 2०13 मे परिवार के साथ मंदिर मे स्वंय को बंद कर समाज की छवीं धुमिल करने का प्रयास किया था।

भूपेन्द्र यादव आज दाखिल करेंगे नामांकन

अलवर। भारतीय जनता पार्टी से लोकसभा प्रत्याशी केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र सिंह कल 27 मार्च को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेगे इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा सहित कई बडे नेताओं के अलवर आने की उम्मीद जताई जा रही है

मंगलवार को भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता और लोकसभा चुनाव संयोजक संजय सिंह चौहान ने कहा कि कल पार्टी प्रत्याशी भूपेन्द्र यादव श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा अर्चना करके मोटर साईकिल रैली के साथ अपने समर्थकों के साथ शहर के प्रमुख बाजार सर्राफा बाजार, बजाजा बाजार, होप सर्कस चर्च रोड होते हुए सभा स्थल कंपनी बाग पहुंचेगे जहां वे एक बडी जन सभा को सम्बोधित करेगे एव उसके बाद वे मिनी सचिवालय में अपना नामांकन दाखिल करने जाएगे। जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने कहा कि इस मौके पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा सहित कई बडे नेताओं के अलवर आने की प्रबल संभावना है इस अवसर पर सह मीडिया प्रभारी उम्मेद सिंह चौहान भी मौजूद रहे।

पुलिस ने बदमाश हिस्ट्रीशीटर को अवैध बंदूक सहित गिरफ्तार किया

लालसोट । मंडावरी थाना पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के एक बदमाश हिस्ट्रीशीटर को एक अवैध देसी बंदूक के साथ गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस उपाधिक्षक उदय सिंह मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी लोकसमा चुनावो के मद्देनजर रेंज आईजी एवं जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशों के तहत गिरफ्तारी वारण्टों के निस्तारण हेतु चलाये जा रहे अभियान के दौरान पुलिस थाना मण्डावरी थाना पुलिस की गठित टीम के द्वारा थाना हाजा का हिस्ट्रीशीटर अपराधी धर्मेन्द्र उर्फ योगेन्द्र को गिरफ्तार कर कब्जे से एक देशी कट्टा 315 बोर बरामद करने में सफलता प्राप्त कि गई है। बताया कि गश्त के दौरान मुखबीर द्वारा सूचना दी गई की थाने का खानुपर श्मशान घाट तिबारा के सामने से थाना हाजा हिस्ट्रीशीटर अपराधी धर्मेन्द्र कुमार मीणा उर्फ योगेन्द्र कुमार मीना पुत्र तेजराम मीना जाति मीना निवासी खेडला खुर्द थाना मण्डावरी हथियार के साथ मौजूद है, एवं किसी अप्रिय

लालसोट में मंडावरी थाना पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर बदमाश को देशी बंदूक के साथ गिरफ्तार किया।

वारदात को अंजाम दे सकता है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जहां आरोपी की तलाशी ली गई तो उसके पास से एक अवैध देसी बंदूक बरामद हुई जहां उसे बंदूक आदि के बारे में लाइसेंस इत्यादि की पूछने पर हिस्ट्रीशीटर बदमाश युवक द्वारा कोई संतोष प्रद जवाब नहीं दिया गया। जहां पुलिस टीम द्वारा हिस्ट्रिसिटर यूवक को गिरफ्तार कर एक अवैध देशी बंदूक 315 बोर को जप्त कर थाना हाजा पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। मामले को लेकर पुलिस द्वारा अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस टीम में थानाधिकारी सुनील टाक, हैड़ कास्टेबल ओम प्रकाश, कास्टेबल विनोद, इन्द्रजीत, घनश्याम, कुशलपाल, ओमप्रकाश, शैलेन्द्र आदि पुलिसकर्मी शामिल रहें।

'राजस्थान फिर एक बार इतिहास रचने को तैयार'

अलवर। केंद्रीय मंत्री एवं लोकसभा भाजपा प्रत्याशी भूपेंद्र यादव जी ने आज कोटकासिम विधानसभा में जनसंपर्क यात्रा की ।इस मौके पर भूपेंद्र यादव जी ने गाव शेरपुर स्थित बाबा मोहन राम मंदिर में श्री राम लला की मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में नारियल फोड़कर भूमि पूजन भी किया। इस कार्यक्रम में मंदिर प्रबंधक महंत अशोक कौशिक महंत बालक दास महेंद्र सूबेदास सीताराम पूजा यादव व वरिष्ठ नागरिकों , ग्रामीणों ने मंत्री भूपेंद्र यादव जी का माला व साफा पहनकर स्वागत किया । केंद्रीय मंत्री ज़ी ने इस आदर और सम्मान के लिए मंदिर प्रबंधक व क्षेत्र वासियों का धन्यवाद किया ।केंद्रीय मंत्री जी ने जनसंपर्क यात्रा के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए कहा की प्रभु श्री राम हमारे आराध्य है ।अयोध्या की भव्यता आज पूरे विश्व में चर्चा का विषय है उन्होंने आगे कहा की कांग्रेस पार्टी ने हमेशा समाज को टुकड़ों में बांटने का काम किया है जबकि भारतीय जनता पार्टी ने सभी समाज को एक साथ जोड़ने का काम किया है । देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सबके लिए एक ही नारा है सबका साथ सबका विकास।

दौसा से भाजपा ने कन्हैया मीणा को बनाया प्रत्याशी

दौसा। दौसा लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के सांसद पद के प्रत्याशी को लेकर बिगड़ी हुई चुनावी राजनीतिक तस्वीर अब पूरी तरह साफ हो चुकी है। दौसा से कांग्रेस पार्टी द्वारा पहले ही कांग्रेस सरकार में एवं दौसा से विधायक रहे पूर्व मंत्री मुरारी लाल मीणा का टिकट फाइनल कर दिया था।

इसके बाद से ही सभी लोगों की निगाहें भाजपा द्वारा बनाए जाने वाले प्रत्याशी पर केंद्रित हो रही थी। दोसा लोकसभा क्षेत्र से मौजूदा सांसद जसकोर मीना उनकी पुत्री अर्चना मीणा को एवं डॉ किरोडी लाल मीणा द्वारा खुद के भाई जगमोहन मीणा या फिर उनकी पत्नी गोलमा मीणा सहित अन्य लोगों के नाम प्रस्तावित किए थे। इसके बाद से ही केंद्रीय चुनाव समिति को दौसा लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी चयन करने में काफी कठिनाइयों आ रही थी। दौसा लोकसभा सीट से चुने हुए कांग्रेस एवं भाजपा दोनों प्रत्याशी ही राजनीतिक धुरंधर है एवं जोड़-तोड़ की राजनीति में माहिर होने के साथ क्षेत्र में अच्छी खासी पकड़ है। साथ ही दोनों प्रत्याशियों के संबंधित क्षेत्र में उनकी सादगी के भी

- **चार बार की विधायकी में एक बार मंत्री भी रह चुके है कन्हैया लाल मीणा, कांग्रेस से मुरारी लाल मैदान में**

मतदाता मुरीद है। लोकसभा सीट दोसा से कांग्रेस द्वारा पूर्वी क्षेत्र का प्रत्याशी उतारा गया है तो भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकसभा क्षेत्र के पश्चिमी क्षेत्र से प्रत्याशी को उतारा है। भारतीय जनता पार्टी लोकसभा के प्रत्याशी कन्हैयालाल मीणा चार बार विधायक रह चुके इस चार बार की विधायकी में वह एक बार मंत्री भी रहे हैं। कन्हैया लाल मीणा 1990-92 में नौवीं विधानसभा, 1993-98 में दसवीं विधानसभा, 1998-2003 में ग्यारहवीं विधानसभा व 2003-08 में बारहवीं राजस्थान विधानसभा के सदस्य रह चुके हैं। वे साल 1998 में राजकीय उपक्रम विभाग, उपनिवेशन विभाग, खेलकूद, युवा विभाग के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रह चुके हैं।

प्रत्याशी नामांकन आज भरेगें

पावटा। लोकसभा आम चुनाव 2०24 जयपुर ग्रामीण से भाजपा से राव राजेन्द्र सिंह व कांग्रेस से अनिल चौपडा आज नामांकन दाखिल करेंगे।

वही नामांकन दाखिल करने से पहले भाजपा प्रत्याशी राव राजेन्द्र सिंहसिंह द्वारा जानकी पैराडाइज, गांधी पथ वेस्ट वैशाली नगर जयपुर में नामांकन सभा का आयोजन किया जायेगा। जहाँ उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, राजस्थान प्रदेश सहप्रभारी विजया राहटकर, राजस्थान सरकार केबिनेट मंत्री एवं झोटवाडा विधायक कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड व विराट नगर विधान सभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड सहित जयपुर ग्रामीण की सभी विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं विधायक प्रत्याशी व कार्यकर्ता शामिल होंगे। वही कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चौपडा द्वारा खैल मैदान चंदवाजी मे नामांकन सभा का आयोजन किया जायेगा। जिसमे पूर्व उप मुयमंत्री सचिन पायलट, एनएसयूआई के राष्ट ीय अध्यक्ष श्री निवासन बीवी समेत प्रदेश के कई नेता एवं जयपुर ग्रामीण की सभी विधानसभा क्षेत्र के विधायक, प्रत्याशी व कार्यकर्ता शिरकत करेंगे।

विधायक ने निवास पर खेली होली

लालसोट/रामगढ़/पचवारा/ मंडावरी। स्थानीय स्थानीय विधायक रामविलास मीणा द्वारा डूंगरपुर ग्राम स्थित खुद के निज निवास पर कार्यकर्ताओं एवं वहां पहुंचे लोगों के साथ जमकर होली खेली एवं अबीर गुलाल लगाते हुए सामाजिक समरसता एवं भाईचारे का पैगाम दिया।

इसी तरह नगर पालिका अध्यक्ष पिंकी चतुर्वेदी द्वारा खुद के निवास पर होली कार्यक्रम आयोजित किया। कस्बे में इस बार होली के अवसर पर धुलंडी के मौके पर नन्हे मुन्ने बालक को का सड़कों पर बहुतायत संख्या मे देखा गया तो दूसरी ओर युवाओं ने इस बार होली में रंग उत्सव को लेकर दूरी बनाई। इस बार होली का उत्सव घरों के अंदर है सिमटा हुआ देखा गया। विगत बार की होली की बात करें तो युवाओं में खासा उत्साह होता था सुबह की सूरज की पहली किरण के साथ ही युवाओं की टोली कस्बे में चंग ढोल आदि लेकर होली के गीत गाते हुए गुजरती थी। लेकिन इस बार पूरा होली एवं धूलंडी का उत्सव घरों के अंदर सिमटा हुआ दिखाई दिया। इस होली के रंग उत्सव पर सेलिब्रेशन के सूरत हाल की बात करें तो सड़कों पर बाहर गली

- **मंडावरी में नन्हे-मुन्ने बालकों में रहा होली का उत्साह ,युवाओं ने बनाई दूरी**

मोहल्ले में नन्हे मुन्ने बालकों को बहुतायत तौर पर देखा गया वहीं युवाओं की खासी कमी देखने को मिली। कस्बे में पिछले समय की बात करें तो कई जगहों पर युवाओं द्वारा सामूहिक होली खेलने का आयोजन किया जाता था जिससे क्षेत्र में रंगों की बौछार का आलम दिखाई देता था व सडके रंग गुलाल से सनी हुई नजर आती थी। होली के रंग उत्सव त्यौहार को लेकर रंग गुलाल बेचने वाले दुकानदार ने बताया कि इस बार पिछली बार के मुकाबले रंग गुलाल की तीस प्रतिशत भी खरीदारी नहीं हुई। दुकानदारों ने बताया कि पिछली बार रंग एवं गुलाल की 15 लाख रुपए तक की खरीदारी हो जाती थी जो सिमट कर इस बार अनुमानित 3 से 4 लाख तक ही रह गई। यही हाल कमोबेश कस्बे के मिठाई इत्यादि के दुकानदारों का रहा जहां उनकी भी पिछले होली के त्योहार के बजाय बिक्री आधी रह गई।

सार-समाचार

भाजपा प्रत्याशी राव राजेंद्र सिंह की मुख्यमंत्री शर्मा से शिष्टाचार भेंट

जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र भाजपा प्रत्याशी राव राजेंद्र सिंह ने ओटीएस निवास पर सी.एम. भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की।

पावटा। जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र भाजपा प्रत्याशी राव राजेंद्र सिंह ने ओटीएस निवास पर मुयमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर व रंगोत्सव होली की शुभकामनाएं दी। वही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी राव राजेंद्र सिंह को प्रचंड विजय हेतु अग्रिम शुभकामनाएं दी।

अबीर गुलाल लगाकर बधाई दी

फुलेरा । कस्बे में दो दिवसीय होली व धुलण्डी का पर्व मनाया। इस दौरान रविवार देर रात्रि 11:15 बजे से विभिन्न मुहूर्त के अनुसार जगह जगह पर होलिका दहन किया। गौरतलब है कि क्षेत्र के पुराना फुलेरा, श्रीरामनगर, आदर्श कॉलोनी, एलबीएस कॉलोनी, ढाणी नागान, तेजाजी चौक, हरदेव जोशी कॉलोनी, न्यू कॉलोनी, सब्जी मण्डी सहित अन्य कई स्थानों पर महिलाओं ने भक्त प्रह्लाद की पूजा अर्चना की। सांयकाल के पश्चात कई जगह धार्मिक कार्यक्रम हुए तो कई जगह खेल कूद प्रतियोगिताएं भी हुई। वही श्री राम नगर में बाबूलाल अजमेरा के सानिध्य में भजन संध्या आयोजित हुई इसके बाद रात्रि 11:15 बजे होलिका दहन किया गया। इसके साथ ही जलती होली में सभी ने होले सेके और अबीर गुलाल लगाकर खुशियां मनाई। प्राचीन ठाकुर जी महाराज मन्दिर के पुजारी पण्डित शिवनारायण शर्मा ने बताया कि होली का पर्व हिन्दूओं का प्रमुख त्यौहार है। इस पर्व को श्रीहरि के परम भक्त प्रह्लाद की याद में और बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में शिक्षाविद् शक्ति सिंह ने बताया कि होली का पर्व समता सद्भावना का पर्व है। साथ ही आगे बताया कि शिशिर ऋतु में प्रकृति सिकुड़ जाती है। बसंत के आगमन पर प्रकृति अपने चरम पर होती है। पेड़- पौधे, पशु-पक्षी मानव सभी में नया उत्साह व उमंग से जीवन भर जाता है। इसके चलते किसान के श्रम का प्रतिफल या तो अन्न का खलिहानों में आता हुआ या खेतों में लहराता हुआ दिखाई देता है।

आमजन ने सम्राट के साथ खेली होली

मालपुरा (निस) हिन्दु समरसत्ता मंच के तत्वाधान मे रियासत काल से चली आ रही परम्पराओं का निर्वहन करते हुये धुलण्डी के पावन पर्व पर खुली बोंली से सम्राट का चयन कर हाथी पर बैठा शहर मे जूलुस के रूप मे शाही सवारी निकाली गई। पुरानी तहसील चारभुजा मंदिर के सामने जुटे हिन्दु समाज के लोगो के बीच हिन्दु समरसत्ता मंच ने एक वर्ष के लिये मालपुरा का सम्राट बनने की बोंली शुरू की। समाजसेवी जिनेन्द्र मैन्दवास्या ने सर्वाधिक बोंली लगा सम्राट का ताज पहना। सम्राट को हाथी पर बैठा बैण्ड-बाजो के लवाजमे के साथ जूलूस के रूप मे शाही सवारी निकाली गई। सम्राट ने शहरवासियो के साथ जमकर रंग-गुलाल उडाते हुये धुलण्डी का पर्व मनाया। युवाओ ने जमकर फाग गीतो पर नृत्य कर एक-दूजे को गुलाल लगा होली व धुलण्डी पर्व की बधाई दी। मुख्य मार्गो से होकर कोर्ट परिसर पहुंचे जूलुस मे शामिल हिन्दु समाज के लोगो को उपखण्ड प्रशासन की और से अल्पाहार वितरण किया गया। सम्राट के जूलुस मे शामिल हुये केकडी विधायक शत्रुघ्न गौतम, भाजपा उद्योग प्रकोष्ठ प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नरेन्द्र कुमार जैन सहित गणमान्य लोगो ने सम्राट को गुलाल लगा बधाई दी।

फाग उत्सव में आनंद की बौछार

चाकसू(निस)। कस्बे में होली- धुंलड़ी का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ईच्छेश्वर कॉलोनी में आयोजित फागोत्सव का श्रद्धालुओं ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक रामावतार बैरवा एवं कृषि मंडी के पूर्व अध्यक्ष कैलाश शर्मा रहे। इस दौरान ठाकुर जी की भव्य झांकी सजाई गई। स्थानीय हरि नाम संकीर्तन मंडल, महिला श्रद्धालुओं एवं कथावाचक विष्णु शर्मा और सहयोगियों के द्वारा एक से बढ़कर एक फाग भजनों की प्रस्तुति पर पूरा पंडाल भगवान श्री कृष्ण की श्रद्धा में झूम झूम कर नाचने लगा। आयोजक राम प्रकाश शर्मा ने बताया कि ठाकुर जी की फूल मालाओं से मनमोहन एवं सजीव झांकियों को सजाकर भजनों एवं पारंपरिक गीतों का आनंद लिया। फूलों से सज रहे वृंदावन बिहारी, दीवाना तेरा आया तेरी नगरी में, बाबा श्याम के दरबार मची रे होली, नैना नीचा करले श्याम ने रिझावै ली काई री, ये चमक ये दमक सब तुमही से है आदि मंत्रमुग्ध भजनों पर श्रद्धालु ने जमकर नृत्य कर मथुरा वृंदावन को साकार किया। इस दौरान कृष्ण के रंग में रगें श्रद्धालुओं पर जमकर फूलों संग अबीर-गुलाल उड़ाया गया।

साहू समाज ने मनाया भव्य फूलडोल

टोंक । साहू समाज का भव्य फूलडोल समारोह सोमवार को घंटाघर स्थित सीताराम मंदिर में आयोजित किया गया । मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष माधोदास साहू तथा यजमान सोहराम दुर्गेश साहू मुंडगडा व् कुलदीप मुंडगडा ने बताया कि सेंकडो बरसो से प्रत्येक धुलंडी पर मनाये जा रहे फूलडोल महोत्सव में इस बार भी पूरे समाज के महिला पुरुष अपने अपने बच्चो सहित धुलंडी खेलकर नहाधोकर व् सजधज कर शाम को सीताराम मंदिर में पहुंचे जहाँ प्रसिद्द अंतर्राष्ट्रीय भजन गायक धनराज साहू, कन्हैया पटेल, सूरजमल साहू, टीकम साहू, रामलाल साहू, हेमराज साहू व् मोहन साहू आदि गायकों ने बाबा नंद के दरबार मची रे होली, नैना नीचे करले श्याम ने रिझावेळी काई, मेरा श्याम बड़ा रंगीला, और रंग दे रे म्हाने ओजु रंग दे, बांस की बाँसुरिया पे घणो इतरावे आदि होली धमाल गाकर सबको नाचने पर मजबूर कर दिया।

अनिल चौपड़ा का स्वागत किया

कोटपूतली। लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने के बाद भाजपा व कांग्रेस द्वारा आखिरकार जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से अपने-अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी ग है। कांग्रेस पार्टी द्वारा राजस्थान विश्वविधालय के छात्रसंघ अध्यक्ष रहे 31 वर्षिय युवा नेता अनिल चौपड़ा को अपना प्रत्याशी बनाया गया है।

कांग्रेस द्वारा टिकिट दिये जाने की घोषणा के बाद अनिल चौपडा राजधानी दिल्ली से जयपुर पहुँचे। राजस्थान की सीमा में पहुँचते ही उनका जगह-जगह कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत भव्य स्वागत किया गया। कोटपूतली के मुख्य चौराहे पर चौपड़ा का बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। इस मौके पर उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फूले की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया। चौपडा के साथ विराटनगर के पूर्व विधायक इन्द्राज गुर्जर भी कोटपूतली पहुँचे। चौपडा ने कार्यकर्ताओं को धन्यवाद् देते हुये पत्रकारों से बातचीत भी की।

सांभर में नंदीकेश्वर की सवारी ढोल, चंग के साथ धूमधाम से निकली

सांभरझील, (निसं)। यहां सैकड़ो वर्षों से भगवान शिव के प्रतीक के रूप में पूजी जाने वाली नंदीकेश्वर की सवारी छोटा बाजार सूर्य मंदिर के सामने से भगवान भोलेनाथ की आरती के बाद ढोल, चंग के साथ धूमधाम से निकली। धूलंडी की दिन आयोजित इस मेले में 15 हजार से अधिक लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

नंदीकेश्वर की सवारी हमेशा की तरह निर्धारित रास्तों से होते हुए पुरानी धान मंडी में पहुंची जहां पर विशाल स्टेज पर नंदीकेश्वर के नृत्य को देखने के लिए भारी तादाद में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। नृत्य के दौरान ओम नम: शिवाय, नांदिया बाबा के जयकारों से मेला स्थल गूंजायमन हो उठा। नंदीकेश्वर की सवारी का अबीर, गुलाल और पुष्प वर्षा से भव्य स्वागत किया गया। बता दें कि इससे पहले

सांभर पुरानी धान मंडी में नंदीकेश्वर की सवारी के दर्शन करने भारी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी रही।

पर्यटन विभाग के सहयोग व नंदीकेश्वर मेला कमेटी की तरफ से पुरानी कोतवाली परिसर में अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया। ढोल प्रतियोगिता को देखने के लिए विदेशी पर्यटक भी काफी तादाद में मेहमान के रूप में शामिल हुए तथा खुद को भी नाचने से नहीं रोक सके। सभी विजेताओं को प्रथम, द्वितीय

- **मेले में 15 हजार से अधिक लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया**

और तृतीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। पंडित विजय व्यास ने नंदीकेश्वर की सवारी का रूप धारण कर अपनी प्रमुख रूप से भूमिका निभाई। सवारी का जगह-जगह लोगों ने अपने आवास के सामने माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की तथा नारियल भेंट कर अपने परिवार की खुशहाली के लिए भी प्रार्थना की। मेले में कानून व्यवस्था के मद्देनजर भारी संख्या में पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों के अलावा रिजर्व पुलिस फोर्स के जवानों को अलग-अलग रास्तों पर तैनात किया गया।

शान्तिपूर्ण होलिका दहन मनाया

पावटा। कस्बे व आस पास के क्षेत्रों में ग्रामीणों ने बडे हर्षोल्लास पूर्वक वैदिक मंत्रोचार के साथ विधि-विधान से होली दहन पर्व मनाया गया। होली महोत्सव में बुराई की प्रतीक होलिका का दहन परंपरा को निभाते हुए होली दहन से पहले पावटा कस्बे घंटाघर चौक पर डफ बजाकर ग्रामीणों का मनोरंजन किया गया। इस दौरान प्रागपुरा पुलिस थाना प्रभारी राजेश मीणा मय जाप्ता कस्बे व आस पास के क्षेत्रों मे गश्त लगाते नजर आये व शांति व्यवस्था के लिए पुलिस जवानों को भी तैनात किया गया। होली दहन पंडित सुरेश शर्मा ने विधि - विधान और वैदिक मंत्रोचार के साथ पावटा प्रधाम प्रतिनिधि जगन चौधरी के आतिथ्य में व भवानी सिंह शेखावत, नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, चंद्र मोहन सैन, भैरू राठी, प्रभू राठी सहित ग्रामीणों की मौजूदगी मे पावटा के होली चौक पर पूजा अर्चना करके रात को 11.15 बजे शुभ मुहूर्त में जन प्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों ने विधि विधान व पूजा अर्चना के साथ होलिका दहन किया।

यादव ने कोटकासिम क्षेत्र में जनसंपर्क किया

किशनगढ़ बास। केंद्रीय मंत्री एवम अलवर लोकसभा भाजपा प्रत्याशी भूपेंद्र यादव ने किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र के कोटकासिम में जनसंपर्क यात्रा की।इस मौके पर भूपेंद्र यादव ने गाव शेरपुर स्थित बाबा मोहन राम मंदिर में श्री राम लला की मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में नारियल फोड़कर भूमि पूजन भी किया। यात्रा के दौरान जगह भाजपा प्रत्याशी का नागरिकों ने साफा व माला पहनकर स्वागत किया। इस दौरान पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित भाजपा के अनेक जिले व क्षेत्र के नेता मौजूद रहे।

शेरपुर में मंदिर प्रबंधक महंत अशोक कौशिक महंत बालक दास महेंद्र सूबेदास सीताराम पूजा यादव व ग्रामीणों ने मंत्री भूपेंद्र यादव का माला व साफा पहनकर स्वागत किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने आदर और सम्मान के लिए मंदिर प्रबंधक व क्षेत्र वासियों का धन्यवाद किया। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा की प्रभु श्री राम हम सब के आराध्य है ।अयोध्या की भव्यता आज पूरे विश्व में चर्चा का विषय है। जन-जन की आस्था वर्षों बाद साकार हो सकी है। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी ने हमेशा समाज को टुकड़ों में बांटने का काम किया है जबकि भारतीय जनता पार्टी ने सभी समाज को एक साथ जोड़ने का काम किया है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सबके लिए एक ही नारा है सबका साथ सबका विकास और इस दिशा में संकल्प बंद होकर आगे बढ़ रहे है।

भूपेंद्र यादव ने कहा देश के लोकतंत्र में तीन प्रकार के चुनाव होते हैं। एक चुनाव है गांव के पंच सरपंच का दूसरा चुनाव है विधानसभा का और तीसरा चुनाव है लोकसभा का जो राष्ट्र के निर्माण के लिए है भारत सरकार का निर्माण करती है। राष्ट्र के गौरव के लिए अगर कोई देश में सरकार और नेता काम कर रहा है तो उसका नाम है नरेंद्र मोदी है। 9 अप्रैल को नवरात्र स्थापना है और 17 अप्रैल को चुनाव प्रचार बंद हो रहा है संजोग से उसे दिन रामनवमी है।

1998 के बाद पहली बार पंजाब में नहीं हुआ अकाली-भाजपा गठबंधन

अकाली दल ने पंजाब की सभी 13 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। अब अधिकारिक तौर पर भाजपा और शिरोमणि अकाली दल (एस.ए.डी.) के बीच सीट बंटवारे की वार्ता टूट गयी है। वर्ष 1998 से अब तक दोनों पार्टियों में हमेशा गठबंधन रहा है। अब यह पहली बार होगा कि भाजपा और एस.ए.डी., पंजाब की तेरह लोकसभा सीटों के लिए अलग-अलग चुनाव लड़ेंगी। इस बार चार कोणीय मुकाबला होगा, जिसमें भाजपा, कांग्रेस, आप और एस.ए.डी. मुख्य प्रतिद्वंदी होंगे। एस.ए.डी. के साथ गठबंधन करने की भाजपा की असफलता को, अपने बलबूते पर 370 लोकसभा सीटें जीतने की भगवा पार्टी की महत्वाकांक्षा के लिए एक झटके की तरह देखा जा सकता है क्योंकि पार्टी का प्रभाव कुछ चुनाव क्षेत्रों तक ही सीमित है।

- अकाली दल के इस निर्णय को भाजपा के, "अबकी बार 400 पार" लक्ष्य के लिए झटका माना जा रहा है।
- अकाली दल का, भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करने का प्रमुख कारण किसान आंदोलन को लेकर भाजपा के रूख को माना जा रहा है।
- इसक अलावा अकाली नेताओं को डर था कि, गठबंधन किया तो केजरीवाल की गिरफ्तारी के कारण आप पार्टी को जनता की सहानुभूति मिलेगी और भाजपा के साथ अकाली दल को भी जनाक्रोश झेलना पड़ेगा।

शिरोमणि अकाली दल, एक पुराने गठबंधन सहयोगी को वापस नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस में लाकर तथा उसके समर्थन से भाजपा बेहतर प्रदर्शन की आशा कर सकती थी। वार्ता के असफल होने का मुख्य कारण था कि, एस.ए.डी., भाजपा के साथ पुनः जुड़ने में झिझक रही थी क्योंकि पंजाब के ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा को अभी भी किसान विरोधी समझा जाता है। इसके अलावा भाजपा छः सीटों की मांग कर रही थी, जो कि एस.ए.डी. नेताओं के अनुसार भाजपा की ताकत और प्रतिष्ठा (पंजाब में) के अनुरूप नहीं थी।

एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को गिरफ्तार करने के बाद, एस.ए.डी. के नेताओं को चिंता थी कि, भाजपा के साथ पार्टी के गठबंधन से "आप पार्टी" के लिए सहानुभूति की लहर चल सकती थी और एस.ए.डी. पर एक अवसरवादी पार्टी होने का आरोप लग जाता।

पंजाब भाजपा प्रमुख सुनील जाखड़ ने वार्ता के टूटने की घोषणा करते हुए कहा कि, पार्टी का अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय, युवाओं, किसानों, व्यापारियों तथा पिछड़े वर्गों के हितों से प्रेरित था। पंजाब के विकास में "प्रधानमंत्री का" योगदान सबके सामने है। जाखड़ ने कहा कि, किसानों को उनके उत्पादन के लिए लाभकारी मूल्य दिए गए, सिख तीर्थयात्रियों के लिए करतारपुर साहिब गलियारा खोला गया है। भाजपा नेताओं को विश्वास है कि, अयोध्या में मंदिर निर्माण व प्रधानमंत्री का विकसित भारत का आव्हान, आगामी चुनावों में बहुत फायदा पहुंचायेगा।

जापान में कॉलैस्ट्रॉल की दवा खाने से 76 लोगों की हालत गम्भीर

टोक्यो, 26 मार्च (वार्ता)। जापान में प्रमुख दवा कंपनी कोबायाशी फार्मास्युटिकल्स की कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने वाली रेड यीस्ट राइस गोलियां खाने से एक व्यक्ति की मौत और कई लोगों के बीमार होने के बाद अस्पताल में भर्ती होने की रिपोर्ट है।

कंपनी ने मंगलवार को बताया कि, यह दवा लेने के बाद करीब 76 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन दवाओं को कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिये लिया जाता है। यह मामला सामने आने के बाद कंपनी ने पिछले सप्ताह अपने पांच उत्पाद बाजार से वापस ले लिये। कोबायाशी फार्मास्युटिकल ने ग्राहकों से रेड यीस्ट राइस गोलियों का उपयोग बंद करने का आग्रह किया है और मामले में जांच शुरू कर दी है। कंपनी ने आशंका जतायी कि, यह समस्या उत्पादन में उपयोग की जाने वाली फंफूद में उपस्थित विषाक्त पदार्थों के कारण हुई है। कंपनी ने एक बयान जारी कर अपने रेड यीस्ट कोलेस्ट्रॉल हेल्प उत्पाद और मरीज की मौत के बीच 'संबंध' की घोषणा की। कंपनी ने बताया कि, उन्हें एक शोक संतप्त परिवार से संदेश मिला, जिसमें कहा गया है कि, उनके परिवार के सदस्य की किडनी खराब हो जाने के कारण मौत हो गयी है।

बाड़मेर-जैसलमेर सीट से विधायक रवीन्द्र सिंह भाटी भी मैदान में

शिव सीट के निर्दलीय विधायक भाटी ने चुनाव लड़ने का ऐलान कर मुकाबले को तिकोना बना दिया है

बालोतरा, 26 मार्च। बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर अब मुकाबला त्रिकोणीय बन गया है। निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने आज (मंगलवार) को सर्व समाज के लोगों के साथ मीटिंग की। आलोक आश्रम में हुई मीटिंग में उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया। भाटी ने 4 अप्रैल को नामांकन दाखिल करने की घोषणा की। इसके लिए भाटी संसदीय सीट की सिवाना विधानसभा से 27 मार्च, बुधवार से जन आशीर्वाद यात्रा निकालेंगे।

- कांग्रेस ने यहां से उम्मेदाराम बेनीवाल और भाजपा ने केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी को टिकट दिया है।
- भाटी ने आलोक आश्रम में हुई सर्व समाज की बैठक में निर्दलीय लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया।

ज्ञातव्य है कि, इस सीट से कांग्रेस ने उम्मेदाराम बेनीवाल को टिकट दिया है और भाजपा ने केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी को मैदान में उतारा है। दरअसल, शिव से निर्दलीय विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने 11 मार्च से जैसलमेर से 5 दिन की ईश आराधना यात्रा निकाल कर लोकसभा चुनाव लड़ने के संकेत दिए थे। इस दौरान उमड़े जन सैलाब को देखते हुए भाटी को मनाने के लिए प्रदेश स्तर के नेता जुट गए। 18 मार्च को रविंद्र सिंह भाटी, केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी ने स्थानीय विधायकों के साथ मुख्यमंत्री के साथ मीटिंग की थी। करीब 1 घंटे तक मीटिंग चली, लेकिन सहमति बन नहीं पाई। इसके दूसरे दिन जोधपुर आए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और रविंद्र सिंह भाटी के बीच मुलाकात हुई। मु.मंत्री भाटी को अपने प्लेन में बैठाकर जोधपुर से उदयपुर लेकर गए। लेकिन सरकार व निर्दलीय विधायक के बीच सुलह की तस्वीर साफ नहीं हो पाई। निर्दलीय विधायक ने मंगलवार को फिर सोशल मीडिया पर सर्वसमाज की मीटिंग की नई पोस्ट शेयर की है। सर्व समाज की मीटिंग के बाद भाटी ने लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी।

'केजरीवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भरोसा जताया जो दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रोम निवास गोयल ने दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि आप पार्टी के विधायकों ने फैसला किया है कि केजरीवाल ही मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे और सरकार जेल से चलाई जाएगी। कानून में कहीं कोई ऐसा प्रावधान नहीं है जो गिरफ्तार मुख्यमंत्री को उसके पद पर बने रहने से रोकता हो, परंतु जेल से सरकार चलाने के व्यावहारिक रुप से मुश्किल कार्य है क्योंकि सभी फाइलों व फैसलों पर मंजूरी जेल से लेनी पड़ेगी।

मुख्यमंत्री भजन लाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भजन" को चरितार्थ करते हुये, आम लोगों के साथ बिना किसी औपचारिकता के घुल-मिल कर होली खेली। मुख्यमंत्री ने अपनी सादगी से सभी का दिल जीत लिया।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित जनता संग होली कार्यक्रम में राजस्थान की संस्कृति, लोकरंग, भाईचारे और सौहार्द्र की झलक नज़र आयी। जनता ने मुख्यमंत्री के साथ पुष्प और गुलाल की होली खेली। मुख्यमंत्री सभी के साथ बहुत स्नेह और अपनेपन से मिले सभी उपस्थित जनों का मुंह मीठा करवाया गया सभी ने दिल खोलकर होली खेली। इस अवसर पर भाजपा के विधायक व प्रमुख नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

- होली कार्यक्रम में ब्रज तथा अन्य क्षेत्रों के कलाकारों ने संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया, सभी लोगों का मुंह भी मीठा करवाया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आवास पर ब्रज की लोक संस्कृति भी साकार हो उठी, जब बृज से आये कलाकारों ने होली गीतों पर अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। भगवान कृष्ण और राधा जी की बृज होली और लट्ठमार होली के भी रंग दिखे। इसके अलावा भजनों का कार्यक्रम भी हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और आम जन ने भजनों का भरपूर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शर्मा के साथ उनकी पत्नी गीता शर्मा भी मौजूद थीं। कार्यक्रम में प्रदेश की सांस्कृतिक परम्पराओं और लोकसंस्कृति के कई रंग नज़र आए। कार्यक्रम के बाद आमजन ने मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री शर्मा के सहज-सरल अंदाज़ की अत्यंत प्रशंसा की। लोगों का कहना था कि भजनलाल ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिनका आमजन से सीधा संवाद है।

लोगों ने मुख्यमंत्री को "जन-जन के भजन" की उपाधि दी और अभिनंदन किया। लोगों ने इस बात की भी सराहना की कि मुख्यमंत्री आवास तक अब जनता की पहुंच हो गयी है। प्रदेश में बरसों बाद ऐसा दृश्य दिखा जिसमें किसी मुख्यमंत्री ने आमजन को खुलकर गले लगाया और उनके साथ होली खेली।

कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, 26 मार्च (निसं)। कोटा के विज्ञान नगर थाना इलाके में मंगलवार को एक और कोचिंग छात्र ने मंगलवार को आत्महत्या कर ली। छात्र मैडिकल एन्ट्रेंस एग्ज़ाम के सिलसिले में एक निजी कोचिंग संस्थान में पढ़ाई कर रहा था। छात्र मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कन्नौज निवासी था।

वह बीते एक साल से कोटा में रहकर पढ़ाई कर रहा था। छात्र की उम्र करीब 20 साल बताई जा रही है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। कोटा में इस साल यह छठा सुसाइड का मामला है। विज्ञाननगर थाने के हैड कांस्टेबल ज्ञान सिंह का कहना है कि, रोड नंबर एक स्थित मल्टी स्टोरी में छात्र रहता था, छात्र का नाम उरूज पुत्र साबिर है। उसके फोन नहीं उठाने पर परिजनों ने मंगलवार को उसके कन्नौज के निवासी दोस्तों को फोन किया था। वे सुबह उसके कमरे पर पहुंचे लेकिन, उसने दरवाजा नहीं खोला। इसकी सूचना मल्टी स्टोरी के गार्ड को दी गई तब पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद उसके शव को एमबीएस अस्पताल के मोर्चरी में शिफ्ट करवाया गया। साथ ही परिजनों को भी इस संबंध में सूचना दे दी गई है।

- 20 वर्षीय छात्र उरूज उत्तर प्रदेश में कन्नौज का रहने वाला था और कोटा में मैडिकल एन्ट्रेंस की तैयारी कर रहा था।

शशि थरूर ने पैसा लेकर ट्वीट किया, एफ.आई.आर. दर्ज कराऊंगा-सुनील शर्मा

जयपुर, 26 मार्च (का.प्र.)। जयपुर से कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी सुनील शर्मा को बदलकर प्रताप सिंह खाचरियावास को टिकट दिया है। इस बात से नाराज़ सुनील शर्मा ने आरोप लगाया है कि, केरल कांग्रेस के नेता शशि थरुर के जयपुर डायलॉग्स के साथ संबंध हैं। सुनील शर्मा ने नैतिकता के आधार पर शशि थरुर को चुनाव मैदान से हटने की चुनौती दी है।

- टिकट कटने के बाद सुनील शर्मा ने कहा कि, राज्य के ब्राह्मणों में घोर निराशा है। सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि, सुनील शर्मा की ब्रह्म हत्या हो गयी।
- "जयपुर डायलाग्स से बिजनैस क्लास सुविधायें मांगने वाले शशि थरूर को नैतिकता के आधार पर चुनाव से हट जाना चाहिये।"

शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि, कांग्रेस के कुछ धार्मिक अतिवादियों, अति वामपंथी नेताओं, कुछ तथाकथित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कथित पत्रकारों ने एक लॉबी से पैसा लेकर मेरे ख़िलाफ़ झूठे और बेबुनियाद ट्वीट कर दुष्प्रचार किया है। उन्होंने कहा कि, जल्द ही वो अपने लीगल एडवाइज़र की सहायता से ऐसे लोगों पर एफ़आईआर दर्ज करवाने जा रहे हैं।

सुनील शर्मा ने मंगलवार को अपना टिकट कटने के बारे में मीडिया से कहा कि, मुझे टिकट सर्व सम्मति से दिया गया था। कांग्रेस के बड़े नेताओं के आग्रह पर ही मैंने चुनाव लड़ने पर स्वीकृति दी थी। लेकिन इसके पश्चात् ही, कांग्रेस में एक लॉबी, जिसकी खुद की प्रतिबद्धता सवालों के घेरे में रही है, वो सक्रिय हो गई और उन्होंने अनावश्यक एवं अनर्गल आरोप लगाए जिनका कोई वास्तविक आधार ही नहीं था।

उन्होंने कहा, 1938 से कांग्रेस के लिए संघर्ष करने वाले परिवार की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए गए। यहाँ तक कि, केरल से लोकसभा के एक कांग्रेस प्रत्याशी शशि थरूर, जिन्होंने आरोप लगाए, स्वयं ही जयपुर डायलॉग से बिज़नैस क्लास सुविधाओ की मांग कर रहे थे और कार्यक्रमों में आने की अनुमति दे रहे थे। इसकी पूरी जानकारी अब मीडिया और ट्विटर पर उपलब्ध है, जिसका थरूर ने कोई जवाब नहीं दिया। जहां तक मेरा सवाल है, मेरा जयपुर डायलॉग से कोई भी लेना देना नहीं है, जैसा कि, मैंने कई बार दस्तावेज के साथ सार्वजनिक मंचों पर अपनी स्थिति को साफ़ किया है।

सुनील शर्मा ने कहा कि ये जो "पेड ट्वीट" हैं, उन पर भी एफ.आई.आर. दर्ज करवाकर मैं सबको एफ.आई.आर. की कॉपी दूंगा। इस कॉपी में उन सबके नाम होंगे, जो कांग्रेस को कमजोर कर रहे है। राजस्थान में कांग्रेस के सिद्धांत शुरु होते हैं जय नारायण व्यास से, टीकाराम पालीवाल से, हीरालाल शास्त्री से, रामकिशोर व्यास से, दामोदरदास से, नवल किशोर शर्मा से, नरोत्तम जोशी से, निरंजन लाल आचार्य से। ऐसे अनगनित लोग हैं, अब प्रश्न एक है, पार्टी के लिए सबसे ज्यादा काम जिस वर्ग ने किया हो, जिसने कांग्रेस से कभी कुछ मांगा नहीं, उस वर्ग के व्यक्ति के साथ ऐसा हो तो थोड़ी निराशा तो होगी। आज राज्य के ब्राह्मणों में निराशा है, घोर निराशा है।

मेरे पास लगातार कॉल आ रहे हैं, सोशल मीडिया पर पोस्ट आ रही हैं। व्हाट्सएप मैसेज आ रहे हैं, काफी तादाद में, जिसमें कहीं तो ब्रह्म हत्या करने की बात लिखी जा रही है, कि सुनील शर्मा की ब्रह्म हत्या हो गई।

भाजपा ने 17 राज्यों की 111 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किये

नई दिल्ली, 24 मार्च (वार्ता)। भाजपा ने लोकसभा चुनाव की पांचवीं सूची में 17 राज्यों की 111 सीटों पर अपने उम्मीदवार आज घोषित कर दिए।

पार्टी की विज्ञप्ति में बताया कि, पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन नामों को स्वीकृति दी है। पांचवीं सूची में 111 उम्मीदवारों में से 20 महिलाएं शामिल हैं।

पांचवीं सूची में पश्चिम बंगाल की 19 सीटों, ओडिशा की 18 सीटों, बिहार में भाजपा की सभी 17 सीटों, उत्तर प्रदेश की 13 सीटों, राजस्थान की 07 सीटों, आंध्र प्रदेश एवं गुजरात की 06-06 सीटों, हरियाणा, कर्नाटक एवं केरल की 04 - 04 सीटों, हिमाचल प्रदेश एवं तेलंगाना की 02-02 सीटों, झारखंड एवं महाराष्ट्र की 03-03 सीटों, गोवा, सिक्किम एवं मिजोरम की एक - एक सीट के उम्मीदवार शामिल हैं। भाजपा ने आंध्र प्रदेश में अराकू (सु.) सीट से वाईएसआर कांग्रेस से आने वाली कोथापल्ली गीता को टिकट दिया है।

कांग्रेस व सपा ने वरूण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में वरूण गांधी को रायबरेली अथवा अमेठी की सीट से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया जा सकता है, वर्ष 2019 में भाजपा की स्मृति ईरानी से हारने से पहले राहुल ही अमेठी के सांसद थे। और अपने चचेरे भाई को ईरानी के खिलाफ चुनाव लड़ने का न्यौता दे सकते हैं।

अमेठी व रायबरेली सीटों पर नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 3 मई है इसके बाद लखनऊ की सीट है जिससे चुनाव लड़ने का विकल्प वरूण चुन सकते हैं।

इन सब बातों का निर्णय सोनिया गांधी पर निर्भर करता है कि वे वरूण गांधी को कांग्रेस पार्टी में जगह देने को सहमत हों, वो मेनका गांधी को भी कांग्रेस के खेमे में शामिल करने की सहमति दे सकती हैं ताकि वो सुल्तानपुर चुनाव लड़ सके, मेनका इस सीट पर पिछली बार भाजपा के टिकट पर चुनाव जीती थी।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस बात का संकेत दिया है कि उनकी पार्टी वरूण गांधी को उत्तर प्रदेश में उनकी पसंद की सीट से टिकट दे सकती है क्योंकि किसानों के समर्थन में उनकी आवाज व भाजपा की नीतियों के खिलाफ बोलने से यह पता चलता है कि वे किसी भी सीट से चुनाव बगैर कठिनाई के जीत सकते हैं। हालांकि, अभी तक वरूण ने अपने फैसले का खुलासा किसी से नहीं किया है।

अब भले ही वे पीलीभीत से पुनः चुनाव लड़ना चाहते हों, जहां से वे पिछली बार निर्वाचित हुए थे और अब उनके पास मुश्किल से कुछ समय बचा है क्योंकि इस सीट पर नामांकन पत्र दाखिल करने का समय बुधवार शाम को समाप्त हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने नामांकन पत्र के चार सैट खरीदे हैं यदि वे पुनः पीलीभीत सीट से चुनाव लड़े तो हैरत नहीं होगी।

पंजाब में अकेले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोजित की गई थी जिसमें पार्टी की चुनाव रणनीति को लेकर चर्चा की गई थी जिसमें संभवतया भाजपा के साथ चुनावी गठबंधन नहीं करने का फैसला लिया गया था।

इस माह के पूर्वार्द्ध में सुखबीर सिंह वड़ाला ने बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी.) के साथ गठबंधन जारी रखने की बात कही थी और उन्होंने भाजपा के साथ गठब्धन करने की मीडिया के कयासों को खारिज़ कर दिया था।

सुखदेव सिंह ढींढसा के नेतृत्व वाले शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) ने सिख समुदाय की एकता को मजबूती प्रदान करने के लिए अपने दल का विलय शिरोमणि अकाली दल में कर दिया था। ढींढसा ने कहा कि बादल के द्वारा बेअदबी के 2015 के मामलों में माफी मांग कर पश्चाताप व्यक्त करने की बात ने उन्हें प्रभावित कर लिया।

तो क्या यह सही है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के स्टाफ के लोग, जैसे पी.ए, सुरक्षा वाले तथा अन्य अधिकारी निर्णय ले रहे हैं और अब ऐसा लगता है कि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ऑफिस में भी यही हो रहा है।

एक अन्य उदाहरण है, राजसमंद से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी सुदर्शन रावत का, जिन्हें अधिकारिक रुप से प्रत्याशी घोषित कर दिया गया है, लेकिन, वो विदेश में बैठे हैं। कथित रुप से वो चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं।

पता चला है कि, वो सी.पी. जोशी के कैन्डिडेट हैं और सचिन पायलट के कैन्डिडेट को ब्लॉक करने के लिए जोशी ने रावत के लिए दबाव बनाया।

जयपुर से कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी सुनील शर्मा को बदलकर प्रतापसिंह खाचरियावास को टिकट दिया है क्योंकि शशि थरुर व साथियों ने एक अभियान चलाया था कि, सुनील शर्मा का रुझान दक्षिणपंथी है और वो बहुत बार कांग्रेस विरोधी वक्तव्य दे चुके हैं।

अब परिणाम यह है कि, 25 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस का एक भी प्रत्याशी ब्राह्मण नहीं है।

या फिर क्या कुछ कांग्रेस नेताओं की भाजपा के साथ मिलीभगत है और प्रत्याशियों का चयन भाजपा के पक्ष में किया जा रहा है?

- अंदरूनी सूत्रों के अनुसार शशि थरूर व कुछ लोगों ने सुनील शर्मा के खिलाफ अभियान चलाकर उनका टिकट कटवाया है, इसके पीछे भी पैसे का खेल बताया जा रहा है।
- कहा जा रहा है कि, कांग्रेस के कुछ नेता भाजपा से मिले हुए हैं, सवाल है कि, क्या पार्टी आकाकमान इस खेल को जानता है।

और क्या ए.आई.सी.सी. महासचिव रंधावा को पार्टी की इन गतिविधियों के लिए जिम्मेवार नहीं माना जाना चाहिए?

और राहुल गाँधी सी.ई.सी. की बैठकों में शामिल क्यों नहीं होते हैं?

या फिर राहुल बिना जिम्मेवारी के पावर चाहते हैं, क्योंकि, वो लगातार के.सी. वेणुगोपाल को अपने अधिकार सौंप रहे हैं।

हमें उम्मीद है...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का इस केस में भी अनुसरण किया जाएगा।"

इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि "ऐसे बयानों को हम हमारी न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप और हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने के रूप में देखते हैं तथा यह पूर्वाग्रह से ग्रसित एवं बेहद ही अनुचित धारणा है।"

विशेषज्ञ इस बात की ओर ध्यान दिलाते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय की टिप्पणी पर अभी तक अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है।

दिल्ली के एक कोर्ट द्वारा हिरासत से छूट प्रदान ना करने के कारण एन्फोर्समैन्ट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने केजरीवाल के आवास पर गत सप्ताह देर रात डाली गई एक रेड में उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

बाद में, उन्हें सात दिन, यानी कि गुरुवार तक के लिए ई.डी. की हिरासत में भेज दिया गया।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में एक माह से भी कम समय बचा है और केजरीवाल को कथित शराब घोटाले के संबंध में गिरफ्तार किया गया है, जिससे उनकी आम आदमी पार्टी और पूरे देश की राजनीति में भूचाल आ गया है।

केन्द्रीय जाँच एजेंसी के इस कदम की भर्त्सना करने में आम आदमी पार्टी इण्डिया गठबंधन की सहयोगी कांग्रेस, ममता बनर्जी की तृणमूल और तमिलनाडू में सत्तारूढ़ द्रमुक के साथ मिल गई है, जिससे दिल्ली में भारी विरोध प्रदर्शन शुरु हो गए हैं।

दिल्ली में मंगलवार को जब "आप" के कई कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री आवास तक मार्च करने के प्रयास किया तब पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

इस बीच, भाजपा ने जिस पर विपक्षी दलों ने केन्द्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है, ने केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर एक विशाल जुलूस निकाला।

अपने विरोधियों के खिलाफ ई.डी. जैसी केन्द्रीय जाँच एजेंसियों का इस्तेमाल करने के आरोपों से घिरी भाजपा ने केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की है और कहा है कि आप के नेता केजरीवाल जेल से ही सरकार चला रहे हैं।

तीन दक्षिणी राज्यों, केरल, कर्नाटक व तमिलनाडू ने केन्द्र सरकार को कोर्ट में घसीटा

इन तीनों राज्यों का आरोप है कि, केन्द्र सरकार उनके हक का पैसा नहीं दे रही है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। दक्षिण भारत के पाँच राज्यों में लोकसभा की कुल 130 सीटें हैं और इसमें से भी 87 सीटें तीन राज्यों केरल, कर्नाटक और तमिलनाडू में हैं। अब ये तीनों ही राज्य केन्द्र से मिलने वाली सहायता और अपने हक के पैसे को लेकर केन्द्र सरकार से कानूनी लड़ाई लड़ने को बाध्य हैं।

लोकसभा चुनावों से पूर्व भाजपा के लिए यह स्थिति अच्छी नहीं है क्योंकि उसे राज्यों के वित्तीय मसलों का बिगाड़ खाता करने वाले के रूप में देखा जाएगा। ऐसी स्थिति में "गोदी मीडिया" केन्द्र सरकार का सफलतापूर्वक पक्ष साबित कर देता है, लेकिन दक्षिण के राज्यों में ऐसी स्थिति नहीं है।

उत्तर भारत में विपक्षी पार्टियाँ इस मामले में कमजोर हैं। वहाँ का कथित गोदी मीडिया विपक्ष के स्वरों का प्रबल रूप से दमन कर देता है, लेकिन दक्षिण भारत की क्षेत्रीय पार्टियों के साथ अपनी-अपनी समर्थित मीडिया यूनिट्स हैं और कुछ मामलों में तो उनके स्वयं के मीडिया हाउसेज़ हैं। इस वजह से वे अपनी आवाज का मुखर कर मीडिया के जरिए अपना पक्ष साबित कर सकती हैं।

आगामी 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मतदान से होने जा रहा तमिलनाडू भी केन्द्र सरकार के नैशनल डिज़ास्टर रिलीफ फण्ड से खाद्यान्न राहत ना मिलने के कारण सुप्रीम कोर्ट की शरण ले रहा है।

शायद यह सबक उसने कर्नाटक सरकार से लिया है। तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने यह घोषणा भी की है कि केन्द्र का राहत फण्ड सुनिश्चित करने को लेकर उनकी सरकार सुप्रीम कोर्ट जाएगी। स्टालिन ने एक राजनीतिक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि "भाजपा को वोट देना तमिलनाडू के विकास के खिलाफ वोट देने के समान है।"

धन की कमी से जूझ रही राज्य सरकार ने आपदा के समय अपने मंत्रियों को राहत गतिविधियों में लगा दिया था। हमने 2500 से अधिक विशेष कैम्प लगाकर किसानों को राहत फण्ड्स दिए, लेकिन इसके साथ यह भी सुनिश्चित किया कि कहीं जनसंक्रमण ना फैल जाए। स्टालिन ने कहा कि पिछले वर्ष के दिसम्बर माह में मैंने तिरूनेल्वेली और थूथुकुडी का दौरा कर जनकल्याणकारी सामग्री वितरित की और फरवरी 2024 में थूथुकुडी के बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 118.89 करोड़ रूपए दिए।

उन्होंने कहा कि "हमने केन्द्र सरकार से रिलीफ फण्ड के 37 हजार करोड़ रूपए मांगे थे, लेकिन केन्द्र सरकार ने कुछ नहीं दिया। राज्यपाल आर.एन. रवि द्वारा विलय अनुमोदित करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रूख किया। केन्द्र सरकार से बाढ़ राहत फण्ड की मांग को हम लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

- दक्षिण की कुल 130 लोकसभा सीटों में से 87 सीटें इन्हीं राज्यों से आती हैं, इसलिए विशेषज्ञों का कहना है कि, लोकसभा चुनावों से ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट में दर्ज मुकदमा भाजपा को भारी नुकसान पहुंचा सकता है।
- रोचक बात यह है कि, इन राज्यों का मीडिया इस मुद्दे पर अपनी सरकारों के साथ है और इस मामले को जिस तरह से जनता के सामने प्रस्तुत करेगा उसका जनता पर भारी प्रभाव पड़ सकता है।
- तमिलनाडू के मुख्यमंत्री ने तो नारा दिया है "भाजपा का वोट देने का मतलब है तमिलनाडू के विकास के खिलाफ वोट देना।"

द्रमुक अध्यक्ष ने राज्य से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले तमिलों से भिखारी बताने वाली वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण की भी भर्त्सना करते हुए कहा कि जनता के धन से ही सार्वजनिक कल्याण की योजनाएं लागू की जाती है। जनता को जब जरूरत हो तब सरकार को उनकी जरूर मदद करनी चाहिए। स्टालिन ने कहा कि भाजपा की एक मंत्री शोभा करांडलाजे ने तमिलों को आतंकवादी कहा था। ये लोग नफरत के बीज बो रहे हैं।

पिछले सप्ताह ही कर्नाटक सरकार, केन्द्रीय सरकार पर "नैशनल डिज़ास्टर टैसपाँस फण्ड (एन.डी.आर.एफ.) से राज्य को सूखा राहत राशि के भुगतान में देरी करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा चुकी है। राज्य सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि, "डिज़ास्टर मैनेजमैंट एक्ट 2005" के तहत राज्य केन्द्र से राशि प्राप्त करने का हकदार है। इसके पहले राज्य ने केन्द्र को तीन ज्ञापन दिए थे और एक अंतर-मंत्रालयी केन्द्रीय टीम (आई.एम.सी.टी.) ने राज्य के सभी तालुकों का सर्वे करने के बाद 20 अक्टूबर 2023 को केन्द्र में एक रिपोर्ट जमा करा दी थी। राज्य के मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया ने कहा कि कानून के अनुसार सहायता राशि एक महीने के अंदर दे देनी चाहिए थी। कर्नाटक सरकार ने औपचारिक माध्यमों से भी केन्द्र सरकार से राशि के लिए गुहार लगायी, लेकिन कुछ भी नहीं हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, "हमारे मंत्री, केन्द्रीय वित्त एवं कृषि मंत्रियों से मिले। मैंने स्वयं गृह मंत्रालय सहित कई मंत्रालयों को पत्र लिखे थे। मैं और राजस्व मंत्री, कृष्ण बायरे गौडा, प्रधानमंत्री से 19 दिसम्बर को मिले थे और एन.डी.आर.एफ. की बैठक बुलाकर राशि का भुगतान करवाने की प्रार्थना की थी और 20 दिसम्बर को हम गृह मंत्री, अमित शाह से भी मिले थे। उन्होंने कहा कि 23 दिसम्बर को एक उच्च स्तरीय बैठक बुलायी गयी थी। प्रधानमंत्री बाद में जब बैंगलुरू आए थे तब मैंने उन्हें याद दिलाया था। लेकिन रिर्पोटों के जमा होने के बाद से अब तक कुछ भी नहीं हुआ है। किसी भी राशि का भुगतान नहीं हुआ है। पिछले कुछ महीनों में कर्नाटक ने 240 तालुकों में से 223 तालुकों को सूखा ग्रस्त घोषित कर दिया है, जिनमें से 196 को गंभीर रूप से प्रभावित श्रेणी में रखा गया है। केरल और तमिलनाडू, जहाँ केन्द्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए हैं वही केरल सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा चार विधेयकों को बिना किसी कारण के स्वीकृति ना देने के विरोध में उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल की है। याचिका में राष्ट्रपति को विधेयकों को स्वीकृति देने के निर्देश देने की मांग करते हुए केरल सरकार ने कहा कि, राष्ट्रपति के विधेयकों को अनुमति देने में देरी करने से भारतीय संविधान का संघीय ढांचा भंग और नष्ट होता है। केरल विधानसभा ने सात विधेयक पारित किए हैं जिनमें, राज्य के विश्वविद्यालयों के नियमों में संशोधन (वर्ष 2021 एवं वर्ष 2022) केरल लोकायुक्त संशोधन विधेयक और 2022 का केरल सहकारी समितियों का संशोधन बिल शामिल हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

मैं बहुत जोर से और सपाट प्रहार करती हूँ और जब मुझे मौका मिलता है तो मैं दिशा बदलने का प्रयास करती हूँ।
– जेसिका पेगुला

अमेरिका महिला खिलाड़ी, अपने प्रदर्शन को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

दिनेश कार्तिक

दिनेश कार्तिक के आखिरी ओवरों में 10 गेंदों में नाबाद 28 रनों के दमदार पारियों की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग के छठे मुकाबले में सोमवार को पंजाब किंग को चार विकेट से हरा दिया है। 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेंगलुरु की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने कप्तान फाफ डुप्लेसी तीन रन का विकेट तीसरे ओवर में गंवा दिया। उसके बाद कैमरून ग्रीन भी तीन रन पर पवेलियन लौट गये। दोनों ही बल्लेबाजों को कगिसो रबाडा ने आउट किया। विराट कोहली के साथ कुछ समय के लिए रजत पाटीदार ने पारी को संभाला।

क्या आप जानते हैं ?... सॉफ्टबाल और हार्डबॉल स्क्वैश के खेल की दो पद्धतियां है इसमें साफ्टबॉल को ब्रिटिश व इंटरनेशनल पद्धति माना जाता है, जबकि हैंडबॉल को अमरीकी पद्धति।

चैन्नई की लगातार दूसरी जीत

होम टीम ने सीजन में लगातार 7वां मैच जीता

चेन्नई, 26 मार्च। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग–2024 में लगातार दूसरी जीत हासिल की है। टीम ने सोमवार को मौजूदा सीजन के 7वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) को 63 रन से हराया। इस जीत से 4 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। चेन्नई ने सीजन ओपनर में को इसी मैदान पर हराया था।

चेपॉक स्टेडियम में 207 रन का टारगेट चेज कर रही गुजरात 20 ओवर में 8 विकेट पर 143 रन ही बना सकी। इससे पहले, चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 206 रन बनाए। रचिन रवींद्र (20 बॉल पर 46 रन) और शिवम दुबे (23 बॉल पर 51 रन) ने विस्फोटक पारियां खेलीं, जबकि कप्तान ऋतुराज गावकवाड ने 36 बॉल पर 46 रन का योगदान दिया। राशिद खान को दो विकेट मिले। गुजरात की ओर से साई सुदर्शन ने सबसे ज्यादा 37 रन बनाए। ऋद्धिमान साहा और डेविड मिलर ने 21–21रन बनाए। शेष बैटर कुछ खास नहीं कर सके। चेन्नई के लिए दीपक चाहर, मुस्तफिजुर रहमान और तुषार देशपांडे ने 2–2 विकेट लिए।

नमन धीर ने अपने शॉट्स और बैटिंग से सभी को चौंकाया

नई दिल्ली, 26 मार्च। गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को मुंबई इंडियंस के डेब्यूटांट नमन धीर ने अपने शॉट्स और बैटिंग से सभी को चौंका दिया। 24 साल के नमन मुंबई के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और 200 की स्ट्राइक रेट से 10 बॉल में 20 रन बना दिए।

इनिंग्स के पहले ओवर में ईशान किशन जीरो पर आउट हो गए। उनके बाद नमन ने अजमतुल्लाह उमरजई की गेंद पर तीन चौके और एक छक्का लगाया। धीर बैटिंग के साथ ऑफ स्पिनर बॉलिंग भी कर लेते हैं। उन्होंने गुजरात के खिलाफ एक ओवर फेंका, लेकिन 13 रन दे दिए।

हरियाणा के अंबाला में पैदा हुए 24 वर्षीय बैटर नमन टी–20 के रेगुलर प्लेयर नहीं हैं। नमन पंजाब रणजी टीम का हिस्सा हैं लेकिन, वे पंजाब के घरेलू टूर्नामेंट शेर–ए–पंजाब टी–20 लीग से फेमस हुए। यहीं से उन पर मुंबई इंडियंस के स्काउट्स की नजर पड़ी।

मुंबई इंडियंस ने पिछले कुछ सालों में सूर्यकुमार यादव से लेकर रोहित शर्मा और कैमरन ग्रीन जैसे कुछ बड़े टी–20 बल्लेबाजों को नंबर–3 पर खिलाया है। सूर्यकुमार इंजरी के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हो गए, ऐसे में मुंबई ने नंबर–3 की अहम पोजिशन नमन धीर को सौंप दी।

पिछले साल अगस्त में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन की लीग शेर–ए–पंजाब टी–20 कप से नमन फेमस हुए। उस टूर्नामेंट की 12 पारियों में धीर ने 192.56 की स्ट्राइक रेट और 42.36 की औसत से 466 रन बनाए। इस दौरान नमन ने 2 शतक बनाए। जिनमें 56 गेंद पर 127 और 44 गेंद पर 105 रन की पारी शामिल हैं। टूर्नामेंट में उन्होंने कुल 30 छक्के लगाए थे।

स्वीएटेक को हराकर मियामी ओपन के क्वार्टरफाइनल में एलेक्जेंड्रोवा

मियामी, 26 मार्च। रूस की टेनिस खिलाड़ी एकटरीना एलेक्जेंड्रोवा ने मियामी ओपन राउंड ऑफ 16 के महिला एकल मुकाबले में विश्व की नंबर एक पोलैंड की इगा स्वीएटेक को हराकर टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। सोमवार को खेले गये मुकाबले में एलेक्जेंड्रोवा ने पोलैंड की खिलाड़ी स्वीएटेक को 6–4, 6–2 से हराया। इस जीत के साथ ही अलेक्जेंड्रोवा टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई है।

मैच के दौरान अलेक्जेंड्रोवा ने इगा स्वीएटेक की तीन बार सर्विस तोड़ी। एक अन्य महिला एकल मुकाबले में अमेरिका की जेसिका पेगुला ने सोमवार रात के चौथे दौर में हमवतन एम्मा नवारो पर 7–6(1), 6–3 से जीत दर्ज की। पेगुला का लक्ष्य लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचने का है। मैच जीतने के बाद पेगुला ने कहा कि मैंने जो किया वह सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि मैं बहुत जोर से और सपाट प्रहार करती हूँ और जब मुझे मौका मिलता है तो मैं दिशा बदलने का प्रयास करती हूँ।

आज भी तकलीफ होती है... रिंकू सिंह के पांच छक्कों को याद करके छलका यश दयाल का दर्द

नई दिल्ली, 26 मार्च। मोहम्मद सिराज ने यश दयाल से बातचीत की है। इस दौरान सिराज ने पूछा कि पांच छक्के खाने के बाद आपकी मानसिक हालत कैसी थी? इसे पचाना किसी भी गेंदबाज के लिए आसान नहीं होता। फिर आपने खुद को कैसे संभाला? इस पर यश दयाल ने जवाब देते हुए कहा कि, ईमानदारी से कहूं तो मैच के बाद मुझे काफी परेशानी हुई। यश दयाल ने केकेआर के खिलाफ अपने उस ओवर को एक बार फिर याद किया है। जिसमें उन्हें पांच छक्के पड़े थे। वहीं यश ने बताया कि आज भी इस बात को लेकर तकलीफ होती है। इतना ही नहीं, उस साल आईपीएल खत्म होने के बाद वह बीमार भी पड़ गए थे। दरअसल, इस साल आरसीबी के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे यश दयाल ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को दिए इंटरव्यू में कहा है।

हॉकी इंडिया ने वार्षिक पुरस्कार के नामांकित खिलाड़ियों, अधिकारियों की सूची जारी की

नई दिल्ली, 26 मार्च। हॉकी इंडिया ने 31 मार्च को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित होने वाले हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार समारोह के छठे संस्करण के लिए नामांकित किये खिलाड़ियों और अधिकारियों की बहुप्रतीक्षित सूची जारी की है। इस पुरस्कार समारोह में कुल 7.56 करोड़ रुपये के पुरस्कार दिये जायेंगे। समारोह में वर्ष 2023 के दौरान भारतीय हॉकी में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जायेगा। इन पुरस्कारों के लिए आठ श्रेणियों में कुल 32 व्यक्तियों के नाम का चयन किया गया है। हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार 2023 के लिए नामांकित व्यक्ति इस प्रकार हैं:– वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए हॉकी इंडिया बलजीत सिंह पुरस्कार मोहित एच.एस, पीआर श्रीजेश, सविता और कृष्ण बहादुर पाठक प्रत्येक को पांच लाख रुपये का पुरस्कार दिया जायेगा। मिडफील्डर के लिए हॉकी इंडिया अजीत पाल सिंह पुरस्कार के तहत सलीमा टेटे, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और नवनीत कौर को प्रत्येक को पांच लाख रुपये का पुरस्कार दिया जायेगा। फॉरवर्ड ऑफ द ईयर के लिए हॉकी इंडिया धनराज पिल्लै पुरस्कार के तहत वंदना कटारिया, अभिषेक, सुखजीत सिंह और मनदीप सिंह प्रत्येक को पांच लाख रुपये का पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा पर्थ टेस्ट से शुरू होगा : पहला टेस्ट 22 नवंबर से

नई दिल्ली, 26 मार्च। टीम इंडिया के ऑस्ट्रेलिया दौरे का शेड्यूल मंगलवार को जारी कर दिया गया। टीम 5 टेस्ट खेलेगी। पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच 3 जनवरी से सिडनी में शुरू होगा। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 10 साल से कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। टीम ने कंगारुओं को उन्हीं के घर में 2 बार और अपने घर में भी 2 बार हराया है। हर बार जीत का अंतर 2–1 से भारत के पक्ष में रहा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को 2024–25 सीजन का शेड्यूल जारी किया।

22 नवंबर को पर्थ में पहला टेस्ट होगा। इसके बाद 6 दिसंबर से एडिलेड में डे–नाइट टेस्ट खेला जाएगा। फिर ब्रिसबेन के द गाबा मैदान पर 14 दिसंबर से तीसरा टेस्ट और मेलबर्न में 26 दिसंबर से चौथा टेस्ट होगा। आखिरी टेस्ट 3 जनवरी 2025 से सिडनी में खेला जाएगा। एक सीजन में हर टीम को 2 साल के टाइम पीरियड में 6 सीरीज खेलनी होती हैं, तीन अपने घर में और तीन घर के बाहर। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023–25 साइकल में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही आखिरी अवे (घर से बाहर) सीरीज खेलेगी। इससे पहले भारत ने साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज का दौरा किया। साउथ अफ्रीका में 2 टेस्ट की सीरीज 1–1 से ड्रॉ रही। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज भारत ने 1–0 से जीती।

भारत को अब घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 और बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। घर में पिछली 17 सीरीज जीत चुकी टीम इंडिया इन सीरीज को जीतने की भी प्रबल दावेदार है। इन टेस्ट सीरीज का शेड्यूल अभी जारी नहीं हुआ है।

टीम इंडिया अब तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में 3 में से 2 सीरीज जीत चुकी है। टीम ने अब तक कुल 9 मुकाबले खेले, 6 में जीत मिली और महज 2 में टीम को हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज के खिलाफ एक मुकाबला ड्रॉ भी रहा।

मुझे टी-20 प्रमोशन के लिए इस्तेमाल करते है, पर मुझमें काफी खेल बाकी है : विराट

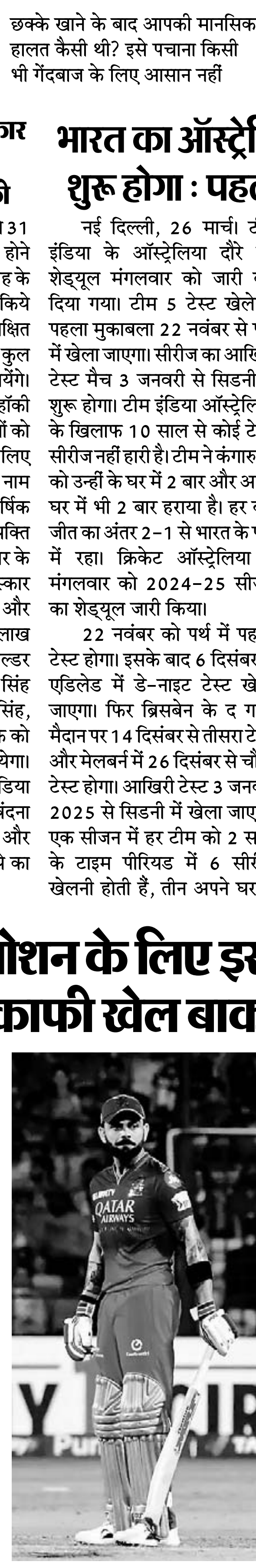

नई दिल्ली, 26 मार्च। पंजाब किंग्स से मैच जीतने के बाद बेंगलुरु के ओपनर विराट कोहली ने कहा कि उनमें काफी टी–20 क्रिकेट बाकी है। कोहली ने कहा कि उनके नाम का इस्तेमाल टी–20 क्रिकेट को प्रमोट करने के लिए किया जा रहा है, लेकिन उनमें काफी खेल बाकी है। वह अब आंकड़े और अचीवमेंट्स नहीं, टीम की जीत के लिए खेल रहे हैं। पंजाब के खिलाफ विराट ने 77 रन की पारी खेली और टीम को 177 रन का टारगेट चेज करवाया। कोहली प्लेयर ऑफ द मैच रहे और ऑरेंज कैप भी हासिल की।

विराट ने मैच के बाद इंटरव्यू में कहा, ओवरएक्साइटेड न होना, अभी बस 2 ही मैच हुए हैं। लोग स्टैट्स और अचीवमेंट्स की बातें करते हैं, लेकिन आखिर में यादें ही बाकी रह जाती हैं। राहुल (द्रविड़) भाई भी कहते हैं, जब आप क्रिकेट की फील्ड पर उतरते हैं तो दिल खोलकर खेलते हैं।

फैंस के सामने और फ्रेंड्स के साथ जब आप दिल खोलकर खेलते हैं तो आप अच्छी यादें बनाते हैं, इन्हें आप करियर खत्म होने के बाद भी याद करना चाहते हैं। फैंस का प्यार, ये रिश्ते और टीम का सपोर्ट सालों से मुझे मिल रहा है और मैं इसके लिए शुक्रगुजार हूं। कोहली ने कहा, मैं ओपनिंग कर रहा हूं और ओपनर के रूप में टीम को अच्छा स्टार्ट दिलाना मेरी जिम्मेदारी है, लेकिन लगातार विकेट गिरेंगे तो आपको कंडीशन भी समझना जरूरी है। आप खराब शॉट खेलकर आउट नहीं हो सकते। पिच बैटिंग के लिए उतनी भी अच्छी नहीं थी, यहां रन बनाना मुश्किल था, तब मैंने समझा कि यहां क्रिकेटिंग शॉट्स खेलकर ही रन बनाए जा सकते हैं।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

IDFC FIRST Bank

(पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031, फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

परिशिष्ट-IV-ए
(नियम 8 (6) व 9 (1) का प्रावधान देखें)
अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री की सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री करने के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद् द्वारा जनसाधारण को तथा विशेष रूप से कालम (ii) के अनुसार ऋण ग्रहिता(ओ) तथा सह-ऋणग्रहिता (ओं) को सूचित किया जाता है कि कालम (iii) के अनुसार नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों जो सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित रखी गयी है, तथा इन सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड जो पहले आईडीएफसी बैंक लि. के नाम से जाना जाता था, के प्राधिकृत अधिकारी ने ले लिया है। इन सम्पत्तियों की बिक्री 19.04.2024 को "जहाँ है जैसी है", "जो कुछ है यह है" तथा "जो कुछ है वहाँ है" के आधार पर, जेसा नीचे वर्णित है, कालम (iv) के अनुसार ऋणग्रहिता (ओं) तथा सह-ऋणग्रहिता (ओं) के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) को बकाया राशी की वसूली के लिये की जायेगी।

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिये क्रमशः आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वेब साइट पर उपलब्ध कराये गये लिंक, अर्थात www.idfcfirstbank.com

निलामी का विवरण

क्र. सं.	(i) डिमांड नोटिस राशि	(ii) नाम ऋण ग्रहिता (ओं) एवं सहऋणग्रहिता (ओं)	(iii) सम्पत्ति का पता	(iv) आरक्षित मूल्य राशि	(v) ईएमडी राशि	(vi) निलामी की तिथि व समय	(vii) ईएमडी निलामी की तिथि व समय	(viii) सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि	(ix) अधिकृत अधिकारी का नाम व मोबाईल नं.
1	रूपये 3,49,943.42/- डिमांड नोटिस तिथि- 19 अप्रेल 2021	हंसराज सिंह एवं चमन देवी	प्लाट नं. ए-18, क्षेत्रफल 100.00 वर्गगज, महलापुरम ब्लॉक-ए, ग्राम कोट, तहसील-एम मोजमाबाद, क्षेत्रफल 100 वर्गगज, जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है पूर्व-30 फिट चौडी रोड, पश्चिम-प्लाट नं. ए-18, उत्तर-प्लाट नं. ए-19, तथा दक्षिण-प्लाट नं. ए-17	रूपये 1,82,000/-	रूपये 18,200/-	12 अप्रेल 2024 प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक	10 अप्रेल 2024 प्रातः 10.00 से सायं 5.00 तक	6 अप्रेल 2024 प्रातः 10.00 से सायं 4.00 तक	नाम- सरदीप राठौड, मो. 9887772255 नाम- आंचल शर्मा, मो.7737204242
2	रूपये 31,52,865.55/- डिमांड नोटिस तिथि- 18 जून 2022	विजय कुमार जांगिड, आशा देवी, महालक्ष्मी हार्डवेयर मशीनरी स्टोर, महेन्द्र कुमार जांगिड, राजेन्द्र कुमार जांगिड, सुरेन्द्र कुमार जांगिड एवं सुवालाल जांगिड	सम्पत्ति पट्टा नं. 11, ग्राम व ग्राम पंचायत मोरीजा, तहसील चौमू, जिला जयपुर (राज.) क्षेत्रफल 183 वर्गगज का पूरा व प्रत्येक भाग और सीमायें है पूर्व-गली फिर द्वारका प्रसाद तिवारी का मकान, पश्चिम-गली फिर भेरूराम का मकान, उत्तर-आम रास्ता और दक्षिण-गली फिर चौथमल पटवारी का मकान	रूपये 10,00,000/-	रूपये 1,00,000/-	12 अप्रेल 2024 प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक	10 अप्रेल 2024 प्रातः 10.00 से सायं 5.00 तक	6 अप्रेल 2024 प्रातः 10.00 से सायं 4.00 तक	
3	रूपये 34,79,549.83/- डिमांड नोटिस तिथि- 20 अप्रेल 2021	श्री विष्णु कुमार छीपा एवं श्रीमती रेखा देवी	प्लाट नं. 22-ए, क्षेत्रफल 166 वर्गगज, रघुनाथ विहार, सिरसी रोड, जयपुर, राजस्थान-302034 का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है उत्तर-प्लाट नं. 22-बी, दक्षिण-प्लाट नं. 21, पूर्व-अन्य भूमि, पश्चिम-रोड	रूपये 10,00,000/-	रूपये 1,00,000/-	12 अप्रेल 2024 प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक	10 अप्रेल 2024 प्रातः 10.00 से सायं 5.00 तक	6 अप्रेल 2024 प्रातः 10.00 से सायं 4.00 तक	

अस्वीकरण- कृपया ध्यान दें कि यह नोटिस केवल अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए जारी किया गया है तथा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को चल सम्पत्तियों को बेचने का अधिकार नहीं है, यदि कोई, अचल सम्पत्ति पर मौजूद हो।

दिनांक- 26.03.2024
स्थान- जयपुर

प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)

Format C-7

Information regarding individuals with pending criminal cases, who have been selected as candidates, along with the reasons for such selection, as also as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates
(As per the Commission's directions issued in pursuance of the Order dated 13.02.2020 of the Hon'ble Supreme Court in contempt petition(C) no. 2192 of 2018 in WP(C) no. 536 of 2011)

Name of Political Party : BAHUJAN SAMAJ PARTY
Name of the Election : Lok Sabha General Election 2024
Name of State/UT : RAJASTHAN PHASE - 1
Name of the Constituency : **8-ALWAR**
Name of the Candidate : **FAZAL HUSSAIN**

Sl.No.			
1.	Criminal antecedents		
	a.	Nature of the offences	Section 171 (ख) (ड) OF IPC
	b.	Case No.	Case No 2133/2018
	c.	Name of the Court	ACJM.JM BHIWADI Cr.
	d.	Whether charges have been framed or not (Yes/No)	Yes
	e.	Date of conviction, if any	Nil
	f.	Details of punishment undergone, if any	Nil
	g.	Any other information required to be given	Nil
2.	The reasons for the selection of the candidate. Selection shall be with reference to the qualifications, achievements and merit of the candidate, and not mere "winnability" at the polls (not more than 100 words)		In comparison to the other candidates and their history, it was found to be suitable being the candidate has stated that false FIR has been lodged against him
3.	Reasons as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates (not more than 100 words)		The offences are not grave one seems to be based on political vindicta. His image supported by the local office bearers of the party as clean and good.

--- sd ---
Signature of office bearer of the Political Party
Name and designation : Sridhar (National Treasurer)

महा बचत

ALTO K10 ₹64 000*
S-PRESSO ₹64 000*
SWIFT ₹44 000*
WAGONR ₹64 000*
CELERIO ₹59 000*

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Pre-approved loans · Multiple financiers · Custom generated loans · Loan status tracking
Scan to know more.

ALSO AVAILABLE VIA SUBSCRIPTION. SCAN TO KNOW MORE.
www.marutisuzuki.com/subscribe

SCAN THE QR CODE TO SELL YOUR CAR NOW.

SCAN TO CHAT WITH US

ALTO K10 S-PRESSO SWIFT WAGONR CELERIO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership

MARUTI SUZUKI AUTHORIZED DEALERS: KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.: VAISHALI MARG, VAISHALI NAGAR: 9209056789. **VIPUL MOTORS PVT. LTD.: TONK ROAD:** 2727000, 7340045958. **AJMER ROAD:** 4065555, 9660000363. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.: ADARSH NAGAR:** 4074444, 9549650361. **BANIPARK:** 0141-4072222, 9549651818. **SATNAM MOTOCORP PVT. LTD.: MALVIYA NAGAR:** 0141-6765318, 8302290000. **PREM MOTORS PVT. LTD.: CORPORATE PARK, GOPAL BARI, AJMER ROAD:** 4511111, 9785034000. **JAIPUR-VKI, ROAD NO.8:** 4411111, 9785023000. **SANGA AUTONATION:** 9057809150, 7734901000. **AURIC MOTORS PVT LTD.: MANSAROVAR:** 8929207471.

*Applicable Terms and conditions available at Maruti Suzuki Arena authorized dealer. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. It is inclusive of Consumer offer, Exchange Offer, Corporate/Rural Offer (wherever applicable). All offers are valid till 31st March 2024 or till stocks last. Offers applicable on selected models/variants and selected cities. Car models and accessories shown may vary from the actual product. Black glass on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purpose only. *All loans and schemes are at the sole discretion of the Finance Partner.